छठवी मोहर

अब आईये एक क्षण के लिये हम अपने सिरों को झुकाये।

2 प्रभु, हम लोग फिर से इस सेवकाई के लिये जमा हो रहे है। और हम समय के लिये सोचते है कि आरम्भ के दिनो में, जब वे सब शीलोह में प्रभु की आशीषो के लिये आया करते थे। और अब आज रात्रि, हम यहाँ आपके वचन को सुनने के लिये जमा हुये है। और जैसा कि हम, वचन के इस निश्चित भाग का अध्ययन कर रहे है कि मेम्ना ही केवल एक था जो मोहरो को खोल या तोड सकता था। और हम प्रार्थना करते है कि आज रात्रि, जबकी हम इस महान छठवी मोहर पर विचार कर रहे है, स्वर्गीय पिता हम प्रार्थना करते है कि मेम्ना आज रात्रि इसे हमारे लिये खोलेगा, कि हम यहाँ इसे समझने के लिये है। और जब, पृथ्वी पर और स्वर्ग में कोई भी मनुष्य योग्य नही था, केवल मेम्ना ही योग्य मिला था। इसलिये होने पाये वह सर्वयोग्य, वह आये और मोहर को आज रात्रि हमारे लिये खोले, ताकि हम पर्दे के पीछे बीते हुये समय को देख सके। ये हमारी सहायता करेगा, पिता हम यह विश्वास करते है; यह महान अंधकार, पाप से भरा दिन जिसमें हम रह रहे है; हमारी सहायता करेगा और हमें हिम्मत देगा, अब हम विश्वास करते है कि हमने आपकी दृष्टि में अनुग्रह पाया है। हम अपने आपको वचन के साथ आपको समर्पित करते है, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

आप बैठ सकते है।

3 शुभ संध्या मित्रो, आज रात्रि यहाँ होना सौभाग्य है, कि प्रभु की सेवकाई में हो। मैं थोडी देरी से हूँ। मैं बस गया... एक आपतकालीन, एक मनुष्य जो मर रहा था, इस कलीसिया का सदस्य उसकी माँ या यहाँ आये थे। और उन्होंने कहा लडका तब ही मर रहा था। इसलिये मैं—मैं उस मनुष्य को देखने चला गया, केवल एक छाया मनुष्य कि चारपाई पर पडी हुयी थी, एक मेरी आयू का व्यक्ति मर रहा था। और एक क्षण के समय में, मैने देखा एक मनुष्य अपने पैरो पर उठ कर खडा हो गया और प्रभु की महिमा करने लगा। और इसलिये, परमेश्वर, यदि हम अपने पापो का अंगीकार करना

चाहेंगे, और जो सही है वह करे, अनुग्रह मांगे, उसे पुकारे, परमेश्वर इच्छा कर रहा है और हमारी प्रतीक्षा कर रहा है कि हमें प्रदान करे।

4 और अब, मैं जानता हूँ कि यहाँ आज रात्रि गर्मी है। और—और ये... नहीं, मेरा अनुमान है, कि कुल मिलाकर गर्मी बन्द हो गयी है। और—और हम...

5 मैने बीती रात्रि या आज रात्रि ध्यान दिया कि यह आज कमरे में मेरा सातवां दिन था बिना रोशनी के बस बिजली की रोशनी, देखिये; अध्ययन कर रहा हूँ और परमेश्वर से प्रार्थना कर रहा हूँ कि इन मोहरो को खोले।

6 और वहाँ बहुत से लोग थे जिन्होंने लिखा, उस झुण्ड में से प्रश्नो को... या बीती रात्रि प्रश्न किया जो कि ज्यादा या कम नही थे ना कि इतने जैसे कि प्रश्न थे। यह चंगाई सभा कि प्रतीक्षा कर रहे थे जो भी है, एक और दिन रुकना चाहते थे, कि सोमवार में चंगाई सभा हो जाये। इसलिये मैं—मैं—मैं चाहुँगा, हो सके, मैं वास्तव में कर सकता हूँ यदि इन लोगों कि इच्छा है कि वे ये करेंगे, आप इस पर विचार कर सकते है, और मुझे बता दे, परन्तु यदि आप बस रुकना चाहते है और बीमारो के लिये प्रार्थना।

7 क्योंकि मैने इस समय को पूरी रीति से इन मोहरो के लिये ठहराया है, और अपने आप को मोहरो के लिये अलग किया है।

8 इसलिये आप इस पर विचार कर सकते है, और इस पर, प्रार्थना करें और फिर मुझे बताये, और मैं करुंगा, यदि प्रभु चाहेगा मैं सकता हूँ। मेरी अगली नियोजित भेंट एलबक यूरेक में है न्यू मेक्सीको, और वह कुछ दिनों की होगी, फिर भी। और मुझे किसी कार्य से घर जाना है, एरीजोना में अगली बेदारी सभा को नियोजित करना। और इसलिये तब, यदि यह प्रभु की इच्छा रही! आप इसके लिये प्रार्थना करे, मैं भी वहीं करूँगा, तब हम इसे थोडा और बाद में जान पायेंगे।

9 और मैने अभी पता किया। अब मैं देखता हूँ... आप बीमारियो के विषय में बातें कर रहे हे, यहाँ से आता है, देखिये, मैं इस महिला को यहाँ बैठे देखता हूँ। यदि कोई चीज इसकी सहायता ना करे, तो ये यहाँ रहने नही जा रही है, बस थोडी और देर। इसलिये तब, देखिये, हम—हम प्रार्थना करते है कि परमेश्वर करेगा इसी चीज के लिये आप यहाँ पर है, यहाँ पर आते है इसलिये देखिये, पवित्र आत्मा सारी बातें जानता है, आप देखिये। इसलिये वह...

10 परन्तु देखिये मैने कोशिश की है कि इस समय को इन मोहरो के लिये ठहराऊ, क्योंकि हम इसी के लिये बैठे है, आप देखिये। परन्तु यदि वहाँ...

11 जो भी है, यहाँ कितने लोग बीमार है, जो प्रार्थना करवाने के लिये आये है? आपके हाथों को देखे, चारो तरफ, हर जगह। ओह, प्रभु! व्हूम! अच्छा कितने यह सोचेंगे कि ये ये सही रहेगा प्रभु की इच्छा है कि रुक कर और यह ले, सोमवार रात्रि को ले बस बीमार के लिये प्रार्थना करे, और सोमवार रात्रि एक चंगाई सभा? क्या आप ये करना चाहेंगे? क्या आप ये कर सकते है? अच्छा, प्रभु चाहेगा, तो हम ये करेंगे समझे? हम—हम बीमारो के लिये प्रार्थना सभा करेंगे सोमवार या रविवार सोमवार रात्रि को या... सोमवार रात्रि और बीमार के लिये प्रार्थना।

12 अब मैं आशा करता हूँ कि यह उस झुण्ड के लिये रुकावट नही करता जिसके लिये मैं वापस जा रहा हूँ वापस एरीजोना जा रहा हूँ, भाई नोरमन यहाँ कही पर है? भाई नोरमन क्या यह आपकी योजना में रुकावट डाल रहा है? [भाई जीन नोरमन कहते है, "नही।"—सम्पा।] भाई फ्रेड और आप बाकी लोग क्या यह ठीक है? [दूसरे कहते है, "ठीक है।"] देखिये? यह ठीक है, ठीक है।

13 तब प्रभु चाहेगा, सोमवार रात्रि हम बीमारो के लिये प्रार्थना करेंगे कुल मिलाकर उनके लिये एक अलग रात्रि, बस बीमारो के लिये प्रार्थना कर रहे है। अब यह मोहरो के लिये नही होगी, यदि प्रभु इन मोहरो को खोल देगा, तब हम बीमारो के लिये प्रार्थना करते है, सोमवार रात्रि।

14 अब, ओह, मैं वास्तव में इसमें आनन्द ले रहा हूँ, इनकी अधीनता में जबरदस्त प्रभु की सेवकाई! क्या आपने आनन्द लिये इस में, मोहरो के खुलने में? [सभा "आमीन!" कहती है।—सम्पा।]

15 अब हम पांचवी मोहर से बोल रहे है या... बल्कि छठवी मोहर। और ये हम छठवे अध्याय के 12 वे पद से ले रहे है नीचे 17 वे तक यह मोहरो में एक लम्बी है, यहाँ पर बहुत सी चींजे घटित हुयी है। और अब...

16 पिछली रात्रि का एक छोटा सा पुन: दोहराना बताया एक प्रकार से एक छोटी भूमिका, हर बार।

17 और कहते है मैं—मैं भी कुछ कहना चाहता हूँ। मैने उस बॉक्स में पाया मेरे लिये चार या पाँच महत्वपूर्ण बातें। मुझे यह बताया गया... और मैं निश्चय ही क्षमा याचना चाहता हूँ। क्या टेप चल रहे है? टेप चल रहा है?

मैं अपने सेवक भाईयो से क्षमा याचना चाहता हूँ और जो लोग यहाँ पर है। वे कहते है उस रात्रि जब मैं एलिय्याह के विषय में बोल रहा था, उस घडी में जब वे थे... उसने सोचा कि केवल वही एक है जो उठा लिये जाने में जा रहा है, या केवल वही एक बचने वाला है। मैं—मैने सात सौ कहा बजाये सात हजार के क्या। यह ठीक बात है? [सभा कहती है, "हाँ।"—सम्पा।] भाई मुझे निश्चय ही खेद है इसके लिये, लोगों, मैं—मैं—मैं इसे अच्छी तरह से जानता हूँ यह बस साधारण सी बोलने की गलती है क्योंकि मुझे मालूम है कि यह सात हजार है। मैने बस यह ठीक नही बोला, मैं... और मैं—मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। और इसका यह अर्थ है... मैं प्रसन्न हूँ कि आप ध्यान दे रहे थे कि मैं क्या कहता हूँ। और आप देखिये, तब, यह... क्योंकि, यह, यह ये सात हजार है।

18 इस पर मेरे पास दो या तीन टिप्पणियाँ है, जिसने कहा, "भाई ब्रन्हम, मैं विश्वास करता हूँ आप गलती कर रहे थे।" ये कहा, "क्या वे सात हजार नहीं थे, बजाये सात सौ के? "

19 मैने सोचा, "निश्चय ही मैने सात सौ नही कहा।" समझे? कि और फिर मैं... बिली...

20 और तब मैं, पहली चीज आप जानते है, मैंने दूसरी टिप्पणी उठा ली। इसने कहा, "भाई ब्रन्हम, आप थे... मैं विश्वास करता हूँ कि आपने सात सौ कहा है।"

21 एक, एक व्यक्ति ने कहा, "भाई ब्रन्हम, क्या ये एक आत्मिक दर्शन था, जो कि एक प्रतीक होने जा रहा है और आप इसे सात से दर्शा रहे है... ? " ये लोगों को धार पर खडा कर देता है, जब आप इन बातों को सोचते है, देखिये। और यही प्रयाप्त था, कि ये मुझे धार पर रखता है।

22 आज कुछ घटित हुआ, जब मोहर खुली थी कि मैं पूरी रीति से आंगन में बाहर आ गया, बस चलने लगा, वहां बाहर ऑगन में थोडी देर के लिये। यह ठीक बात है। यह बस साधारणता में मेरी साँस मुझ में से निकल गयी। समझे? इसलिये आप बात करते है, एक तनाव? ओह, प्रभु! समझे?

23 दूसरी बात, आप ठीक वही है जो मैं कहता हूँ। और परमेश्वर मुझे इसके लिये उत्तरदायी ठहराने जा रहा है जो मैं आपको बताता हूँ। समझे? और इसलिये मैं—मैं मुझे पूरी रीति से निश्चित होना चाहिये, जितना निश्चित मैं

हो सकता हूँ, देखिये इन बातों के लिये क्योंकि यह एक जबरदस्त समय है जिसमें हम जी रहे है। जी हाँ।

24 मैं सोमवार रात्रि को चंगाई सभा के लिये सोच रहा था। भाई नेविल, क्या यह आपके साथ कही विघ्न डालेगी। [भाई नेविल कहते है, "नही, जरा भी नही, मैं यही होऊंगा"—सम्पा।] यह अच्छा है।

25 मूल्यवान भाई नेविल! मैं आपको बताता हूँ, उन्होंने इसे बस एक बना दिया है, मैं सोचता हूँ तब आदर्श खो दिया। ये... वह निश्चय ही एक वास्तविक जिन्दादिल और मेरा मित्र है, मैं आपको बताऊंगा।

26 अब अराधनालय बन गया है और सण्डे स्कूल के कमरे और हर चीज क्रम में तैयार है यहाँ। और आप में से कुछ लोग जो यहाँ आसपास में है, जैफरसनविले के आसपास, अराधनालय आना चाहते है, आपके पास एक अच्छी जगह है, और सण्डे स्कूल के कमरो के लिये अच्छा स्थान।

27 अच्छे शिक्षक, और व्यस्को की कक्षा के लिये भाई नेविल यहाँ पर है, एक वास्तविक पास्टर, मैं यह उनको चढाने के लिये नहीं कहता हूँ, परन्तु मैं बल्कि उन्हें एक छोटा गुलाब देता हूँ बजाये सारी माला के उसके चले जाने के बाद। और—और भाई नेविल, मैं उन्हें तब से जानता हूँ जब मैं एक लडका था। वह अब भी जरा नही बदले। वह अब भी ओरमन नेविल है, जैसा कि वे सदा से थे।

28 मुझे मुलाकात याद है। यहाँ तक कि बहुत ही कृपालू कि मुझे अपने प्रचार मंच के लिये कहा, जब वह यहाँ नगर में मैथोडिस्ट प्रचारक थे। और हमारे पास वहाँ क्लार्कविल्ले में एक अच्छी भक्त मण्डली थी... मैं समझता हूँ कि वह होवार्ड पार्क हैरिसन अवेन्यू मेथोडिस्ट चर्च कहलाता था। मैं सोचता हूँ वही जहाँ उसने आपको पाया होगा, वहॉ पर बहन नेविल, वहाँ पर क्योंकि वह वहाँ सदस्य थी...

29 मैं वापस आया और मैने कलीसिया से यहाँ पर कहा, मैने कहा, "वह था... एक बहुत अच्छा व्यक्ति है! और उन्ही किन्ही दिनो में, मैं उसे प्रभु यीशु के नाम में बपतिस्मा देने वाला हूँ।" यह हो गया।

30 वह यहाँ है और अब वह मेरा यार है, ठीक मेरे साथ। और ऐसा सम्मान योग्य, आदर योग्य मनुष्य! वह सदा मेरे साथ खडा रहा जैसे... जितना समीप वह हो सकता था। जो भी मैं कहता, वह बस मेरे साथ रहता और उसी पर टिका रहता। यहाँ तक कि जब वह पहली बार अन्दर आया,

तब वह सन्देश को नही समझ सका, परन्तु उसने इसका विश्वास किया और इसी के साथ बना रहा, यह सम्मान, यह आदर, इस प्रकार के भाई को। मैं उसके लिये बहुत कुछ कह सकता हूँ, और अब प्रभु उसे आशीष दे। ठीक है।

31 अब थोडा सा पूर्व अवलोकन बीती सांझ का, पांचवी मोहर के टूटने में। हम सारे में वापस नहीं जायेंगे, आज रात्रि उतना ही पीछे कि पांचवी मोहर को ले।

32 अब हम पाते है वहाँ एक मसीह विरोधी सवारी ने की और स्वयं को उन तीन सामर्थो के द्वार घायल किया। ये सब एक सामर्थ में चले गये और पीले घोडे पर सवार हुआ, "मृत्यु," उस अथाह गड्ढे में उस नरकवास में जहाँ से वह आया। और तब हम पाते है, जब...

33 वचन कहता है, "जब शत्रु बाढ के समान आता है, परमेश्वर का आत्मा उसके विरोध में स्तर को और ऊंचा कर देता है।" और गतरात्रि हमने इसे वचन में प्रमाणित होते हुये देखा, क्योंकि वहाँ पर चार पशु थे जिन्होंने चार बार उत्तर दिया कि इस घुडसवार ने सवारी की।

34 और उसने हर बार एक अलग घोडे पर सवारी की, एक सफेद घोडा और फिर लाल घोडा और एक काला घोडा और फिर पीला घोडा। और हम पाते है कि वे रंग और वे क्या थे और उन्होंने क्या किया। और फिर सीधा वापस कलीसियायी युगो में लिया और इसने ठीक वही किया, बिल्कुल ठीक।

35 इसलिये, आप देखते है, जब परमेश्वर का वचन आपस में मेल खाता है इसका अर्थ है यह ठीक है, आप देखिये। जी हाँ। मैं किसी भी बात का विश्वास करता हूँ, जो परमेश्वर के वचन के साथ मेल खाता है सदा "आमीन" है। समझे?

36 अब जैसा एक व्यक्ति ने कहा उनका एक दर्शन था और कहा कि यह था। ओह, वे जानते है कि प्रभु यह देता है क्योंकि यह एक बडी सामर्थ के साथ आता है। अच्छा, दर्शन ठीक हो सकता है। परन्तु यदि यह वचन के साथ नहीं है और वचन के विरोध में है, तो यह सही नहीं है। समझे?

37 अब, हो सकता है यहाँ पर बहुत से मारमोन भाई–बहन उपस्थित हो। और हो सकता है कुछ इन टेपो को ले, अब। और यह ना कहना चाहे... कुछ बहुत अच्छे लोग मैं और आप उन से मिलना चाहते हो, मारमोन लोगों

में होगे; बहुत ही अच्छे तरह के लोग। और फिर उनका भविष्यद्वक्ता जोसफ स्मिथ जिसे कि मैथोडिस्ट लोगों ने उसे यहाँ इलिनोयस में मार डाला, वहाँ अपनी यात्रा में। और इसलिये तब वह—वह अच्छा मनुष्य और दर्शन, मैं बिल्कुल भी सन्देह नही करता, उन दर्शनो का जो उसने देखे। मैं विश्वास करता हूँ कि वह एक ईमानदार व्यक्ति था। परन्तु दर्शन जो उसे मिले वे वचन के विरुध्द थे। समझे? इसलिये उनके पास वह मारमोन बाइबल होनी ही थी कि इसे बनाये रखे। समझे?

38 *यही* यहाँ पर मेरे लिये है। यह है। यही कारण है केवल वचन, यही बात है। समझे?

39 एक बार एक सेवक विदेश से आया और वह... और मैने उसे वहाँ बाहर देखा एक... कार में सवारी करते हुये, के साथ जो कि नहीं... एक स्त्री के साथ। और वे एक सभा में आये। और मैने पाया, वे दो तीन दिन से यात्रा में थे वह और वह सभा में एक साथ आये। और स्त्री विवाहित थी तीन या चार अलग समयो में।

40 और ये सेवक होटल के गलीयारे में चलता हुआ आया जहाँ मैं था और दौड कर मुझ से हाथ मिलाया। और मैने उससे हाथ मिलाया, उठा और मैं उस से बातें कर रहा था। मैने उससे पूछा, मैने कहा, "जब आपके पास समय हो, क्या मैं आपसे अपने कमरे में बात कर सकता हूँ एक क्षण के लिये? "

उसने कहा, "निश्चय ही, भाई ब्रन्हम।"

41 मैं उसे कमरे में ले गया। और मैने सेवक से कहा, मैने कहा, "आदरणीय श्रीमान आप देश में परदेशी है।" मैने कहा, "परन्तु इस स्त्री का बहुत नाम है।" मैने कहा, "क्या... और आप *अमूक–अमूक* स्थान से होते हुये आये है, और इस *अमूक–अमूक* स्थान में? "

बोला, "हाँ, श्रीमान।"

42 और मैने कहा, "क्या आप डरे नहीं कि यह एक प्रकार से होगा... मैं आप पर सन्देह नहीं कर रहा हूँ, परन्तु क्या आप नही सोचते कि इसका प्रभाव आपके सम्मान पर एक सेवक के समान पडेगा? क्या आप नही सोचते हमें थोडा इससे अच्छा आदर्श रखना चाहिये? "

और उसने कहा, "ओह, यह महिला एक संत है।"

43 मैने कहा, "मैं इसमें सन्देह नही करता हूँ।" परन्तु मैने कहा, "परन्तु, भाई, बात ये है हर कोई जो उसे देखता है संत नही है, देखिये, वे ये देखते है कि आप क्या कर रहे है।" और मैने कहा, "मैं विश्वास करता हूँ अच्छा हो कि आप ध्यान रखे। यह एक भाई दूसरे भाई को।" और उसने कहा... मैंने कहा, "वह महिला अब चार या पांच बार विवाह कर चुकी है।"

और उसने कहा, "जी हाँ मैं यह जानता हूँ।" कहा, "आप जानते है, मैं—मैं... "

44 मैने कहा, "आप क्या अपने घर की कलीसिया में यह नही सिखाते, क्या आप इसके लिये? "

45 इसलिये कहा, "नही परन्तु," कहा, "आप जानते है मुझे इसके लिये दर्शन मिला था, भाई ब्रन्हम।"

मैने कहा, "भाई, यह बहुत अच्छा है।" मैने कहा...

46 उसने कहा, "क्या आप बुरा मानते है? " कहा, "मैं विश्वास करता मैं आपको थोडा सा आपकी शिक्षा में सुधार कर सकू इस विषय में।"

47 और मैने कहा, "ठीक है।" और वह... मैने कहा, "मैं—मैं—मैं इस बात का जान कर प्रसन्न होऊंगा, श्रीमान।"

48 और उसने कहा, "अच्छा ठीक है।" कहा, "आप जानते है इस दर्शन में," उसने कहा, "मैं सोया हुआ था।"

और मैने कहा, "जी हाँ" तब मैने देखा यह एक स्वप्न था। समझे?

49 और उसने कहा, "मेरी पत्नी," बोला, "वह किसी और पुरुष के संग रह रही थी," और कहा "और मेरे आस–पास घूम रही थी।" और कहा, "तब वह मेरे पास आयी और उसने मुझ से कहा, 'ओह, प्रिय मुझे क्षमा कर दो, मुझे क्षमा कर दो!' कहा, 'मैं—मैं—मैं—मैं खेदित हूँ कि मैने यह किया। अब ये आगे मैं सच्ची बनी रहूंगी।'" कहा, "निसन्देह मैने उससे इतना अधिक प्रेम किया, मैने बस उसे क्षमा कर दिया कहा, 'ठीक है।'" और कहा, "तब... "

50 और कहा, "क्या आप जानते है क्या? तब इस दर्शन का अनुवाद मिला।" कहा, "वह एक स्त्री थी।" कहा, "निश्चय ही, वह विवाहित थी और—और आदि–आदि और इसे सारे समयो में।" और कहा, कि, "उसके लिये यह ठीक थी कि उसने विवाह किया, क्योंकि परमेश्वर ने

उससे इतना प्रेम किया, कि वह जितनी बार भी चाहे विवाह कर सकती थी, जहाँ तक हो... ”

51 मैने कहा, “आपका दर्शन जबरदस्त मीठा था, परन्तु यह यहाँ मार्ग से हटा हुआ था।” मैने कहा, “ये—ये गलत है, देखिये। आपको यह नही करना चाहिये था।” ताकि... समझे?

52 परन्तु जब आप वचन में देखते है, वचन के साथ मेल खाना चाहिये, जब यह मिलता है तो निरन्तरता में होना चाहिये। वे वचन, जहाँ ये यहाँ पर छुटता है, वो यहाँ दूसरा वाला आता है और इसके साथ मेल खाता है और सारे चित्र को बनाता है।

53 जैसे कि आपस काटने वाली पहेली एक समान रखते है। आप टुकडा ढूंढते है जो इसमें सही बैठता है। इसमें और कुछ सही नही बैठ सकता, तब आप चित्र को तय कर रहे होते है।

54 और वहाँ केवल एक ही इसे कर सकता है, वह मेम्ना है और इसलिये हम उसे देख रहे है।

55 परन्तु हम पाते है कि जब ये, यह सवार, वह एक ही सवार था जिसने इन घोडो पर सवारी की। और फिर हमने यहाँ तक इसका पीछा किया, देखा कि उसने क्या किया और सब कुछ और पाया कि पिछली कलीसियायी कालो में ठीक वही जो उसने किया।

56 तब जब वह किसी निश्चित पशु पर गया और निश्चित चीज को किया, हम पाते है कि वहाँ एक को भेजा गया था जो उसने किया उसका सामना करे।

57 वहाँ एक पहले युग के लिये भेजा गया था, मेम्ने का... सिंह का। वह—वह वचन था, निसन्देह, मसीह।

58 अगला बैल था उस अन्धकार के काल में, जब—जब कलीसिया संस्थागत हो गयी थी, और धर्म सिद्धतो को स्वीकार कर लिया था, बजाये वचन के।

59 और स्मरण रखे सारी बात दो बातों पर आधारीत थी; एक, एक मसीह विरोधी; दूसरा वाला, मसीह का।

60 और आज भी वही बात है। वहाँ कोई आधा मसीही नही है। वहाँ कोई शालीन पियक्कड मनुष्य नही है; कोई काली सफेद चिडियाये; नहीं, नही; नही कोई पापी संत नही, नहीं। आप या तो पापी या एक संत है। समझे?

वहाँ कोई बीच में नहीं है आप या तो नया जन्म पाये हुये या आप नया जन्म पाये हुये नही है। आप या तो पवित्र आत्मा से भरे हुये है या आप पवित्र आत्मा से भरे हुये नहीं है। कोई मतलब नहीं, आपको कितनी संवेदनाये होती है, यदि आप पवित्र आत्मा से भरे हुये नही है तो आप इससे भरे हुये नही है। समझे? और यदि आप इससे भरे हुये है, आपका जीवन यह दर्शाता है सीधा इसी पर जाता है। समझे? किसी को इस विषय में कुछ नहीं बताना है। वे इसे देखते है, देखिये, क्योंकि यह एक मोहर है।

61 अब और हम उन पशुओ को पाते है, हर बार कैसे उनकी सवारी हुयी। एक को उसकी सेवकाई में भेजा गया, राजनैतिक सामर्थो में, धार्मिक शक्तियो को और राजनैतिक शक्तियो को एक साथ जोडना। हम पाते है, परमेश्वर ने अपनी सामर्थ इसका सामना करने को भेजा। हम ठीक वापस जाकर और देखते है कि यह कौन सा कलीसियायी युग था और पलट कर देखते है; और यह वहाँ पर था, ठीक उसी प्रकार से।

62 तब हम पाते है दूसरा युग आता है और शत्रु मसीह विरोधी को धर्म के नाम में भेजता है, मसीह के नाम कि अधीनता में, कलीसिया के नाम की अधीनता में। जी हाँ, श्रीमान। यहाँ तक कि कलीसीया के नाम की आधीनता में गया। "वह वास्तविक कलीसिया थी, " उसने कहा। समझे?

मसीह विरोधी रुस नही है। वह मसीह विरोधी नही है।

63 मसीह विरोधी बहुत ही समीप है जैसे वास्तविक मसीहत, यहाँ तक कि बाइबल ने कहा, "वे हर चीज को मूर्ख बना देगा जो पहले से ठहराया हुआ नही है।" यह ठीक बात है। बाइबल ने ये कहा है, "अन्त के दिनो में हर चीज जो पहले से ठहराई हुयी नही थी, चुने हुये।" ये कहता है, "चुने हुये!" अब कोई वचन लेता है और वापस आपके हाशिये पर भागता है, आप देखिये इसका क्या अर्थ है। यह कहता है, "चुने हुये, पहले से ठहराये हुये।" समझे? "यह हर एक को मूर्ख बनायेगा जिनके नाम मेम्ने के जीवन की पुस्तक में नही लिखे है, संसार की सृष्टि से पहले।"

64 जब मेम्ना वध किया गया था, नाम पुस्तक में लिखे गये थे। आज रात्रि वह महिमा में पवित्र स्थान में खडा हुआ है, बिचवाई कर रहा है उन हर प्राणों के लिये जिनके नाम उस पुस्तक में है। और कोई वह नाम नही जानता सिवाये उसके। वही एक है जिसके हाथ में वह पुस्तक है और वह जानता है, जब वह अन्तिम वाला भीतर आता है, तब उसके बिचवाई के

दिन समाप्त हो जाते है। वह तब दावा करने आता है जिनकी उसने बिचवाई की है वह निकट छुडानेवाले कुटम्बी का कार्य कर रहा है; अब वह अपनो को लेने के लिये आता है। ओह, प्रभु!

65 इससे हर मसीही को तैयार हो जाना चाहिये कि अपने आप को जांचे, और परमेश्वर के सामने अपने हाथे को उठाये रखे, कहते रहे, "ओह प्रभु, मुझे साफ करे! मेरे जीवन में देख और—और मुझे और मुझे देखने दे, कि मेरा खराब भाग कहाँ है। मैं इसे जल्द ही मार्ग से हटा दू।" "क्योंकि यदि धर्मी कठिनता से बचेगा तो पापी कहाँ होगा और अधर्मी दिखाई पडेगा? " यह जांचने का समय है।

66 और यदि आप इसे रखना चाहेंगे और चाहते है कि... और वचन को देना। (अब मैं नहीं चाहता कि आप इस पर मुझ से प्रश्न करे क्योंकि यह मुझे दूसरे पर ले जायेगा; मेरा अर्थ अपने प्रश्नो को लिखना। मैं सोचता हूँ जो भी है, प्रश्न हो चुके है।) यह जांच पडताल न्याय का समय है। यह ठीक बात है। अब हम इसे तुरहियो पर लेंगे, जब हम उस पर आते है, जब भी प्रभु देगा या कटोरे और हम इसे जांच के न्याय पर पायेंगे, जब संकटो के आने के थोडा सा पहले। और—और हम देखते है कि यह सच है और तीन स्वर्गदूत जो पृथ्वी पर प्रहार करते है, चिल्ला रहे है, "हाय! हाय! पृथ्वी के रहने वालो पर हाय!"

और हम एक भयानक समय में रह रहे हैं, एक समय जो...

67 आप देखिये, ये चींजे जिनमें हम अब है, जिनका हम अध्ययन कर रहे है इस समय, ये कलीसिया के चले जाने के बाद है देखिये, यह चींजे क्लेश के समय में हैं। और मैं सोचता हूँ इस बात को हर विश्वासी के हृदय में बैठ जाना चाहिये कि यह कलीसिया कभी भी क्लेश के समय में नहीं जायेगी। आप कलीसिया को कही भी क्लेश में नहीं रख सकते। मैं... आप कलीसिया को रखते है ना कि दुल्हन को। देखिये, दुल्हन जा चुकी है।

68 क्योंकि देखिये, वह उसमे एक भी पाप नही है, उसके विरोध में एक भी चीज नही। परमेश्वर के अनुग्रह ने उसे ढांप रखा है। और निरंजक ने उसके हर पाप को दूर कर दिया है, यहाँ तक कि उनका स्मरण भी नहीं है; एक भी चीज नहीं; सिवाये शुद्धता के, सिद्ध परमेश्वर की उपस्थिति में। ओह, इससे दुल्हन को अपने घुटनो पर आ जाना चाहिये और परमेश्वर को पुकारना चाहिये!

69 मैं एक छोटी कहानि के विषय में सोचता हूँ, यदि मैं आप लोगों का अधिक समय नही ले रहा हूँ इस प्राथमिकी में। मैं... यह मैं एक उद्देश्य के लिये करता हूँ अनुभव के लिये, जब तक मैं आत्मा का अनुभव करता ठीक आरम्भ करने के लिये।

70 यह, यह एक पवित्र चीज है। समझे? ये, देखिये, वहाँ इन बातों को कौन जानता है? कोई नहीं सिवाये परमेश्वर के। और वे प्रकट नहीं होने थे और बाइबल में सिद्ध के वे आज के दिन तक प्रकट नहीं हुये। यह बिल्कुल ठीक बात है। समझे? इन के लिये अनुमान लगाये गये; परन्तु अब हमें सिद्ध मिल जाना चाहिये, वह सत्य, प्रमाणित सत्य। समझे? ध्यान दे।

71 अब, वहाँ पश्चिम में एक छोटी लडकी थी, कि वह कैसे एक मनुष्य के साथ प्रेम कर बैठी... एक पुरुष, उसने उससे प्रेम किया। एक पशुओ का खरीदनेवाला, वहाँ एक अमीर कम्पनी के लिये निकल कर आया। और—और उनके पास एक महान था...

72 एक दिन उनका मालिक आया, मालिक का लडका शिकागो से और उन्होंने उन्हें एक नियमित पश्चिमी सीमा पर लगा दिया। वहाँ की लडकियाँ, उन्होंने पोशाके पहनी; उन में से प्रत्येक उस लडके को पाना चाहती थी निश्चय ही, आप जानते है, क्योंकि वह मुख्य पुरुष का लडका था। इसलिये, उन्होंने अपने पश्चिमी सीमान्त के वस्त्र पहने।

73 और—और वे पश्चिम में करते है और वे उन में से एक घटनाक्रम में से होकर निकले। और भाई मगुइरे मैं सोचता हूँ वह अब यहाँ पर है उन्होंने इन्हे वहाँ बिना पश्चिमी वेशभूषा के पकड लिया था और उन्होंने इन्हे कैद में डाल दिया था। और इन्हे एक कंगारु अदालत में डाला और उसके लिये भुगतान लिया और फिर उन्हें पश्चिमी वेषभूषा को खरीदने के लिये जाने दिया। और मैने देखा उन में, बाकी लोग आसपास *ऐसी* लम्बी बन्दूके लटकाये घूमते फिरते है। और वे वहाँ के मूल निवासी है। वे कुछ उन चीजों में रहने का यत्न करते है जो पीछे के बीते हुये दिनो में। समझे?

74 और तब केन्टकी में आप उन पूर्व के बीते हुये दिनो में रहने का यत्न करते है, अब भी पीछे के रेंफ्रो घाटी के और आदि–आदि। आप वापस पुराने दिनो में जाना पसन्द करते है। यह कुछ है जो इसका कारण है।

75 परन्तु जब यह वापस आता है, कि वापस सुसमाचार के मूल रुप में आये, आप यह नहीं करना चाहते, आप कुछ आधूनिक सा चाहते है आप देखिये। यह दर्शाने जा रहा है देखिये, आप—आप... वहाँ एक...

76 और क्या है जो मनुष्य से गलत करवाता है? क्या है जो वह पीता है और चलता रहता है या एक स्त्री गलत करती है? इसलिये क्योंकि वह यत्न कर रही है। उसमें कुछ है, प्यास, उसमें कुछ है प्यास। और वे उसे बुझाने का यत्न कर रहे है उस पवित्र प्यास को संसार की चीजो से, जब कि उसे परमेश्वर ने ही बुझाना है। उसने आपको इसी प्रकार से बनाया है कि प्यासे हो। यही कारण है कि आप में किसी चीज की प्यास है। परमेश्वर ने आपको इसी प्रकार से बनाया है, इसलिये कि आप उस पवित्र प्यास को उसकी ओर मोड देगे। समझे? परन्तु जब आप उस प्यास को बुझाने का यत्न करते है... कैसे कोई इसे करने का साहस करता है! आपके पास यह करने का अधिकार नहीं है कि उस पवित्र प्यास को बुझाने का यत्न करे कि आप को किसी चीज की प्यास है और तब आप इसे संसार की ओर मोड देते है, इसे संसार से सन्तुष्ट करने का यत्न करते है। आप यह नहीं कर सकते, केवल एक ही चीज है जो इसे भर सकती है और वह परमेश्वर है। और उसने आपको इसी प्रकार से बनाया है।

77 इसलिये इन युवा लडकियों ने वह पश्चिमी वाली पहनी और इस लडके के लिये जब वह आता है आगे बढी। और उन में से प्रत्येक निश्चित थी कि उन्हें वह लडका मिलने वाला है।

78 वहाँ पर एक छोटी चचा जात, पशुओ के फार्म पर थी और वह अनाथ थी और इसलिये वह इन सब के लिये सारे काम किया करती थी। क्योंकि उनके तो नाखूनो पर पालिश होती थी आप जानते है और वे बर्तन नहीं धो सकती थी हाथो से और चींजे। और उसने वास्तव में कठोर कार्य किये।

79 और तब अन्त में जब वह लडका आया, वे बाहर आये और उसके लिये पश्चिमी तरीके और एक घोडागाडी। और वे अन्दर आये अपनी बन्दूके चला रहे थे और आप जानते है चल रहा था और कर रहे थे। और उस रात्रि वहाँ उनका एक बडा नृत्य था, पुराने रिवाजो वाला नृत्य और वहाँ पशु फार्म के सारे लोग भीतर अपने नृत्य के साथ आ रहे थे और आदि। और पहली बात आप जानते है ये क्यों चल रहा था, दो या तीन दिनों के लिये पर्व।

80 तब एक रात्रि यह लडका बाहर निकला... उस स्थान से, कि नृत्य से थोडा विश्राम ले और इन लडकियो से अलग हुआ। और उसने देखा बाडे कि ओर नीचे जा रहा था। वहाँ एक लडकी गयी, एक प्रकार से पुराने कपडो में। और उसके हाथो में पानी से भरा बर्तन था, उसने प्लेटे धोई थी और उसने सोचा, कि "मैने इसे पहले कभी नही देखा। मुझे आश्चर्य हुआ कि यह कहाँ से आयी? " इसलिये उसने अपना रास्ता उस पुराने टूटे घर की एक ओर से लिया और वहाँ नीचे जाकर और वापस आया, बाडे के किनारे से और उस से मिला।

81 वह नंगे पैर थी, वह रुक गयी, उसने अपना सिर नीचे कर लिया उसने देखा ये कौन है और वह बहुत ही शर्मीली थी। वह इस बडे व्यक्ति को जानती थी। और ये उन दूसरी लडकियों की चचेरी बहन थी। उनका पिता इस बडे आर्मर में फोर मैन था इसलिये उन्होंने रखा... वह नीचे की ओर देखती रही, उसे अपने नंगे पैरो पर लज्जा आ रही थी।

82 उसने कहा, "तुम्हारा क्या नाम है? " उसने उसे बताया। कहा, "तुम वहाँ क्यों नही थी... जहाँ वे बाकी सारे है? " और उसने बहाने बनाये।

83 और फिर अगली रात्रि उसने उस पर फिर से ध्यान रखा। अन्त में... वह वहाँ बाहर बैठा था और वे सारे हर चीज चल रही थी। वह बाडे के किनारे पर बैठा उसके आने कि राह देख रहा था कि प्लेटो के धुलाई का पानी फेंके। और उसने उसे देखा। और उसने उससे कहा, उसने कहा, "तुम मेरे यहाँ आने का वास्तविक उद्देश्य जानती हो? "

उसने कहा, "नहीं, श्रीमान, मैं नही जानती।"

84 बोला, "मेरे यहाँ आने का उद्देश्य है कि मैं अपने लिये पत्नी ढूंढू।" उसने कहा, "वह चरित्र मैने तुम में पाया है जो कि उन में नहीं है।" मैं कलीसिया के लिये सोच रहा हूँ, आप देखिये। कहा, "क्या तुम मुझ से विवाह करोगी? "

उसने कहा, "मैं? मैं? मैं—मैं ऐसी बात नही सोच सकती।"

85 देखिये, ये मालिक का लडका था। उसके पास सारी कम्पनियाँ और चरागाहे सारे देश में थी और हर चीज, आप देखिये। कहा, कहा, "हाँ।" कहा, "मैं शिकागो में नही पा सका। मै एक वास्तविक पत्नी चाहता हूँ। मैं एक पत्नी चरित्र के साथ चाहता हूँ। और जो चीज मैं ढूंढ रहा हूँ, वो मैं तुम में देखता हूँ।" कहा, "क्या तुम मुझ से विवाह करोगी? "

उसने कहा, "ओह... " इस बात ने उसे चौका दिया। और उसने कहा, "हाँ।"

86 और उसने कहा, "ठीक है... " और उसे बताया कि वह वापस आयेगा। कहा, "अब, तुम अपने आप को तैयार कर लो और आज से एक वर्ष बाद मैं वापस आऊंगा। ठीक... और मैं तुम्हे ले लुंगा और मैं तुम्हे यहाँ से ले जाऊंगा। तुम को इस प्रकार से फिर और काम नही करना पडेगा। मै तुम्हे ले जाऊंगा। और मैं शिकागो जाऊंगा और मै तुम्हारे लिये एक घर बनाऊंगा जैसा तुमने कभी नही देखा होगा।"

87 उसने कहा, "मेरे पास कभी भी घर नहीं था। मैं एक अनाथ हूँ," उसने कहा।

88 उसने कहा, "मैं तुम्हारे लिये एक घर बनाऊंगा, एक वास्तविक वाला।" कहा, "मैं वापस आऊंगा।"

89 वह उसके संम्पर्क में बना रहा, उस समय के चलते वर्ष भर। उसने सब कुछ किया जो वह कर सकती थी कि एक डॉलर प्रति दिन की मजदूरी से प्रयाप्त बचत करे या जो भी वह धोने आदि से बचाये कि अपना विवाह का वस्त्र खरीदे। कलीसिया का सिद्ध रुप! समझे? समझे? उसने अपना वस्त्र तैयार कर लिया।

90 और, आप जानते है, जब उसने अपना विवाह वस्त्र दिखाया, उसकी रिश्ते की बहनो ने कहा, "क्या तू गरीब मूर्ख। तेरे सोचने का अर्थ है, उस तरह के व्यक्ति का तेरे से क्या लेना देना? "

91 उसने कहा, "परन्तु उसने मुझ से प्रतिज्ञा की है।" आमीन। कहा, "उसने प्रतीज्ञा दी है।" कहा, "मैं उसके वचन का विश्वास करती हूँ।"

92 "ओह, वह तो तुझे मूर्ख बना रहा था।" कहा, "यदि वह किसी को लेगा, वह उन मे से एक को लेगा।"

93 "जी हाँ," कहा, "परन्तु, उसने मुझ से प्रतिज्ञा की है। मैं उसकी राह देख रही हूँ।" आमीन। मैं भी।

94 इस प्रकार से समय बीतता गया। अन्त में वह दिन आ गया, निश्चित घडी, उसे वहाँ होना था, इसलिये उसने अपना वस्त्र पहन लिया। यहाँ तक की उसने उससे कुछ सुना भी नहीं। परन्तु वह जानती थी कि वह वहाँ

होगा, इसलिये उसने अपने विवाह के वस्त्र पहन लिये, चीजो को तैयार कर लिया।

95 अच्छा, तब वे उस पर वास्तव में हंसे। क्योंकि, मुख्य मालिक ने फोर मैन के पास सन्देशा भेजा या, या... किसी भी लडकी ने उसके विषय में कुछ नहीं सुना, इसलिये उनके लिये ये सब भेद भरी बात थी। यह भी यह निश्चित है।

96 परन्तु यह लडकी, उन सब के सामने उसके वचन के आधार पर कि वह उसके लिये वापस आयेगा।

97 इसलिये वे हंसने लगे। और एक दूसरे के गले में हाथ डाल कर उसके चारो ओर नाचने लगे। कहा, "हा!" हंस रहे थे, आप जानते है, इस प्रकार से कहा, "बेचारी छोटी मूर्ख!"

98 वह वहाँ खडी थी जरा भी लज्जा उसमें नहीं थी। वह अपने फूलो को पकडे खडी थी। और उसका विवाह वस्त्र वह पहने हुये थी; उसने संघर्ष किया था आप जानते है। "उसकी दुल्हन ने अपने आप को तैयार कर लिया था।" समझे? वह अपने फूलो को थामे हुये प्रतीक्षा कर रही थी।

99 उन्होंने कहा, "अब, मैने आपको बताया ये गलत था देखिये वह नही आ रहा है।"

कहा, "मेरे पास पांच मिनट और है।" कहा, "वह यहाँ पर होगा।"

ओह, वे बस हंसे!

100 और लगभग उस समय पुरानी घडी ने पांच मिनटो को पूरा किया, उन्होंने घोडो की वह सरपट दौड की आवाज सुनी, पहियो के साथ धूल उड रही थी। पुरानी घोडा बग्गी आ कर रुकी।

101 वह उनके बीच में से कूदी तब बाहर दरवाजे से। और वह बग्गी में से कूदा, और वह उसके बाँहों में चली गयी। उसने कहा, "प्रिय, अब यह सब समाप्त हो गया।" अपनी चचेरी बहनो नामधारीयो को छोड दिया, वहाँ बैठी देख रही है। वह—वह अपने घर शिकागो को चली गयी।

102 मैं इस प्रकार की एक और महान प्रतिज्ञा को भी जानता हूँ। "मैं तुम्हारे लिये जगह तैयार करने को जाता हूँ; कि आकर तुम्हे ले जाऊं।" वे कह सकते है कि हम पागल है। परन्तु, भाई, मेरे लिये ठीक अब और यह मोहरे इस प्रकार टूटी इस अलौकिक चीज की आधीनता में, मैं आवाज को लगभग

सुन सकता हूँ कि घडी का समय वहाँ अनन्तता में चला जायेगा। मैं लगभग दूत को देख सकता हूँ कि वहाँ खडे हुये यह कह रहा है, सातवी दूत के सन्देश के अन्त में। "समय और नहीं होगा।" वह छोटी, ईमानदार दुल्हन यीशु की बांहो मे उड जायेगी, इन्ही किन्ही दिनो में कि पिता के घर को ले जाये। हम जरा इन बातों पर सोचे, जैसा कि हम अब चल रहे है।

103 सिंह की सेवकाई पर ध्यान दे, वचन पर; बैल परिश्रम और बलिदान, सुधारको की चतुराई और उकाब का युग आ रहा है; ये इन बातों को प्रगट करता है और इन बातों को लेता है और इन्हे दर्शाता है।

104 अब हम पाते है कि बीती रात्रि सभा में भी एक महान भेद इस मोहर के साथ खुला, जो कि मेरी पहली समझ से बिल्कुल उल्टा था। बस मान रहा था कि वह ठीक था। मैने सदा उन प्राणो को जो वेदी के नीचे थे आरम्भ के मसीही समझा। परन्तु बीती रात्रि हमने पाया, जब प्रभु परमेश्वर ने वह मोहर हमारे लिये तोडी, तो यह पूरी तरह से असम्भव है। ये वे नही थे। वे महिमा में चले गये थे, उस दूसरी ओर और वहाँ पर वे थे। हमने पाया कि वे यहूदी थे जो उस समय के चलते आये जहाँ...

105 उन एक लाख चवालीस हजार की अब की बुलाहट मे से, जो कि हम आज और कल रात्रि लेते है। और—और छठवी और सातवी मोहर के बीच में, एक लाख चवालीस हजार बुलाये गये।

106 और तब हम पाते है कि वे लोग शहीद हुये थे वे मारे गये थे, और तब भी नही... श्वेत वस्त्र पहने हुये, परन्तु उनके नाम मेम्ने के जीवन की पुस्तक में थे। और उन्हें श्वेत वस्त्र दिये गये, उन में से प्रत्येक को। और हमने वह लिया और ये संसार में कुछ नही है, मैं विश्वास नही करता, सिवाये उन यहूदियो के झुण्ड को छोड जो पहलेवाले संकट काल से होकर निकले जो अन्तिम युध्दो के समय, वे थे... वे... प्रत्येक ने उन से घृणा की। और आईकमैंन ने उन में से लाखो जर्मनी में मार डाले। आपने वह मुकदमा सुना है। लाखो निर्दोष लोग घात किये गये यहूदी, केवल इसलिये क्योंकि वे यहूदी थे; और कोई कारण नहीं।

107 यहाँ पर बाइबल ने कहा, कि, "वे परमेश्वर के लिये अपनी गवाही के लिये मारे गये, परमेश्वर के वचन के लिये और जो गवाही उनकी थी।" अब हम पाते है कि दुल्हन परमेश्वर का वचन थी और यीशु मसीह की गवाही। इनके पास यीशु मसीह की गवाही नही थी।

108 और हम पाते है कि बाइबल कहती है, "सारा इस्राएल पहले से चुने हुये इस्त्राईली बचा लिये जायेगे," रोमियों 11। और अब हम जानते है कि, और वहाँ हम उन प्राणो को देखते है।

109 अब देखिये कितने समीप, क्यों नही यह पहले हो सका? क्योंकि यह पहले हुआ नहीं था। आप देखिये अब आप देख सकते है। देखिये, महान पवित्र आत्मा इन चीजो को आते हुये देख रहा था उन युगो को और समयो से होते हुये। और अब यह प्रकट किया गया है और फिर आप वहाँ देखते है और देखते है कि यह सत्य है। यही जहाँ पर यह है।

110 अब, ये पीडाओ के शहीद थे या पहले वाली पीडाओ के आईकमैन की अब वे केवल एक लाख चवालीस हजार के प्रतिक थे, जिसमें कि हम प्रवेश कर रहे है, छठी और सातवी मोहर के बीच में। समझे?

111 सातवी मोहर केवल एक चीज है, बस, और यह, "यह स्वर्ग में आधी घडी का सन्नाटा है।" और अब केवल परमेश्वर इसे प्रकट कर सकता। इसका प्रतीक तक कही नही है। यह कल रात्रि। मेरे लिये प्रार्थना करे। समझे?

112 अब हम इस पर ध्यान देते है, जैसा कि हम छठवी मोहर में जाते है। अब होने पाये स्वर्गीय पिता हमारी सहायता करे, जैसा कि अब हम इस छठवी मोहर को तय करते है। अब 12 वां पद छठवे अध्याय का।

> *जब उसने... छठवी मोहर खोली, तो मैने देखा कि एक बडा भूकम्प हुआ और सूर्य कम्बल के समान काला और पूरा चन्द्रमा लहू के समान हो गया;*
>
> *आकाश के तारे पृथ्वी पर ऐसे गिर पडे... जैसे बडी आंधी से हिलकर अंजीर के पेड मे से कच्चे फल झडते है।*
>
> *आकाश ऐसे सरक गया जैसा पत्र लपेटने से सरक जाता है; और हर एक पहाड और टापू अपने अपने स्थान से टल गया।*
>
> *तब पृथ्वी के राजा और प्रधान और सरदार और धनवान और सामर्थी लोग, और हर एक दास... और हर एक स्वतंत्र पहाडो की खोहों में और चट्टानो में जा छिपे;*

113 वहाँ ध्यान दे? उनको देखे, "सामर्थी लोग," देखिये। उन्होंने क्या किया? "उन्होंने वेश्या के व्यभिचार की क्रोध की मदिरा पी।" समझे? यह ठीक वही वर्ग है, जिसने उसके मदिरा में से पिया। समझे?

और पहाडो और चट्टानो से कहने लगे, हम पर गिर पडो; और हमें उसके मुंह से जो सिंहासन पर बैठा है और मेम्ने के प्रकोप से छिपा लो:

क्योंकि उनके प्रकोप का भयानक दिन आ पहुंचा है; अब कौन ठहर सकता है?

114 क्या ही परिचय है... देखिये, अब सवार का सवार के पशु और उत्तर देने वाले पशु नही है। तब, हमने लिये, हम शहीदो को सिंहासन के नीचे देखते है। अब ये उस समय से, ये शहीद सच्चे रुढीवादी यहूदी जो मसीही विश्वास में मारे गये... या धार्मिक विश्वास में, क्योंकि वे मसीही नही हो सकते है।

115 स्मरण रहे, परमेश्वर ने उनकी आँखों को अंधा कर दिया। और वे लम्बे समय के लिये अंधे होने जा रहे है जब तक की अन्यजाति कलीसियाये मार्ग से ना हटा ली जाये। क्योंकि, परमेश्वर एक साथ दो लोगों से एक समय में व्यवहार नहीं करता, क्योंकि यह उसके वचन के बिल्कुल विरोध में है।

116 स्मरण रखे, वह इस्राएल के साथ सदा एक राष्ट्र के समान व्यवहार करता है। यह इस्राएल का राष्ट्र है।

117 अन्यजाति एक व्यक्तिगत के समान, "लोग अन्यजातियो में से लिये गये।" और यह अन्यजाति के लिये होना था, बनना था... संसार के सारे लोगों से बनना है, इसलिये अब और तब, कुछ यहूदी इसमें आते है। समझे? जैसे कि अरब के लोग और आइरिश और भारतीय और, और जो भी, ये सारे संसार के लोग है, इसे दुल्हन गुलदस्ता बनाते है। समझे?

118 परन्तु अब, जब यह व्यवहार पर आता है तब इस्राएल के साथ, सत्तरवे सप्ताह के अन्तिम भाग में, वह उनके साथ एक राष्ट्र के समान व्यवहार करता है, अन्यजाति समाप्त हो गये। वह घडी जल्द ही आ रही है और हो सकता है अभी इस रात्रि कि परमेश्वर पूरा करके अन्यजाति से पूरी रीति से फिर जायेगा। ठीक! उसने ऐसा कहा है। "वे यरुशलेम की दीवारो को रोंदेगे, जब तक अन्यजाति का समय पूरा ना हो जाये समय समाप्त हो जायेगा।" जी हाँ, श्रीमान!

119 और तब, "जो मलीन है मलीन ही बना रहेगा; वह जो धर्मी है धर्मी ही रहे।" समझे?

120 वहाँ पवित्र स्थान के सिंहासन पर कोई लहू नही है, बिल्कुल नही। वहाँ वेदी पर और लहू नही है, बलिदान हटा लिया गया। और वहाँ कुछ नहीं है सिवाये धुआं और बिजली और न्याय वहाँ है। और ठीक वही जो यहाँ आज रात्रि उण्डेला गया है। देखिये, मेम्ने ने इसे पूरा कर दिया, हट गया... उसका बिचवाई का कार्य बिचवाई का कार्य समाप्त हो गया, वहाँ सिंहासन पर से और वह बलिदान जैसा कि हमने इसका सिद्ध प्रतिक छुडानेवाले निकट कुटम्बी के समान लिया, वह लहू लुहान मेम्ना जो सामने आता है। एक मेम्ना जो बलिदान किया गया, वह लहूलुहान वाला मारा गया, कुचला गया, आगे आया और उसके हाथ से पुस्तक को ले लिया। यही है दिन समाप्त हो गये। अब वह दावा करने आ रहा है जिसको उसने छुडाया है। आमीन! जो कि वह, कुछ मेरे से होते हुये भेजता है!

121 हम अब पाते है, यूहन्ना ने कहा, "मैने देखा कि, उसने छठवी मोहर को खोला था, वहाँ एक बडा भूकम्प हुआ था," तब सारी प्रकृति बाधित हो गयी। समझे?

122 परमेश्वर महान चींजे कर रहा है, जैसे कि रोगियो की चंगाई और अंधो की आखो को खोलना, और महान कार्य कर रहा है।

123 परन्तु हम यहाँ पर पाते है कि प्रकृति ने एक गिरावट को लिया, जी हाँ, सारी प्रकृति ने। देखिये क्या हुआ, "वह—वह भूकम्प; सूर्य काला हो गया और चांद अपना उजियाला नहीं देगा; और सितारे हिल के गिर पडे।" क्यों, यह सब चींजे हुयी, देखिये, ठीक इस छठवी मोहर के खुलने के समय पर। यही जब यह घटित हुआ, ठीक उन शहीदो की घोषणा के तुरन्त पश्चात। शहीद भी पूरे हो चुके थे।

124 अब आप देखिये हम ठीक उस घडी के समीप है। हम किसी भी समय सकते है, देखिये, क्योंकि कलीसिया अपनी उडान भरने के लिये तैयार है। परन्तु याद रखे, जब ये बातें होगी, दुल्हन यहाँ पर नही होगी। बस याद रखे, दुल्हन जा चुकी है, उसे इन सब में से होकर नही निकलना है। यह कलीसिया की शुध्दता के लिये क्लेश का समय है, यह उस पर डाला गया है कि यह इसमें होकर निकले; ना कि दुल्हन। वह अपनी प्रिया को अलग से ले गया। जी हाँ, श्रीमान! वह छुडाई जा चुकी है, देखिये, यह एक प्रकार

से... उसका अपना ही चुनाव है, उसकी अपनी इच्छी जैसे कोई भी मनुष्य अपनी दुल्हन लेता है। समझे? अब भूकम्प...

125 आईये वचनों की तुलना करे, अब। मैं—मैं चाहता हूं... क्या आपके पास कागज पेन्सिल है? मैं चाहता कि आप कुछ करे, मेरे लिये। जैसा कि आप लिखना चाहते है, इसे लिखे, क्योंकि जब तक आप टेप लेने जा रहे है। अब हम... मैं चाहता हूँ कि आप मेरे साथ पढे, जैसा कि आप करते है।

126 इस महान घटना से वचनो की तुलना करे, कि हम देखेंगे कि यह महान रहस्य या भेद को जो छठवी मोहर के नीचे था इस छुटकारे की पुस्तक का। अब स्मरण रखे, यह छिपे हुये भेद है। और छ: मोहरे मिलाकर एक बडी पुस्तक है ये छ: खर्रे एक साथ लिपटे हुये है। और ये सारी छुटकारे की पुस्तक खोल देते है। इसी प्रकार से सारी पृथ्वी छुडाई गयी थी।

127 यही कारण है कि यूहन्ना रोया, क्योंकि यदि कोई उस पुस्तक को ना ले सकता होता, तो सारी सृष्टि, हर चीज नष्ट हो गयी थी। वह बस वापस परमाणुओं और अणुओं मे बदल जाती और आदि–आदि और कास्मिक प्रकाश और ना ही सृष्टि, व्यक्ति कुछ भी नही। क्योंकि आदम ने पुस्तक का अधिकार खो था, जब उसने अपनी पत्नी की सुनी उसने इसे खो दिया और उसने शैतान की सुनी वचन के बदले में तर्क। समझे? यह जब्त कर ली गयी थी।

128 तब यह शैतान के गन्दे हाथों में नही जा सकती थी, जिसने उसे अलग से लुभाया, इसलिये ये वापस इसके मूल स्वामी के पास वापस चली गयी जैसे कि कोई भी सारांश दस्तावेज करेगा, देखिये। वापस सीधा इसके मूल स्वामी को और वह परमेश्वर था, सृष्टिकर्ता, जिसने इसे बनाया। और उसने इसे रोक लिया।

129 और इसका एक दाम है, और वह इसका छुटकारा। छुटकारे का एक दाम है, और वहाँ इसे कोई नही कर सका। उसने कहा, अपनी व्यवस्था बनाई, उसका अपना नियम, छुडानेवाला निकट कुटम्बी। तब वे किसी को नही पा सके, हर मनुष्य काम वासना से जन्मा था, भोग की इच्छा से जन्मा; वह मूल पाप में था, शैतान और हवा के, इसलिये वह इसे नही कर सका। उसमे कुछ नही था कोई भी पवित्र पोप, याजक, दिव्य डॉक्टर, वह चाहे जो भी है, कोई भी योग्य नही था। और वह स्वर्गदूत नही हो सकता

था, क्योंकि उसे छुडानेवाला निकट कुटम्बी होना था। उसे एक मनुष्य होना था।

130 तब परमेश्वर स्वयं छुडानेवाला निकट कुटम्बी बन गया, मनुष्य की देह लेने के द्वारा उस कुवारी के जन्म से होते हुये। और उसने अपना लहू बहाया। वह एक यहूदी का लहू नही था। यह किसी अन्य जाति का लहू नही था। यह परमेश्वर का लहू था। समझे? बाइबल ने कहा, "हम परमेश्वर के लहू के द्वारा बचाये गये है।"

131 बालक पिता का लहू लेता है। हम यह जानते है। कोई भी चीज पुरुष लिंग मे हीमोग्लोबिन उत्पन्न करती है। इसलिये हम पाते है, जैसे मुर्गी अण्डा देती है; वह अण्डा दे सकती है, परन्तु यदि मुर्गा या साथी उसके साथ नही था तो इसमें से चूजा नहीं निकलेगा यह उपजाऊं नहीं है। स्त्री केवल एक उष्मयंत्री है जो अण्डा रखती है, परन्तु अण्डा आता है... जीवाणु नर से आता है।

132 और, इस मामले में परमेश्वर स्वयं ही नर था। इसी प्रकार से मैं कहता हूँ, कैसे ऊंचा नीचा है और—और बडा छोटा है। परमेश्वर इतना महान था, जब तक वह नहीं हो गया, यहाँ तक कि उसने अपने आप को ऐसी छोटी चीज ना बना लिया, एक छोटे से जीवांश में एक कुवांरी के गर्भ में। और वहाँ चारो ओर उसने कोशिकाये और लहू को उत्पन्न कर दिया। और जन्मा था, और पृथ्वी पर बडा हुआ। और इस प्रकार के आरम्भ से, शुध्द बिल्कुल बिना काम भावना के।

133 और तब उसने वह लहू दिया, क्योंकि वह हमारा निकट कुटम्बी हो गया। और वह छुडानेवाला निकट कुटम्बी था। और उसने वह लहू मुफ्त में बहाया। उसे यह नहीं करना था। उसने छुडाने के लिये, यह मुफ्त में दिया।

134 तब, वह परमेश्वर की वेदी पर जाता है, और वहाँ प्रतीक्षा करता है जब की परमेश्वर छुटकारे की पुस्तक को अपने हाथो में पकडे हुये है। और लहू लुहान मेम्ना बलिदान की वेदी पर खडा हुआ है। वहाँ वह मेम्ना छुटकारे के लिये बिचवाई कर रहा है।

135 तब कोई इस बात का साहस कैसे कर सकता है कहे कि मरियम, या, यूसफ या कोई दूसरा मरणहार बिचवाई करनेवाला हो सकता है! आप बिचवाई नही कर सकते जब तक वहाँ लहू नहीं है। जी हाँ, श्रीमान। "मनुष्य और परमेश्वर के मध्य में एक ही बिचवाई है और वह मसीह यीशु है।" यही

जो वचन कहता है। वहाँ वह खडा है और जब तक अन्तिम प्राण छुडा नहीं लिया जाता; और फिर वह सामने दावा करने आता है जो उसने छुडाया है। ओह, क्या ही क्या ही महान पिता वह है!

136 अब स्मरण रखे, अब मैने सदा यही सिखाया है, कि, "कि दो या तीन की गवाही से हर वचन स्थिर किया जाये।" और वचन, जैसे कि आप एक वचन नहीं ले सकते और कुछ भी सिद्ध नही कर सकते, जब तक कि इसके साथ और कुछ ना चले। समझे?

137 देखिये, मैं एक पवित्र वचन नही ले सकता और कहूँ, "यहूदा ने जा कर अपने को फांसी लगा ली," और दूसरे को लेकर कहूँ, "तुम भी जाकर ऐसा कर लो।" समझे? परन्तु, इसे देखे यह बाकी के साथ मेल नहीं खाता।

138 और मैने सोचा, इस छठवी मोहर के नीचे जब पवित्र आत्मा ने इसे वहाँ तोडा और मैने देखा कि यह क्या था, तब मैने सोचा कि यह एक अच्छी बात होगी कि कक्षा को आज रात्रि थोडा कुछ भिन्न दू। समझे? क्योंकि हो सकता है, मुझे सारे समय बातें करते सुनना आपको थका दे, इसलिये मैने सोचा कि हम कुछ भिन्न करेंगे।

139 अब ध्यान दे। यह महान घटना छुटकारे के भेद की पुस्तक में मोहर बन्द है। अब यह मेम्ने के हाथ में है, इसे तोडने जा रहा है।

140 अब आईये मत्ती के 24 वे अध्याय को देखे, स्वयं मेम्ना बोल रहा है, अब कोई भी जानता है कि मसीह सारी पुस्तक का लेखक है, जहाँ तक कि इसका संम्बध है। परन्तु यहाँ यह इसकी आवाज है, या उसका—उसका उपदेश लोगों को, ठीक यहूदियों को।

141 अब मैं चाहता हूँ कि आप अपनी पुस्तक को इस तरह से पकड ले मत्ती 24 और प्रकाशितवाक्य 6 *इस* प्रकार से। [भाई ब्रन्हम अपनी बाइबल इन दो अध्यायो में खोल कर पकडते है।—सम्पा।] आईये यहाँ पर इसकी थोडी सी तुलना करे।

142 अब इस पर ध्यान करे और आप इसे पा सकते है कि यह कैसे है। *यहाँ* पर मेम्ना क्या दिखा रहा है, ठीक प्रतिको में, उसने यहाँ वचन में क्या कहा। बिल्कुल ठीक कर रहा है, ताकि यह इसे सही बनाये। अब, ये—ये सब इसमें है। यहाँ है... *यहाँ* एक है, वह इसके विषय में बात कर रहा है, और *यहाँ* पर यह घटित हुआ। समझे? यह एक सिद्ध प्रमाण है।

143 अब, आईये हम संत मत्ती के 24 वे अध्याय में देखे, और प्रकाशितवाक्य 6 और मत्ती के 24 वे अध्याय से तुलना करे। हम सब यह जानते है कि ये वह अध्याय है कि हर ज्ञानी, हर व्यक्ति क्लेश के काल के लिये बातें करता है, यह मत्ती के 24 वे अध्याय से आता है। और अब चालिये... यदि यह ऐसा है। अब हम... क्योंकि हम यह जानते है कि यह छठवी मोहर न्याय की मोहर है। यह न्याय की मोहर है, ठीक यही जो यह है।

144 अब देखिये, हमारे पास मसीह विरोधी सवार है। कलीसिया को जाते देखा; अब यह समाप्त हो गया, ऊपर गये। तब हम उन यहूदी शहीदो को देखते है, वेदी के नीचे। अब यहाँ पर न्याय आ रहा है, उन लोगों पर जो...

145 इन कष्टो के बाद न्याय आयेगा एक लाख चवालीस हजार छुडाये हुये यहूदी। मैं आपको यह सिद्ध कर दुंगा कि यह यहूदी है ना कि अन्यजाति। मैं आप को सिद्ध कर दूंगा कि ये यहूदी है और ना कि अन्यजाति। उनका दुल्हन से कोई वास्ता नहीं, जरा भी नही। वह दुल्हन, हमने दुल्हन को जाते देखा, आप इसे कही और नही रख सकते; और यह प्रेरित की पुस्तक के 19 वे अध्याय तक वापस नही आती।

146 अब ध्यान दे, क्योंकि, छठवी मोहर न्याय की मोहर है वचन की।

147 अब, यहाँ, हम इसे आरम्भ करते है और अब आईये संत मत्ती का 24 वां अध्याय पढते है। अब मैं आपको यहाँ कुछ देना चाहता हूं, ढूंढने के लिये मैने अभी देखा। अब, संत मत्ती एक से तीन, अच्छा जहाँ कि हम इसे पहले पढने जा रहे है।

> *जब यीशु मन्दिर से निकल कर जा रहा था; तो उसके चेले, उसको मन्दिर की रचना दिखाने के लिये उसके पास आये।*
>
> *उसने उन से कहा तुम यह सब देख रहे हो ना! मैं तुम से सच कहता हूँ, यहाँ पत्थर... पर पत्थर भी ना छुटेगा जो ढाया ना जायेगा।*
>
> *अब, और* (तीसरा पद) *जब वह जैतून पहाड पर बैठा था... तो चेलो ने एकान्त में उसके पास आकर कहा, हमें बता कि ये बातें कब होगी? तेरे आने का और जगत के अन्त का क्या चिन्ह होगा?*

148 अब आईये जरा यहाँ रुके। ये तीन पद, यह वास्तव में मंगलवार दोपहर बाद हुआ अप्रैल चार ऐ. डी 30 को। और पहले दो पद दोपहर बाद घटित हुये... अप्रैल चार ऐ. डी 30 में। और तीसरा पद मंगलवार सांझ को घटित हुआ, उसी दिन। समझे?

149 वे मन्दिर से आये और उन्होंने उस से इन बातों को पूछा, "कि *इस* विषय में क्या है? और *इस* विषय में क्या है? इस महान मन्दिर को देख! क्या यह शानदार नहीं है? "

उसने कहा, "यहाँ पत्थर पर पत्थर बाकी ना रहेगा।"

150 तब वह पहाड पर जाकर बैठ गया, देखिये। वहाँ, वहाँ उसने आरम्भ किया; यह दोपहर बाद और तब जब उन्होंने किया, उन्होंने उस से वहाँ पर पूछा, कहा, "हम कुछ जानना चाहते है।"

151 ध्यान दे, अब यहाँ पर यहाँ यहूदियो के द्वारा तीन प्रश्न पूछे गये है, उसके चेले। तीन प्रश्न पूछे गये। अब ध्यान दे, "क्या," पहला, पहला, "क्या... ये बातें कब होगी, 'जब पत्थर पर पत्थर बाकी नही होगा'? " "तेरे आने का क्या चिन्ह होगा? " दूसरा प्रश्न। "और संसार का अंत? " समझे ये? वहाँ तीन प्रश्न है।

152 अब यहाँ जहाँ बहुत से लोग गलती करते है। वे इन बातों को यहाँ किसी युग में लागू करते है, जब, आप देखते है। वह तीन प्रश्नो का उत्तर दे रहा है। वे...

153 अब इस पर ध्यान दे ये कितना सुन्दर है, तीसरा पद, देखिये तीसरे पद में अन्तिम वाक्यांश। "और क्या होगा... " पहले, वे उसे जैतून पर्वत पर बुला कर ले गये, यहाँ अलग। "हमें बता, ये बातें कब होगी? " प्रश्न नम्बर एक। "तेरे आने का क्या चिन्ह होगा? " प्रश्न नम्बर दो। "और संसार का अन्त? " प्रश्न नम्बर तीन। समझे? तीन भिन्न प्रश्न पूछे गये। अब, मैं चाहता हूँ कि आप निकाले और देखे, कैसे यीशु उन्हें इन बातों के विषय में बताता है।

154 ओह, यह सुन्दर है! मैं... बस मुझे बनाते है। मैं—मैं—मैं लेता हूँ... वह क्या शब्द था जो हमने बीती रात प्रयोग किया था? [सभा कहती है, "उत्तेजना।"—सम्पा।] प्रकाशन से उत्तेजना! ध्यान दे।

155 अब आईये अब पहली मोहर निकाले, इस पुस्तक की मोहरो में से और इस मोहर की पहले प्रश्न के साथ तुलना करे।

156 और हर प्रश्न सीधे नीचे इसकी तुलना करे, और देखे यदि यह साथ नहीं चलता जिस प्रकार से हमने दूसरो के खुलने पर किया, कलीसियायी युगो और हर चीज, बिल्कुल वैसे ही। वहाँ मोहर है, तब पूरी रीति से खुली हुयी। ध्यान दे, अब, अब पहले वाले को पढने वाले है "... तब उसने उन्हें उत्तर दिया... " और—और तब वह—वह उत्तर देना आरम्भ कर रहा है, और हम इसकी मोहर के साथ तुलना करना चाहते है।

157 अब ध्यान दे। पहली मोहर प्रकाशितवाक्य 6:1 और 2 है। अब हम 6:1 और 2 पढते है।

> *फिर मैने देखा... कि मेम्ने ने उन सात मोहरो में से एक को खोला और उन चारो प्राणियो में से एक का गर्जन का सा शब्द सुना आ और देख।*
>
> *मैने दृष्टी की, और, देखो एक श्वेत घोडा है और उसका सवार धनुष लिये हुये है और उसे एक मुकुट दिया गया; और वह जय करता हुआ निकला कि और भी जय प्राप्त करे।*

158 हमने किसको पाया कि यह व्यक्ति कौन था? [सभा कहती है, "मसीह विरोधी।"—सम्पा।] मसीह विरोधी। मत्ती 24, अब 4 और 5।

> *यीशु ने उनको उत्तर दिया सावधान रहो! कोई तुम्हे न भरमाने पाये।*
>
> *क्योंकि बहुत से ऐसे होगे जो मेरे नाम से आकर कहेंगे, मै मसीह हूँ; और बहुतो को भरमायेगे।*

159 समझे इसे? मसीह विरोधी। यहाँ आपकी मोहर है। समझे? समझे? वह *यहाँ* पर बोला और यहाँ वे मोहर खोलते है और *यहाँ* वह था, बिल्कुल ठीक।

160 अब दूसरी मोहर मत्ती 24:6 प्रकाशितवाक्य 6:3 और 4। अब देखे मत्ती 24:6 । अब मैं देखू यह क्या कहता है।

> *तुम लडाईयों, और लडाईयों की चर्चा सुनोगे, तो घबरा ना जाना; क्योंकि इनका होना अवश्य है: परन्तु उस समय अन्त ना होगा।*

161 ठीक है, अब आईये दूसरी मोहर लेते है। प्रकाशिवाक्य 6:3 और दो। देखे, अब ये क्या कहता है।

जब उसने दूसरी मोहर खोली तो मैने दूसरे प्राणी को यह कहते सुना, आ... देख।

फिर एक और घोडा निकला जो लाल रंग का था: उसके सवार को यह अधिकार दिया गया कि पृथ्वी पर से मेल उठा ले, ताकि लोग एक दूसरे का वध करे; और उसे एक बडी तलवार दी गयी।

162 सिद्ध, बिल्कुल ठीक! ओह! मैं चाहता हूँ कि वचन स्वयं ही उत्तर दे, क्या आप नहीं चाहते? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] पवित्र आत्मा ने यह सब लिखा है, परन्तु वह इसे प्रकट करने के योग्य है।

163 अब चलिये तीसरी मोहर पर ध्यान देते है। अब, यह अकाल है। अब मत्ती 24:7 और 8। आईये, मत्ती में 7 और 8 को लेते है।

क्योंकि जाति पर जाति और राज्य पर राज्य चढायी करेगा और जगह–जगह आकाल पडेगे... महामरियां... और भूकम्प होंगे।

ये सब बातें पीडाओ का आरम्भ होगी।

164 देखिये, अब आप इसी पर आ रहे है। अब, प्रकाशितवाक्य, छठवे में अब हम तीसरी मोहर खोलने जा रहे है। यह प्रकाशितवाक्य 6:5 और 6 में मिलता है।

जब उसने तीसरी मोहर खोली तो, मैने तीसरे प्राणी को यह कहते सुना आ। और देख और मैने दृष्टी की और देखो, एक काला घोडा है और उसके सवार के हाथ में एक तराजू है।

और मैने उन चारो प्राणियो के बीचे में से एक शब्द यह कहते सुना, दिनार का सेर... भर गेहूँ और... दिनार का तीन सेर जौ, पर तेल और... दाखरस की हानि ना करना।

165 अकाल! देखिये ठीक वही मोहर, यही बात यीशु ने कही। ठीक है।

166 चौथी मोहर, "मरियाँ" और "मृत्यु।" ध्यान दे, मत्ती 24। हम 8 वां पद पढेगे मैं विश्वास करता हूँ चौथी मोहर में यह है यहाँ मरे पास है। ठीक है।

167 अब मैने यहाँ पीछे क्या पढा? क्या मैने कुछ गलत पढा? हाँ मैने निशान लगाया है। जी हाँ, हम वही पर है। अब हम बढ रहे है। हम जाते है। ठीक है, श्रीमान।

168 अब आईये 7 वे से आरम्भ करते है, इस पर चौथी मोहर; और 6:7 और 8 दूसरे वाले पर प्रकाशितवाक्य पर।

169 अब देखिये देखते है 7 और 8 मत्ती 24 का। अब ठीक है।

और जाति पर जाति, और राज्य पर राज्य चढाई करेगा और जगह–जगह... अकाल... मरियाँ भूकम्प होगे

ये सब बातें पीडाओ का आरम्भ होगी।

170 अब, चौथी मोहर, जैसा कि हम इसे यहाँ पढते है, या... चौथी मोहर 7 और 8 से आरभ हुयी थी, अब इस दूसरे वाले पर।

और जब उसने चौथी मोहर खोली और देखो... और चौथे प्राणी ने कहा आ और देख

और मैने दृष्टी की और देखो एक पीला घोडा...

171 अब रुकिये। मैने इसे यहाँ गलत लिखा है। जी हाँ। जी हाँ। अब जरा एक मिनट, अब 7 और 8।

172 अब आईये देखते है, अब मत्ती 24:7 और 8 को देख, अब, जरा देखे। हम इसे, पायेंगे यह तीसरी है, खुल रही है। क्या नही? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] मत्ती 24:7 और 8। मुझे खेद है। अब, यह वर्षा को खोलता है... या आकाल, आकाल को खोलता है। ठीक है।

173 अब, मरियाँ और "मृत्यु।" जी हाँ, श्रीमान। अब हम इस पर जा रहे है 7 और 8। अब यह चौथी मोहर होगी। देखते है, हमें चौथी मोहर कहाँ मिलती है। "और जब उसने चौथी मोहर खोली चौथी... " जी हाँ, यह पीला घुडसवार है, "मृत्यु," देखिये।

मैने दृष्टी की और देखो एक पीला सा घोडा है और वह... पीला घोडा: और उसके... सवार का नाम मृत्यु है और अधोलोक उसके पीछे–पीछे है... और उन्हें पृथ्वी कि एक चौथाई... पर यह अधिकार दिया गया कि तलवार और, आकाल और मरी, और पृथ्वी के वन पशुओ के द्वारा लोगों को मार डाले।

174 अब, देखिये, ये "मृत्यु" थी।

175 अब, पांचवी मोहर, मत्ती 24:9–13। आईये देखते है यदि मैने यह सही ली है, अब, फिर से। समझे?

तब वे क्लेश देने के लिये तुम्हे पकडवाएंगे और तुम्हे मार डालेंगे (आप सही है) *और मेरे नाम के कारण सब जातियो के लोग तुम से बैर रखेगे, और जब...*

और तब बहुत से पकडवाये जायेगे... बहुत से ठोकर खायेगे और एक दूसरे को पकडवायेगे।

बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खडे होगे और... बहुतो को भरमायेगे।

अधर्म के बढने से बहुतो का प्रेम ठंडा पड जायेगा।

परन्तु जो... अन्त तक धीरज धरे रहेगा उसी का उध्दार होगा।

176 अब हम पांचवी मोहर पर है। और यह पिछली रात्रि थी, देखिये। वे "आपको पकडवायेगे, एक दूसरे को पकडवायेगे," और आदि–आदि।

177 अब यहाँ छठवी मोहर को देखे 6:9 से 11। अब आईये एक को ले प्रकाशितवाक्य 6:9 से 11।

जब उसने पांचवी मोहर खोली, तो मैने वेदी के नीचे उनके प्राणो को देखा जो परमेश्वर के वचन के कारण, और उस गवाही के कारण जो उन्होंने दी थी वध किये गये थे;

उन्होंने बडे शब्द से पुकार कर कहा, हे स्वामी हे पवित्र... और सत्य: तू कब तक... न्याय ना करेगा और पृथ्वी के रहने वालो से हमारे लहू का बदला कब तक ना लेगा?

उनमें से हर एक को श्वेत वस्त्र दिया गया; और उनसे कहा गया कि और थोडी देर तक विश्राम करो, जब तक कि तुम्हारे संगी दास और भाई... जो तुम्हारे समान वध होने वाले है, उनकी भी गिनती पूरी ना हो ले।

178 अब, आप देखते है कि पांचवी मोहर के नीचे। हम यहाँ—हम यहाँ बलिदान पाते है।

179 और 24:9 में यहाँ, हम... 13 तक, हम यहाँ भी पाते है कि यह बलिदान था। "वे आपको पकडवा देगे, और आपको मार डालेंगे," और आदि–आदि। देखिये, वही मोहर खोली जा रही थी।

180 अब, इस छठवी मोहर में ये वाली जिस पर अब हम आ रहे है, मत्ती 24:29 और 30:24 और आईये 29 को ले और—और 30। यहाँ पर हम है।

अब, अब हम प्रकाशितवाक्य 6:12 से 17 को भी लेते है।

181 अब ठीक यही जो हम पढते है। अब इसे सुने, अब, यीशु ने मत्ती में क्या कहा... 29, 24:29 और 30।

उन दिनो के क्लेश के तुरन्त बाद...

182 क्या? जब... यह क्लेश यह हल्का क्लेश जिसमे होकर वे यहाँ निकले, देखिये।

... सूर्य अन्धियारा हो जायेगा और चन्द्रमा का प्रकाश जाता रहेगा और तारे आकाश से गिर पडेगे और आकाश की शक्तियाँ... हिलायी जायेगी।

तब मनुष्य के पुत्र का चिन्ह आकाश में दिखाई देगा और तब पृथ्वी के सब कुलो के लोग छाती पीटेगे और मनुष्य के पुत्र को बडी सामर्थ और एश्वर्य के साथ आकाश के बादलों पर आते देखेंगे।

183 अब यहाँ प्रकाशितवाक्य में पढे छठवी मोहर, वह जिस पर हम अब है।

और... जब उसने छठवी मोहर खोली, तो मैंने देखा एक बडा भूकम्प हुआ और सूर्य कम्बल की नाई काला (देखा?)*और पूरा चन्द्रमा लहू के समान हो गया;*

आकाश के तारे पृथ्वी पर ऐसे गिर पडे जैसे बडी आंधी से हिलकर अंजीर के पेड मे से कच्चे फल झडते है।

आकाश ऐसे सरक गया जैसे पत्र लपेटने से सरक जाता है और हर एक पहाड और टापू अपने–अपने स्थान से टल गया।

तब पृथ्वी के राजा और प्रधान और सरदार और धनवान और सामर्थी लोग और हर एक दास और हर एक स्वतंत्र पहाडो की खोह में और चट्टानो में जा छिपे।

और पहाडो और चट्टानो से कहने लगे, हम पर गिर पडो और हमें उसके मुंह से जो सिंहासन पर बैठा है और मेम्ने के प्रकोप से छिपा लो।

क्योंकि उनके प्रकोप का भयानक दिन आ पहुँचा है अब कौन ठहर सकता है?

184 बिल्कुल ठीक, पीछे पलट कर देखे अब यीशु ने यहाँ क्या कहा, मत्ती 24:29 में, सुनिये। "तुरन्त बाद" इस आईकमैन, और आदि–आदि का मामला।

उन दिनो के क्लेश के तुरन्त बाद सूर्य अन्धियारा हो जायेगा... और चन्द्रमा का प्रकाश जाता... प्रकाश जाता रहेगा और तारे आकाश से गिर पडेगे और आकाश कि शक्तियाँ हिलायी जायेगी।

अब ध्यान दे।

तब मनुष्य के पुत्र का चिन्ह आकाश में दिखाई देगा और तब पृथ्वी के सब कुलो के लोग छाती पीटेगे... और मनुष्य के पुत्र को बडी सामर्थ और ऐश्वर्य के साथ आकाश के बादलो पर आते देखेंगे।

और वह तुरही के बडे शब्द के साथ अपने दूतो को भेजेगा और... वे आकाश के इस छोर से उस छोर तक चारो दिशाओ से... उसके चुने हुओ को इकट्ठा करेंगे।

185 देखिये ठीक जो यीशु ने मत्ती 24 में कहा तुलना करे और यहाँ प्रकाशन वाले ने छठवी मोहर में जो खोला, बिल्कुल ठीक है। और यीशु क्लेश के समय के लिये बोल रहा है। [भाई ब्रन्हम पुलपीट पर तीन बार टक करते है—सम्पा।] समझे?

186 पहले उसने पूछा ये बातें कब होगी, मन्दिर कब हटाया जायेगा। उसने इसका उत्तर दिया। अगली बात उसने पूछी, जब वह समय आयेगा... वहॉ शहीद होने का युग आता है। और जब *यह* होगा, जब मसीह विरोधी उठेगा; और जब मसीह विरोधी इस मन्दिर को हटा देगा।

187 दानिएल, कैसे हम वापस जा सके और वहाँ से दानिएल को लिया, जब उसने यह कहा कि यह राजकुमार जो आयेगा। आप पढने वाले जानते है। और उसे करना क्या चाहिये? वह प्रतिदिन की बलि को बन्द करेगा और जो सब उस समय के चलते घटित होगा कहा...

188 यहाँ तक कि यीशु इसके लिये बोल रहा है, इसके नीचे लाईन खेच ले। कहा, "जब तुम उस घृणित वस्तु को जो उजाड करा देती है देखो, भविष्यद्वक्ता दानिएल के द्वारा कहा गया है, जो पवित्र स्थान में खडा है।" [भाई ब्रन्हम पुलपीट पर तीन बार टक करते है।—सम्पा।] वह क्या है?

ओमार की मस्जिद वहाँ मंदिर के स्थान में खडी है, जब उन्होंने इसे जला दिया था। कहा, "वे जो पहाडो पर है... वे जो घर की छत पर है नीचे आकर घर में से चीजो को ना ले या वह जो खेत में है घर को वापस आये, क्योंकि संकट का समय होगा!" आप समझे? और ये सारी चींजे घटित होगी उनके नीचे चलते चले जाये, और इसे प्रमाणित करे वापस इस छठवी मोहर को खोलते हुये।

189 अब मैं चाहता हूँ कि आप ध्यान दे, यीशु... अब कल रात्रि के लगभग इस पर यीशु ने सातवी मोहर पर शिक्षा नही दी। ये यहाँ नहीं है। ध्यान दे, अब वह और दृष्टान्तो पर आगे बढ गया, इसके बाद। और यूहन्ना ने सातवी मोहर छोड दी। सातवी, अन्तिम, सातवी मोहर, यह एक बहुत बडी बात होने जा रही है, यहाँ तक की यह लिखी भी नहीं है। देखिये, सातवी मोहर को छोड दिया, दोनो ने यह किया। और प्रकाशन वाला जब परमेश्वर ने बस यह कहा, वहाँ था... यूहन्ना ने कहा, "वहाँ केवल स्वर्ग में सन्नाटा है।" यीशु ने इसके विषय में एक भी शब्द नहीं कहा।

190 अब ध्यान दे, पीछे 12 वे पद पर ध्यान दे कोई प्राणी नहीं। यह 12 वां पद जो हमारी मोहर पर आरम्भ होता है ये देखने को कि यह खुल गयी। जीवित प्राणी के समान कोई पशु नहीं कि प्रतिनिधित्व करें या जैसे पांचवी मोहर पर था। क्यों? यह सुसमाचार काल के दूसरी ओर घटित हुआ उस क्लेश के समय में। यह छठवी मोहर क्लेश की समय अवधी हैं, यही जो घटित हुआ। दुल्हन जा चुकी है। समझे? वहाँ कोई भी जीवित प्राणी या कुछ भी यह कहने के लिये नही है। यह बस... अब परमेश्वर, अब कलीसिया के साथ और व्यवहार नहीं कर रहा है; यह जा चुकी है।

191 वह इस्राएल के साथ व्यवहार कर रहा है, देखिये, देखिये यह दूसरी ओर है। यह तब है जब इस्राएल राज्य का सन्देश ग्रहण करता है उन दो भविष्यद्वक्ताओ के द्वारा, प्रकाशितवाक्य ग्यारह के। स्मरण रखे, इस्राएल एक राष्ट्र है, परमेश्वर का दास राष्ट्र। और जब—जब—जब इस्राएल अन्दर लाया गया तो यह एक राष्ट्र का मामला होगा।

192 इस्राएल, जहाँ दाऊद है... वहाँ राज्य का युग है, मनुष्य का पुत्र, दाऊद सिंहासन पर बैठता है। यही कारण है वह स्त्री चिल्लाई, "तू दाऊद की सन्तान!" और दाऊद को... दाऊद का पुत्र! परमेश्वर ने दाऊद से शपथ खाई कि वह उसके पुत्र को उठायेगा जो उसका सिंहासन लेगा। यह सदा

का सिंहासन होगा। समझे? इसका कोई अन्त ना होगा। सुलेमान ने यह मन्दिर के प्रतीक में दिया और यीशु ने उन्हें, यहाँ बता दिया कि ये कि, "पत्थर पर पत्थर भी ना छुटेगा।" परन्तु वह उन्हें यहाँ बताने का यत्न कर रहा है जो कि... वह वापस आ रहा है।

"तू कब वापस आ रहा है? "

193 "इसके पहले कि मै आऊ ये बातें घटित होगी।" और ये वे है!

अब हम क्लेश के समय में है।

स्मरण रखे, जब राज्य पृथ्वी पर स्थापित हो जाता है...

194 अब यह थोडा झटका देने वाला हो सकता है। और यदि वहाँ कोई प्रश्न है और आप आप अब भी मुझ से पूछ सकते; यदि आप कोई प्रश्न रखना चाहते है जब यह कहा गया था और इसे करे; यदि आपने नही किया है आप इसे पहले से ही नही जानते है।

195 सहस्त्रशताब्दी के समय में, ये इस्राएल जो कि एक राष्ट्र है, बारह गोत्र एक राष्ट्र के समान।

196 परन्तु दुल्हन महल के अन्दर है, अब वह रानी है। वह विवाहित है। और सारी पृथ्वी के लोग इस नगर में आयेगे, येरुशलेम और इसकी महिमा को वहाँ उसमें लायेगे। "और फाटक रात्रि में बन्द नहीं किये जायेंगे, क्योंकि वहाँ—वहाँ—वहाँ कोई रात ना होगी।" समझे? फाटक सदा खुले रहेगे। "और पृथ्वी के राजा," प्रकाशितवाक्य... :22, "अपने तेज और महिमा का सामान उस नगर में लायेगे।" परन्तु दुल्हन वहाँ मेम्ने के संग है। ओह, प्रभु! आप इसे वहाँ देख सकते है! ना कि... दुल्हन वहाँ दाख की बारी में परिश्रम करने जा रही है। नही, श्रीमान। वह दुल्हन है। वह राजा की रानी है। ये दूसरे है, जो वहाँ परिश्रम करते है, राष्ट्र ना कि दुल्हन। आमीन। ठीक है।

197 अब इन सन्देशवाहको पर ध्यान दे, प्रकाशित वाक्य... 12 के ये दूत, ये दो भविष्यद्वक्ता वे ये प्रचार करने जा रहे है कि, "राज्य जल्द आनेवाला है!" समझे? स्वर्ग का राज्य स्थापित किये जाने वाला है। वह समय, अन्तिम साढे तीन वर्ष दानिएल के सत्तरवे सप्ताह के, यहूदी उसके लोगों से यह प्रतिज्ञा है। अब स्मरण रखे, ये इसे सिद्ध करने के लिये कि यह दानिएल के सत्तरवे सप्ताह का अन्तिम भाग है। कल के लिये इस पर मेरे पास प्रश्न है। समझे?

198 अब सत्तर सप्ताहो की प्रतिज्ञा की गयी थी, जो कि सात वर्ष थे। और सात सप्ताहो के मध्य में, मसीहा को काटा जाना था, कि उसका बलिदान किया जाये। वह साढे तीन वर्ष भविष्यवाणी करेगा और फिर वह लोगों के बलिदान के लिये काटा जायेगा। और तीन अब भी बाकी है, वह साढे तीन वर्ष इस्राएल के लिये अब भी है। तब जब मसीह काटा गया था, यहूदियो को अन्धा कर दिया गया था ताकि वे ना देख सके कि वह मसीहा था।

199 और तब जब मसीहा काटा गया था, तब सुसमाचार और अनुग्रह का युग अन्यजाति के पास आया। और वे आये और परमेश्वर ने एक को *यहाँ* से *वहाँ* से खेचा, और *यहाँ* और *वहाँ* से और उन्हें सन्देश वाहको के नीचे रखा; और *यहाँ* से और *वहाँ* से और *यहाँ* और *वहाँ,* और उन्हें सन्देशवाहको के नीचे रखा।

200 और उसने अपना पहला सन्देशवाहक भेजा, और उसने प्रचार किया और एक तुरही बजी; जैसे कि हम इसे थोडी देर के बाद लेते है। और तब तुरही युध्द की घोषणा करती थी। तुरही सदा युध्द की सूचना देती है। संदेशवाहक, वह दूत पृथ्वी पर आता है, संन्देशवाहक उस घडी का। वह क्या करता है? वह पहुँचता है और एक मोहर खुली; दर्शाया कि तुरही बजी, युध्द की घोषणा हुयी और वे चले गये। और तब संदेशवाहक मर जाता है। वह इस झुण्ड को मोहरबन्द कर देता है; वे अन्दर रखे जाते है। और एक संकट उन पर आता है जिन्होंने इसे अस्वीकार किया है। समझे?

201 तब यह आगे बढता जाता है, तब वे संगठित हो जाते है, और एक और संस्था मिल जाती है। हम अभी इसमें होकर निकले है। तब यहाँ वे एक दूसरी सामर्थ के साथ बाहर आते है, देखिये, दूसरी सामर्थ, दूसरा युग कलीसिया का, दूसरी सेवकाई। तब, जब वह यह करता है तब परमेश्वर अपनी सेवकाई के साथ आता है, जब मसीह विरोधी अपनी के साथ आता है। देखिये, *एंटी* "विरोध" वे साथ–साथ चलते है।

202 मैं चाहता हूँ कि आप एक छोटी सी चीज पर ध्यान दे। उस समय के लगभग कि कैन पृथ्वी पर आया, हाबिल पृथ्वी पर आया। मैं चाहता हूँ कि आप ध्यान दे, उस समय के लगभग जब मसीह पृथ्वी पर आया, यहुदा पृथ्वी पर आया। उस समय के लगभग कि मसीह पृथ्वी पर से चला गया, यहूदा पृथ्वी पर से चला गया। उस समय के लगभग कि पवित्र आत्मा उतरा, मसीह विरोधी आत्मा उतरा उस समय के लगभग पवित्र आत्मा ने

अपने को अन्त के दिनो में प्रकट किया, मसीह विरोधी अपने रंग दिखा रहा है, अपनी राजनीतियों से होकर आ रहा है और आदि–आदि। और समय के लगभग पवित्र आत्मा पूरी रीति से दृश्य पर आता है परमेश्वर स्वयं पूरी रीति से कि सब छुडा ले। देखिये, दौडता है ठीक साथ। और ये दोनो साथ–साथ है। कैन और हाबिल! [भाई ब्रन्हम हाथ से ताली बजाते है।—सम्पा।] कौवा और पंडुकी, नाव पर! यहूदा और यीशु! और नीचे तक आप इसे ले सकते है...

203 यहाँ मोआब और इस्राएल; वे दोनो मोआब मूर्ती पूजक राष्ट्र नही था। नहीं, श्रीमान। उन्होंने भी वही बलिदान चढाये जो इस्राएल चढा रहा था, उन्होंने एक ही परमेश्वर से प्रार्थना की। ठीक। मोआब कहलाया... लूत की एक पुत्री से था जो अपने पिता के साथ सोई थी और उसके बालक हुआ वह बालक मोआब कहलाया था। और उसी से मोआब जाति निकली, मोआबी राष्ट्र।

और जब, उन्होंने इस्राएल को देखा, कि उनका छुडाया हुआ भाई आता है।

204 वे सैद्धातिक लोग थे। वे एक बडे नामधारी थे। इस्राएल का कोई नामधारी नहीं था; वे बस तम्बुओ में रहते थे और जहाँ कही तुम जाओ। परन्तु मोआब के पास सम्मानित लोग, राजा लोग और आदि–आदि थे। और उनके पास वहाँ बालाम था, एक—एक झूठा भविष्यद्वक्ता। और उनके पास यह सब था। तब वे वहाँ अपने छोटे भाई को श्रापित करने वहाँ आये जो प्रतिज्ञा के देश के मार्ग पर थे, अपनी प्रतिज्ञा के लिये जा रहे थे।

205 और वह गया और उन से पूछा, "क्या मैं तुम्हारे देश में से होकर निकल सकता हूँ? यदि मेरी गाय पानी पी लेती है, तो मैं उसका भुगतान करूँगा। यदि वे घास खा ले, मैं उसक भुगतान करूँगा।"

206 और उसने कहा, "नहीं। तुम इस प्रकार की कोई बेदारी आस–पास नहीं करोगे। यह ठीक बात है। आप इस तरह का कुछ भी आस–पास में नहीं करोगे।"

207 और तब ध्यान दे उसने क्या किया। वह इजाबेल के रुप में वापस आया और उस झूठे नबी से होते हुये आया और परमेश्वर के बालको की गलती का कारण बना। और मोआबी लडकियो का विवाह इस्राएलियों में करवा दिया, और व्यभिचार का कारण हुआ।

208 उसने उस युग में वहीं बात की, उस यात्रा में प्रतिज्ञा देश के मार्ग में जिस पर हम है। उसने क्या किया? झूठा भविष्यद्वक्ता आया और विवाह किया और प्रोटेस्टन्ट कलीसिया में बुलाया और नामधारियो का कारण बना, ठीक वैसे ही जो उन्होंने पहले किया। [भाई ब्रन्हम चार बार पुलपीट को खटखटाते है।—सम्पा।]

209 परन्तु छोटा पुराना इस्राएल वैसे ही आगे बढ गया। उसने बहुत समय तक जंगल में निंदा की और उन सब पुराने योध्दाओ को मरना पडा परन्तु वे सीधे प्रतिज्ञा के देश कि ओर आगे बढ गये। जी हाँ। हाँ। ध्यान दे, वे सब साथ थे इसके पहले कि वे यर्दन पार जाते। हा–हा! मैं इसे पसन्द करता हूँ। अब हम ठीक इस समय उस युग में जा रहे है, अब यहाँ। ध्यान दे।

210 अब हम पाते है, कि, वह समय पिछला वाला (मैने कहा) दानिएल के सत्तर सप्ताहों के साढे तीन वर्ष।

211 अब मैं इसे समीप से इसकी व्याख्या कर दू, क्योंकि मैं यहाँ पर किसी को देखता हूँ यहाँ जो सदा इस पर ध्यान करता है, और मैं अपने आप को एक शिक्षक के समान स्पष्ट करना चाहता हूँ।

212 ध्यान दे जब सप्ताहो के सत्तर अन्दर आते है, जब दानिएल आने वाले समय का दर्शन देखता है और यहूदियो का अन्त परन्तु उसने कहा वहाँ सत्तर सप्ताह ठहराये गये है। ये सात वर्ष; इसके मध्य में, क्यों, मसीहा यहाँ होगा या और काटा जायेगा, बलिदान के लिये। अब, ठीक यही जो घटित हुआ।

213 तब, परमेश्वर अन्यजातियो से व्यवहार करता है, जब तक कि, अन्यजाति में से अपने नाम के लिये लोग ना ले ले। जैसे ही अन्यजाति कलीसिया उठा ली जाती है, उसने कलीसिया को उठा लिया।

214 और जब उसने किया, मूर्ख कुंवारी वह कलीसिया स्वयं में... दुल्हन ऊपर चली गयी। और कलीसिया स्वयं, "बाहर अंधकार में चली गयी, वहाँ रोना और विलाप और दांत पीसना।" उसी समय में, लोगों पर क्लेश आ पडता है।

215 और जबकी क्लेश आ रहा है इसी में वे दो भविष्यद्वक्ता प्रकाशितवाक्य 11 के आते है कि उन्हें सुसमाचार प्रचार करे। और एक हजार एक सौ... और साठ दिनो प्रचार किया। समझे? भाई यह ठीक एक महीने में तीस दिन

जैसे कि वास्तविक कलेण्डर में है, ठीक। साढे तीन वर्ष यह दानिएल का सत्तरवां भाग, सत्तरवे सप्ताह का अन्तिम भाग। समझे?

परमेश्वर ने यहाँ इस्राएल के साथ व्यवहार नहीं किया। नही, श्रीमान।

216 अधिक समय नहीं हुआ एक भाई ने मुझ से पूछा, कहा, "क्या मुझे चाहिये की... " एक—एक भाई यहाँ इस कलीसिया में एक मूल्यवान, प्रिय भाई ने कहा, "मैं—मैं इस्राएल जाना चाहता हूँ। मैं विश्वास करता हूँ वहाँ एक जागृति है।"

217 किसी ने मुझ से कहा, "भाई ब्रन्हम, आप को इसी समय इस्राएल जाना चाहिये, वे इसे देखेंगे।" देखिये, आप यह नहीं कर सकते।

मैं ठीक वहाँ खडा था और मैने सोचा...

218 वे यहूदी बोले, "यदि मैं... अच्छा, यदि यह यीशु ही मसीह होना है," कहा, "तो मैं उसे नबी के चिन्ह करते देखू, हम अपने भविष्यद्वक्ताओं का विश्वास करते है, क्योंकि यही जो उन्हें होना चाहिये।"

219 "क्या ही तैयारी है," मैने सोचा, "मैं जाता हूँ!" जब मैं ठीक वहाँ पहुँचा, ठीक इसके पास, ठीक... मै था भाई मैं कहिरा में था और मेरे पास हाथ में मेरा टिकट था इस्राएल के लिये। और मैने कहा, "मैं—मैं जाऊंगा, देखिये यदि वे यह पूछते है, यदि वे भविष्यद्वक्ता का चिन्ह देख सकते है। हम देखेंगे यदि वे मसीह को स्वीकार करेंगे।"

220 स्टाकहोम कलीसिया के लूईस पेतरुस ने उन्हें दस लाख बाइबल भेजी है।

221 और वे यहूदी वहाँ आ रहे है! आपने चल चित्र देखा है। मेरे पास यहाँ रील में है ठीक यही अब, *आधी रात को तीन मिनट*। और वे यहूदी भीतर आ रहे है, सारे संसार से, हर चीज, वहाँ एकत्र होना आरम्भ हो गये।

222 इंग्लैंड के वहाँ अन्दर जाने के बाद, जनरल एलनबाई के समय में। *इन द डिक्लाइन ऑफ द वर्ल्ड वॉर* दूसरे पुस्तक में, मैं सोचता हूँ यही है और उन्होंने समर्पण कर दिया तुर्कीयो ने समर्पण कर दिया। तब उसने इसे इस्राएल को वापस दे दिया। और वह एक राष्ट्र के समान बढ रहा है और अब यह सिद्ध राष्ट्र है उसका अपना पैसा, मुद्रा, झण्डा, सेना और हर चीज। समझे?

223 और ये यहूदी वापस आपनी जन्म भूमी में आ रहे है, वे... पहली बात, जब वे ईरान में गये और वहाँ नीचे उन्हें लेने उन्होंने पूछा... उन्होंने कहा वह... वे उन्हें वापस इस्राएल को ले जाना चाहते थे, उनका स्थान उन्हें दिया; उन्हें वापस उनके देश पेलस्टाईन जहां उन्हें होना चाहिये।

224 और स्मरण रखे, जब तक इस्राएल उस देश से बाहर है, वह परमेश्वर कि इच्छा से बाहर है; जैसे अब्राहम जिसे यह दिया गया था। और...

225 वे उस जहाज पर नहीं चढते। उन्होंने ऐसी चीज कभी नही देखी थी, वहाँ एक बूढा रब्बी नीचे उतरा बोला, "हमारे भविष्यद्वक्ता ने हमें बताया, जब इस्राएल घर गया 'तो यह उकाब के पंखो पर होगा,'" हवाई जहाज पर, घर का मार्ग।

226 अब वह वहाँ बना रहे है। अंजीर का वृक्ष वापसी में! आमीन! पुराना छः कोने सितारे का दाऊद का लहरा रहा है!

227 "अन्यजाति के दिन गिने हुये है भरे हुये हेंगे के साथ!" क्लेश काल समीप है!

228 और ठीक यहाँ खडा है, और मोहरे खोली जा रही है, कलीसिया हवा में अपनी उडान भरने के लिये तैयार है!

229 और क्लेश आ गया तब परमेश्वर नीचे आता है, और वहाँ एक लाख चवालिस हजार को वहाँ खेचता है। आमीन! ओह, वहाँ यह सिद्ध है! आप देखते है कि मोहरे इसे अब बाहर लेकर आती है देखिये इसे खोल दिया? अब यह अन्तिम साढे तीन वर्ष लोगों के लिये है। यदि आप यह भी ध्यान करे कि यह समय है कि परमेश्वर एक लाख चवालीस हजार यहूदियो को बुलायेगा, इन अन्तिम साढे तीन वर्षो में।

230 देखिये उसने उनके साथ बिल्कुल भी व्यवहार नहीं किया, उनके पास भविष्यद्वक्ता नहीं था, वे भविष्यद्वक्ता छोड किसी का भी विश्वास नहीं करेंगे आप उन्हें मूर्ख नही बना रहे है, इसलिये वे एक भविष्यद्वक्ता की सुनने जा रहे है, जी हाँ श्रीमान, बस यही है, कि परमेश्वर ने उन से आरम्भ में ही कह दिया और वे ठीक इसी के साथ बने हुये है।

231 उसने कहा, "तुम्हारा प्रभु परमेश्वर तुम्हारे बीच से मुझ जैसा भविष्यद्वक्ता उठा खडा करेगा।" मूसा ने यह कहा है। और कहा, "तुम

उसकी सुनना। और जो कोई उस भविष्यद्वक्ता कि नहीं सुनेगा, लोगों में से काटा जायेगा।" यह ठीक बात है।

232 और आप देखिये उनकी आँखों को अंधा होना था, या वे उसे नहीं पहचानेगे, बजाये इसके, अंधे हो गये, वे थे... शैतान ने उन पर यह किया और वे कहते है, "वह भावी बताने वाला है, बालजबूल, उसका लहू हम पर हो। हम जानते है, उसका इससे कोई मतलब नहीं।" समझे?

233 और बेचारे लोग अन्धे हो गये थे। और यही कारण था कि आईकमैन के लोगों ने और वह सारा झुण्ड वहाँ पहले मारा गया भीतर आने का अधिकार था; उनके अपने पिता ने उनकी आखो को इस प्रकार से अन्धा कर दिया कि वह हमें ले सके।

234 वचनों में यह बहुत ही दयनीय बात है लगभग। वहाँ के लिये जरा सोचे, वह यहूदी अपने ही पिता के लहू के लिये चिल्ला रहे है उनका अपना परमेश्वर वहाँ लटका हुआ है, लहू बहाते हुये। देखिये, "वहाँ उन्होंने उसे क्रूस पर चढाया," बाइबल ने कहा। ये वे चार महान शब्द है। देखिये। "वहाँ" येरुशलेम, परमपवित्र नगर संसार में। "वे," संसार के पवित्रतम लोग। "क्रूस दी," संसार की क्रूरतम मृत्यु। "उसे," संसार का सबसे अधिक विशिष्ट व्यक्ति। समझे? क्यो? धर्मी लोग, संसार का सबसे महान धर्म, संसार का केवल सच्चा धर्म, वहाँ खडा हुआ था अपनी बाइबल के ही परमेश्वर को क्रूस पर चढा रहे थे, कहा कि वह आयेगा।

235 उन्होंने यह क्यों नही देखा? बाइबल हमें बताती है परमेश्वर ने उन्हें अंधा कर दिया ताकी वे, ये ना देख सके। वे... उसने कहा, "तुम में से कौन मुझ पर पाप का दोष लगा सकता है?" दूसरे शब्दो में, "यदि मैने ठीक वही नही किया जो मेरे विषय में करने की भविष्यवाणी थी तो फिर तुम मुझे बताओ।" *पाप* "अविश्वास" है। उसने ठीक वही किया जो परमेश्वर ने उसे करने को कहा, परन्तु वे ये ना देख सके।

236 अब जब आप लोगों से बात करते है, यह ऐसा है जैसे बत्तख की पीठ पर पानी फेंकना। क्या आप देखते है कि मेरा क्या अर्थ है? यह दयनिनीय बात है जब आप इस राष्ट्र और लोगो को देखते है, जिस प्रकार से वे करते है इतना कठोर और धर्म! परन्तु क्या पवित्र आत्मा हमें यह नही बताता? "वे ढीठ, घमण्डी, सुख के चाहने वाले बजाये परमेश्वर के प्रेम के धोखेबाज, झूठा दोष लगाने वाले, असंयमी और भले के बैरी, वे धर्मी का

भेष धरेगे परन्तु सुसमाचार की सामर्थ का इन्कार करेंगे।" कहा, "ऐसो से परे रहना।"

237 यहाँ हम है, इन नामधारियो ने इसे तोड मरोड दिया। इन्होने सारी महिमा और सामर्थ लेकर इसे पीछे चेलो के साथ रख दिया और बाकी सहस्त्रशताब्दी में। यह एक मनुष्य के समान, जैसा कि मैने पहले कहा था; एक मनुष्य सदा परमेश्वर को महिमा देता है कि जो उसने पीछे कर दिया, और सामने देख रहा है कि वह क्या करेगा और इस बात से अनभिज्ञ है कि वह अब क्या कर रहा है। यह बिल्कुल ठीक बात है। मनुष्य में अब भी वही बात है।

238 वहाँ वे यहूदी खडे हुये, कह रहे थे, "परमेश्वर की महिमा हो! क्यो," संत यहून्ना का 6 वां अध्याय कहा, "हमारे पूर्वजो ने जंगल में मन्ना खाया!"

और यीशु ने कहा, "और उन में से हर एक मारा गया।"

239 "जंगल में उन्होंने चट्टान से पानी पिया, और सबकुछ।"

240 उसने कहा, "मैं चट्टान हूँ।" यह ठीक बात है। आमीन। उसने कहा, "परन्तु जीवन की रोटी मैं हूँ जो परमेश्वर के पास से स्वर्ग से उतरी है, वह जीवन का वृक्ष वहाँ पीछे अदन कि वाटिका से। यदि मनुष्य इस रोटी को खायेगा, तो वह नही मरेगा; मैं उसे अन्तिम दिनो में उठा खडा करूँगा।" और फिर भी वे उसे ना देख सके! यह ठीक बात है।

241 वही मसीहा वहाँ खडा हुआ उनके ह्दयो की बातों को बोल रहा है और इस प्रकार की बातें दर्शा रहा है कि वह मसीहा था, वही जो मसीहा को करना था!

242 और वे वहाँ अपने हाथ पीछे बांधे खडे है, और, "ओह! ये नहीं हो सकता। नहीं, नही। ये—ये—ये सही प्रवाह में नहीं आया। देखिये, वह बेतलहम से आया। और वह कुछ नहीं परन्तु एक अवैध बालक। और यह शैतान उसमें काम कर रहा है। हम—हम जानते है वह पागल है। वह पागल है। उसमें शैतान है।" समझे? वास्तव में उनकी आंखे इसके लिये अंधी थी, अब।

243 परन्तु अपने भविष्यद्वक्ता की राह देख रहे थे। और वे इसे ग्रहण करने वाले थे, उन में से दो को ग्रहण करनेवाले थे। यह ठीक बात है।

244 अब ध्यान दे, अब फिर से यह भी जब यहूदी... मैं आपको एक और छोटा सा प्रतीक दुंगा ताकि आप यह अनुभव कर सके अब ये यहाँ यहूदी है, उठा लिये जाने के इस ओर। ध्यान दे क्या घटित हुआ यह भी प्रतिकात्मक है... इसे करने के लिये हम समय नही लेंगे, क्योंकि हम यहाँ कर चुके है। प्रतीक में प्रस्तुत कर दिया है... इसमें जो कि "याकूब का संकट" कहलाता है। अब देखिये। ये यहाँ यहूदी है... ध्यान दे। ओह, ये है...

245 मैं—मैं—मैं यहाँ थोडा सा समय लेने जा रहा हूँ, देखिये। ये मुझे अधीर कर देता है, जब मै इधर उधर छोडना आरम्भ करता हूँ। और... समझे? ध्यान दे। मैं चाहता हूँ कि आप इसे देख ले और मैं—मैं—मैं बस... अच्छा परमेश्वर इसे आपको दिखा देगा। मैं निश्चित हूँ। देखिये।

246 याकूब के पास जन्मसिद्ध अधिकार था। क्या ठीक है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] परन्तु निश्चय ही वह इसके साथ–साथ छोटा धोखेबाज था। समझे? वह गया और उसने अपने पिता को धोखा दिया। उसने अपने भाई को धोखा दिया, उसने सब कुछ किया। परन्तु, फिर भी कानूनी तौर पर, अन्दर उसके पास यह था क्योंकि ऐसाव ने बेच दिया था। परन्तु तब जब वह वहाँ अपने ससुर के लिये काम करने को जाता है, उसने वह पहाडी पीपल की छडियां जल में डाली की गर्मधारण किये पशुओ को बचाये, और चित्तीदार बछडे जन्माये। और ओह, आप जानते है उसने हर चीज इस प्रकार से की, केवल धन प्राप्ति के लिये। अब ध्यान दे, अब वह अपने लोगों में से निकाला हुआ था।

247 अब यह यहूदियो का प्रतिक है। वह पैसा झपटने वाला। मैं चिन्ता नहीं करता वह इसे कैसे लेता है, वह इसे लेगा। वह जीते जी आपकी खाल उतार लेगा इसे पाने के लिये, अब आप यह जानते है, वह थोडा धोखेबाज था बस, लडके उसके साथ वास्ता ना रखना, लडके वह तुम्हे ले लेगा। जी हाँ, श्रीमान। क्यों? उसे यह होना ही है। इसी प्रकार की आत्मा जो प्रभुता कर रही है।

248 ठीक उन सुधारको के समान, जो इस वचन को समझ ना सके, क्योंकि वह मनुष्य का आत्मा उन पर भेजा गया।

249 यह उकाब युग है जो वचन और प्रकाशन को लेता है। वे सब जो इसे समझते है, अपने हाथो को उठाये, ताकि मैं... यह बहुत अच्छा है। यह बढिया है। समझे? यह अच्छा है। अब देखिये यदि आप इन मोहरो के नीचे

वापस आ सकते है, यदि वे कभी ले पाये... जब वे खुली तब आप बिल्कुल ठीक प्रकार से देख सकते है कि परमेश्वर क्या कर रहा है, उसने क्या किया है वह क्या करने जा रहा है। यह ठीक यहाँ पर है।

250 और यही कारण है कि लोगों ने वैसा व्यवहार किया, क्योंकि उसी आत्मा की भविष्यवाणी उस युग के लिये की गयी कि उन पर वह हो। वे और कुछ नहीं कर सकते थे।

251 मैं यहून्ना और पौलूस के लिये सोचता हूँ और वे, वहाँ सिंह का आत्मा था, वहाँ I–i–o–n खड़ा था, स्वयं वचन।

252 पौलूस ठीक वचन के साथ खडा हुआ और कहा, "मै यह जानता हूँ, कि तुम्हारे बीच में से झूठे भाई उठ खडे होगे चारो ओर। और वे क्या बनायेगे, नामधारी और हर चीज, तुम्हारे बीच और वे क्या करेंगे। और यह अन्त के दिनो में होगा और कठिन समय।" क्यों? वह एक भविष्यद्वक्ता था। वहाँ उसके अन्दर वचन खडा था। यह कैसे समाप्त होगा, वहाँ पर; कहा, "तुम्हारे बीच में से झूठे मनुष्य उठ खडे होगे और बातें कहेंगे, और भाईयो को जो चेले है।" उन्हें अलग कर देगे, यह ठीक मसीह विरोधी है। इसने ठीक यही किया।

253 ध्यान दे, उनके अंधकार युग के क्रेश में चले जाने के पश्चात। ये क्या था? वहाँ कुछ नहीं था जो वे कर सके। रोम ने ले लिया... उसके पास धर्म धार्मिक शक्ती थी और उसके पास राजनितिक सामर्थ थी। वे वहाँ कुछ नहीं कर सकते थे, केवल परिश्रम, कि जीवित रहे और अपने आप को बलिदान के लिये दे दिया। यह एक बैल था। बस यही वे कर सके। उनके पास इसी प्रकार की आत्मा थी परमेश्वर का आत्मा, बैल।

254 तब यहाँ सुधारक आता है, मनुष्य का सिर, चालाक बुध्दिमान; मार्टीन लुथर, जॉन वेसली और आदि–आदि और वे बाकी कोलविन, किवि, नोक्स। और यहाँ वे आते है जब उन्होंने किया, वे सुधारक थे। वे आये, सुधारक, लोगों को बाहर लाये।

255 और ठीक वापस घूमे, ठीक वैसे जैसे उन्होंने पहले किया और सीधे वापस होकर विवाह कर लिया फिर से वापस उसमें चले गये अपने नामधारी व्यवस्था में, ठीक सही। बाइबल ने ऐसा कहा। वह एक "वैश्या," थी और तब उसके पास "वैश्याये," पुत्रियाँ, बिल्कुल ठीक वैसी।

256 और परमेश्वर ने कहा, "मैने—मैने प्रायश्चित के लिये उसे समय दिया और उसने यह नही किया, इसलिये मैं उसको और उसके बालको को लेने जा रहा हूँ उन्हें वही डालुंगा जहाँ के वे है।" यह बिल्कुल ठीक बात है। अब उस परमेश्वर ने कहा कि इसके नीचे देखिये, मोहर के नीचे। अब वहाँ वह थी। हम पाते है कि वह ये करता है और वह यह करेगा। और वे सारे के सारे उधर ही बढ रहे है।

257 परन्तु, उनके लिये जिनके नाम जीवन की पुस्तक में लिखे है, परमेश्वर बुला लेगा। वे ये सुनेगे। "मेरी भेड मेरा शब्द सुनती है," यीशु ने कहा। केवल एक चीज जो हमें करनी है कि भेड को बुलाये। बकरी इसे नही जानती। ध्यान दे। परन्तु, आप देखते है, भेड की बुलाहट, "मेरी भेड मेरा शब्द सुनती है।" क्यों? शब्द क्या है? मैं आपको बताना चाहता हूँ कि आवाज क्या है। एक आवाज एक आत्मिक चिन्ह है।

258 उसने मूसा से कहा, "यदि वे पहले चिन्ह कि आवाज नही सुनेगे, वे दूसरे चिन्ह की आवाज सुनेगे।"

259 "मेरी भेड मेरा शब्द सुनती है।" जब कि यह चिन्ह अन्त के दिनो में घटित होने जा रहे है, परमेश्वर की भेड इसे पहचानती है। जी हाँ, श्रीमान। समझे? वे—वे इसे पहचानते है। "मेरी भेड मुझे जानती है।" समझे? अनजान के पीछे वे नहीं जायेगी, अनजान के पीछे वे नहीं जाते। इसे समय का प्रमाणित चिन्ह होना है, और वे इसे देखते है। अब ध्यान दे।

260 अब याकूब जैसे कि अब वह ऊपर जाता है, पहली बात आप जानते है, उसमें जाने की एक चाहत थी (कहाँ) वापस अपने देश।

261 ओह, ठीक यही जो इस्राएल ने किया! ये—ये... ये इस्राएल है। याकूब इस्राएल है। बस उसक नाम बदल गया था आप जानते है। समझे?

262 और वह... वह वहाँ पहुँचा और उसने सारा पैसा ले लिया जो उसके पास था जो वह ले सकता था और वह जैसे भी ले सका अपने रिश्तेदारो से या किसी से भी। इसलिये बेमानी, चोरी, झूठ किसी भी प्रकार से उसने ये लिया। समझे? उसने किया।

263 और तब जब वह घर वापस जाने लगा, उसको ह्दय में घर की याद सताने लगी। परन्तु जैसे वापस जाने लगा अपने मार्ग पर वापस जा रहा था उसे परमेश्वर मिला, जब उसका नाम बदल गया। समझे? परन्तु, इस

समय में, वह इतना थका हुआ था, क्योंकि वह डरा हुआ था ऐसाव उसके पीछे आ रहा था। समझे?

264 और—और ध्यान दे, पैसे पर ध्यान दे, पैसो का प्रस्ताव। जैसे कि यहूदी अपनी वाचा रोम के साथ बांध रहा है देखिये उनके अपने पैसो के प्रस्ताव में। इस पर ध्यान दे। ऐसाव को उसका पैसा नही चाहिये था; ना ही रोम को। उसके पास संसार का सारा धन उसके हाथ में है। समझे? परन्तु इसने काम नहीं किया।

265 परन्तु अब हम पाते है कि इस्राएल उस समय संकट में था जब वह याकूब था उसने संघर्ष किया... उसने उस चीज को पकड लिया जो कि वास्तविक था। वहाँ एक मनुष्य नीचे आया था। याकूब ने अपने हाथों से उसको घेर लिया और वह वहाँ रुक गया। और—और उस व्यक्ति ने कहा, "मुझे अब जाना चाहिये। यह उजियाला हो रहा है।" ओह, वह तो दिन निकल रहा था! समझे? दिन का निकलना तय था।

266 परन्तु याकूब ने कहा, "मैं तुझे नहीं छोडुगा। तू, तू नहीं जा सकता, मैं तेरे ही साथ रुका रहूँगा।" समझे? "मैं चाहता हूँ कि चीजे बदल जाये।"

267 ये एक लाख चवालीस हजार है जो मुद्रा योजना वाला झुण्ड है और इस प्रकार की चीज जब वे देखते है कि सच्ची वास्तविक चीज को पकड ले। वहाँ मूसा खडा है और वहाँ एलिय्याह खडा है। आमीन! वे परमेश्वर के साथ संघर्ष करेंगे जब तक एक लाख चवालीस हजार इस्राएल के गोत्र वहाँ से बाहर ना बुला लिये जाये।

268 यह ठीक क्लेश के काल से पहले है, देखिये, (ओह क्या ही शानदार) "याकूब का क्लेश" भी।

269 यहाँ जब एक लाख चवालीस हजार बुलाये गये। वे वह—वह प्रचारक वे दो भविष्यद्वक्ता, वे यहून्ना बपतिस्मा देनेवाले के समान प्रचार करते है। "स्वर्ग का राज्य निकट प्रायश्चित कर, इस्राएल!" प्रायश्चित किस का? "अपने पापो से प्रायश्चित करो, अपने अविश्वास से कि परमेश्वर की ओर वापस फिरो!"

270 अब आईये यहाँ कुछ याद करे। यह महान घटनाये प्रकृति में पहले हो चुकी, यहाँ इस 12 वे पद में यहाँ पर "सूर्य कम्बल की नाई काला हो गया।" अब इसकी तुलना करे।

271 अब स्मरण रखे, यह अन्यजाति में घटित नही होता, यह इस्राएल है, मैं आपको दिखाऊ, अब स्मरण रखे, मैने कहा है यह एक लाख चवालीस हजार कि बुलाहट है। समझे? अब यह समय जब क्लेश होता है, जो कि इसे करना है, यह। और यह ये बता रहा है कि इस क्लेश में क्या घटित होता है।

272 अब आईये निर्गमन 10:21–23 को निकाले। और यहाँ ध्यान दे जब... निसन्देह इस्राएल बाहर आ रहा था, निकाला जाने वाला था। निर्गमन 10 वा अध्याय और 21 वां 23 वां पर। मैं उत्तेजित हो गया और चिल्ला रहा था, जब मैने ये टिप्पणियां लिखी कि किसी समय मैं इन्हे इधर–उधर मिला सकता हूँ। ठीक है। निर्गमन 10:21–23 ठीक, यहाँ हम जाते है 21 और 23।

> *फिर यहोवा ने मूसा से कहा, अपना हाथ आकाश की ओर बढा कि मिस्र देश के ऊपर अन्धकार छा जाये, ऐसा अन्धकार कि टटोला जा सके।*
>
> *और मूसा ने अपना हाथ आकाश की ओर बढाया और सारे मिस्र देश में तीन दिन तक घोर अन्धकार छाया रहा:* (समझे?)
>
> *तीन दिन तक ना तो किसी ने किसी को देखा, और ना कोई अपने स्थान से उठा; परन्तु सारे इस्राएल के घरो में उजियाला रहा।*

273 ध्यान दे, बिल्कुल सही, अब इधर को आये, "और सूर्य कम्बल की नाई काला हो गया।" देखिये, वही चीज! यह प्रकृति की घटनाये है, यह क्या था? क्या? जब प्रकृति इस प्रकार हो जाती है, परमेश्वर इस्राएल को बुला रहा है। समझे? परमेश्वर इस्राएल को बुला रहा है। अब, "सूर्य बालो के समान... काला है।" अब परमेश्वर इस्राएल को छुडाने वाला है, ठीक है, उन्हें शत्रुओ के हाथो से छुडा रहा है, जो कि उस समय मिस्र था। अब, यहाँ, वह उन्हें रोमियों के हाथ से छुडा रहा है, जहाँ उन्होंने अपनी वाचा बान्धी। वही बात घटित होती है। वही चीज होती है। यह विपत्ति है वह—वह समय, जब यह विपत्ति बुलायेगी।

274 यह अन्यजाति के झुण्ड पर विपत्ति लायेगी। यदि हमारे पास समय होता तो, मैं आपको दिखा सकता था कि अन्यजाति कलीसिया के साथ क्या घटने जा रहा है।

275 बाइबल ने कहा, कि, "वह सांप, शैतान क्रोधित था (गुस्से में) उस स्त्री से (यहूदी, इस्राएल), और उसने अपने मुंह से पानी निकाला घना और लोगों की भीड जो बचे हुये स्त्री के वंश से युध्द करने को गया।" प्रकाशितवाक्य 13। अब, देखिये वहाँ, वह हमारे पास है। और ये जब उसे भेजता है... मेरा अर्थ रोग अपनी सेना बचे हुये लोगों के पीछे भेजता है स्त्री के वंश के बचे हुओ के पीछे।

276 अब ध्यान दे। पहली बार उनके शत्रुओ के हाथो जब वह उन्हें छुडा रहा था, सूर्य कम्ब... कम्बल की नाई काला हो गया। अब यह दूसरी बार है, क्लेश काल का अन्त।

277 अब दानिएल 12 में यदि हमारे पास समय था, हम इसे पढ सकते थे। दानिएल में, 12 वां—12 वां पद... बल्कि 12 वां अध्याय। दानिएल ने कहा, "हर कोई जो पुस्तक में लिखा हुआ पाया गया छुडा लिया जायेगा।" अब स्मरण रखे, दानिएल अब इस काल के लिये बोल रहा है जब ये... ये बातें घटित होती ही है, जब इस्राएल को छुडाया जाता है, जब उनके सत्तरवे सप्ताह का अन्त होता है। और यह जब, उन्हें छुडाया जाना है। अब देखिये। आईये हम यह दानिएल 12 को ले, एक मिनट।

> *उसी समय मीकाएल नामक बडा प्रधान, जो तेरे जाति भाईयों का पक्ष करने को खडा रहता है...* (देखिये ये यहूदी हैं) *वह उठेगा तब ऐसे संकट का... समय होगा, जैसा किसी जाति के उत्पन्न होने के समय से लेकर अब तक कभी ना हुआ होगा...*

278 अब इसकी तुलना करे, ठीक जो यीशु ने कहा। मत्ती 24, "विपत्ति का समय होगा जैसा कभी नहीं हुआ जब से जातियाँ उत्पन्न हुयी।" छठवी मोहर को देखे, देखिये, वही चीज संकट का समय। ध्यान दे,

> *... जैसा किसी जाति के उत्पन्न होने के समय से लेकर अब तक कभी ना हुआ ना होगा; परन्तु उस समय तेरे लोगों में से* (अब इस सत्तरवे में, वर्ष का अन्तिम भाग) *... जितनो के नाम परमेश्वर की पुस्तक में लिखे हुये है।*

279 पहले से ठहराये हुये, आप देखते है जिनके मेम्ने की जीवन की पुस्तक में लिखे हुये है उस समय छुडा लिये जायेंगे।

जो भूमी के नीचे सोए रहेगे उन मे से बहुत से लोग जाग उठेगे कितने तो सदा के जीवन के लिये और कितने अपनी नाम धराई और सदा तक अत्यन्त घिनौने ठहरने के लिये।

अब, और तब सिखाने वालो *की चमक आकाश मण्डल की सी होगी और जो बहुतो को धर्मी बनाते है, वे सर्वदा तारो के समान प्रकाशमान रहेंगे।*

280 कि तब आगे बढकर, दानिएल से कहा गया "कि पुस्तक को बंद कर दे," क्योंकि वह उस समय तक अपने भाग में विश्राम करेगा।

281 अब देखिये, इस में कोई अन्तर नही पडता चाहे आप जीवित रहे या मर जाये, जो भी हो। आप आयेंगे। समझे? नहीं... वह मरना मसीही के लिये कुछ नही है। वह नही मरता है, जो भी है। समझे?

282 अब दानिएल 12 ने कहा, कि हर एक जो इस पुस्तक में लिखा हुआ पाया गया छुडा लिया जायेगा।

283 यहाँ, परमेश्वर अपने दूसरे पुत्र को छुडाने पर है, इस्राएल, क्लेशो के बाद। देखिये, दूसरी बार इस्राएल उसका... इस्राएल उसका पुत्र है आप ये जानते है। इस्राएल परमेश्वर का पुत्र है, इसलिये वह इसे इस संकट के काल से छुडाने जा रहा है, ठीक उसी प्रकार से जैसा उसने मिस्र में किया।

284 अब आईये यहाँ रुकते है फिर से और कुछ और लेते है, ताकि, पहले कि इसे घर लाये। अब यहाँ पर ध्यान दे। ये दोनो भविष्यद्वक्ता, देखे कि वे क्या करने जा रहे है, अब, जैसे कि मूसा और उन्होंने वहाँ किया। "और वहाँ मुझे एक सरकंडा दिया गया... " और तीसरा पद 11 वे अध्याय का।

मैं अपने दो गवाहो को यह अधिकार दूंगा कि टाट ओढे हुये एक हजार दो सौ साठ दिन तक भविष्यवाणी करे

वे ये ही जैतून के दो पेड...

285 आपको याद है कि और जरुब्बाबेल और आदि–आदि को फिर से मन्दिर बनाना था।

... और दो दीवट है जो पृथ्वी के प्रभु के सामने खडे रहते है।

... यदि कोई उनको हानि पहुँचाना चाहता है, तो उनके मुंह से आग निकल कर...

286 याद रखे, मसीह के मुंख से वचन की तलवार निकलती है।

... उनके बैरियो को भस्म करती है, और यदि कोई उनको हानि पहुँचाना चाहेगा, तो अवश्य इस रीति से मार डाला जायेगा।

287 अब, हम जानते है कि "आग।" 19 वे अध्याय में मसीह के आगमन का, "उसकी तलवार उसके मुख से निकलती है," जो कि वचन था। क्या यह ठीक है? वचन! ओह, यदि आप अब यह चींजे ले लेंगे उस कल रात की मोहर के लिये! देखिये वचन वह चीज है जिसके द्वारा परमेश्वर अपने शत्रु को मार डालता है। समझे?

288 अब यहाँ देखे, जब ये दो नबी वहाँ भविष्यवाणी करते है, वे... यदि कोई मनुष्य उन से दुव्यवहार करता है, उन्हें हानि पहुँचाता है; "आग उनके मुख से निकलती है," पवित्र आत्मा की आग, वह वचन। वचन परमेश्वर है। वचन आग है। वचन आत्मा है। समझे? "उनके मुख से निकलती है।"

289 मूसा को देखिये। देखते है, उसके मुंह से क्या निकलाता है। वे इस्राएली, उसी प्रकार होना है, जैसा वे वहाँ कर रहे थे, वह—वह... मेरा अर्थ मिस्र वे इन यहूदियो से दुर्वव्यवहार कर रहे थे। मूसा... ठीक है वे उन्हें नही जाने देगे, फिरौन नही चाहेगा। परमेश्वर ने मूसा के मुंह में वचन डाले। देखिये ये परमेश्वर के विचार मूसा के ह्दय में जा रहे है; वह इसे वहाँ प्रकट करने जा रहा है तब ये वचन हो जाते है अपना हाथ आगे बढाता है, बोला, "मक्खियाँ हो जाये," और यहाँ मक्खियाँ आती है। इधर देखिये।

और यदि कोई उनको हानि पहुंचाना चाहता है, तो उनके मुँह से आग निकल कर उनके बैरियो को भस्म करती है;...

290 समझे? यही है, वे जो चाहे बोल सकते है, और वहाँ यह होता है। आमीन!

... और यदि कोई मनुष्य... उन्हें हानि पहुँचाना चाहेगा तो अवश्य इसी रीति से मार डाला जायेगा।

291 भाई, परमेश्वर यहाँ ह्दय में विराजमान है!

उन्हें अधिकार है कि आकाश को बन्द करे कि उनकी भविष्यवाणी के दिनो में मेंह ना बरसे:...

292 ऐलिय्याह, यह जानता है कि ये कैसे करना है, उसने यह पहले भी किया है। आमीन! मूसा जानता है कि कैसे करना है, वह यह पहले कर चुका है। यही कारण है कि उन्हें पीछे रख रखा था। अब... आमीन!

293 मैं यहाँ कुछ विस्मयकारी अच्छी बात कह सकता हूँ परन्तु मैं अच्छा हो इसे कल रात्रि तक रोके रहूँ। समझे? ठीक है।

> *... और उन्हें सब पानी पर अधिकार है कि उसे लहू बनाये, और जब-जब चाहे तब-तब पृथ्वी पर हर प्रकार की विपत्ति लाये।*

294 यह क्या है? इन चीजो को कौन ला सकता है, केवल वचन? वे जैसे चाहे प्रकृति के साथ वैसा कर सकते है, वे यहाँ है ये। वे है जो छठवी मोहर को ला सकते है। वे इसे उघाड और खोल सकते है, यह परमेश्वर की सामर्थ है जो प्रकृति में विघ्न उत्पन्न कर सकती है। देखिये, छठवी मोहर पूरी रीति से प्रकृति में विघ्न उत्पन्न करना है। अब क्या आप समझे? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] यहाँ आपकी मोहर है, यह कौन करता है? ये भविष्यद्वक्ता हैं, उठा लिये जाने के बाद परमेश्वर की सामर्थ और वचन के साथ, वे प्रकृति को दण्डाज्ञा देते है। वे भूकम्प ला सकते है, चाँद को लहू में बदल सकते है, सूर्य डूब सकता है, या कुछ भी, उन कि आज्ञा से। आमीन!

295 आप वहीं है। आप वही है। समझे? देखिये मोहरे कैसे खुली, वहाँ कलीसियायी युग में, कैसे इसने शहीदो को दर्शाया?

296 और यहाँ कैसे ये दो भविष्यद्वक्ता परमेश्वर के वचन के साथ खडे है, प्रकृति के साथ चाहे जो करे। और वे पृथ्वी को हिलाते है। और ये यह ये दर्शाता है कि सही में यह कौन करता है। यह मूसा और एलिय्याह है, क्योंकि वहाँ इनकी सेवकाई है कि फिर से रुप धारण करे, ये दोनो मनुष्य। ओह, प्रभु! क्या अब आप यह देखते है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] देखिये छठी मोहर क्या है? ये वे नबी हैं। अब ध्यान दे। ये आपको भयभीत ना करे। परन्तु ध्यान दे, मोहर को क्या चीज खोलती है, भविष्यद्वक्ता! समझे? व्हूई! आमीन! क्या आप वही है।

297 ओह, हम उकाब के दिनो में रह रहे है, भाई, बादलो के बीच उठ रहे है!

298 उन्होंने छठी मोहर खोली। ये करने के लिये उनके पास सामर्थ है। आमीन! यहाँ आपकी छठी मोहर खुलती जा रही है। समझे?

299 अब हम यहाँ थोडा पहले रुकते है और यीशु ने कहा कि यह घटित होगा। वहाँ पीछे पुराने नियम में पीछे यहेजकेल में पुराने भविष्यद्वक्ताओ में, उन्होंने बोला कि यह घटित होगा।

300 और यहाँ छठवी मोहर खुल गयी और वे कहते है, "ठीक है यह भेदभरी बात है। इसने क्या किया? "

301 यहाँ इसका भेद है, वे नबी, क्योंकि बाइबल ने यहाँ ऐसा कहा है। वे इसे किसी भी समय खोल सकते है, वे... और वे जो चाहे प्रकृति के साथ कर सकते है। और वे वही चीज करते है जो उन्होंने पहले किया। आमीन। क्योंकि वे जानते है ये कैसे किया गया। आमीन। माहिमा हो!

302 जब मैने यह देखा, मैं बस कुर्सी पर से खडा हो गया और फर्श पर चहल कदमी करने लगा। मैने सोचा, "प्रभु मैं कैसे आपका धन्यवाद करूं, स्वर्गीय पिता!"

303 ये यहाँ है। ये यही है। उन्होंने वह छठवी मोहर खोली। आमीन! उन पर ध्यान दे, "यदि कोई मनुष्य उन्हें हानि पहुंचाता है, तो आग उनके मुंह से निकलती है," वह वचन, पवित्रात्मा चेलो के ऊपर आता है, आप देखते है। "आग उनके मुंख से निकलती है।"

304 प्रकाशितवाक्य 19 पर ध्यान दे, हम उन्ही बातों को देखते है, "और एक बडी तलवार उसके मुख से निकलती है," वचन। समझे? मसीह का आगमन। "और वह अपने शत्रुओ को इससे घात करता है।" क्या यह ठीक बात है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] अब वह अपने मार्ग पर है। अब उस पर ध्यान दे। ठीक है।

> *उन्हें अधिकार है कि आकाश को बन्द करे, कि उनकी भविष्यवाणी के दिनो में मेह ना बरसे:...*

305 लडके यह प्रकृति को रोकना है! अब इस मनुष्य ने कितने समय तक यह किया, ऐलिय्याह ने आकाश बंद किया? [सभा कहती है, "साढे तीन वर्ष।"—सम्पा।] आप ठीक यहीं पर है, दानिएल का सप्ताह कितना लम्बा है सत्तरवे सप्ताह का अन्तिम भाग? ["साढे तीन वर्ष।"] आप ठीक वहीं पर है।

306 मूसा ने क्या किया? उसने—उसने—उसने पानी को लहू में बदल दिया, उसने इस प्रकार के आश्चर्यकर्म किये, ठीक वैसे ही जैसे इस छठवी

मोहर के नीचे भविष्यवाणी हुयी। और यहाँ यह प्रकाशितवाक्य 11 में है, ठीक उन्ही चीजो को कर रहा है। आमीन!

307 वचनो में तीन विभिन्न स्थान हैं, ठीक वहाँ जो चीजो को एक साथ मिलाते हैं, ये छठवी मोहर का खुलना। ये ठीक वहाँ पर है। आमीन! महिमा हो! अब ध्यान दे।

> *उन्हें अधिकार है कि आकाश को बन्द करे, उनकी भविष्यवाणी के दिनो में, कि वर्षा ना हो; और... उन्हें सब पानी पर अधिकार है कि उसे लहू बनाये... जब–जब चाहे तब–तब पृथ्वी पर हर प्रकार की विपत्ति लाये।*

308 ओह, प्रभु! आप वही पर है। अब सीधे यहाँ विपत्तियो पर आये, देखिये। सारी प्रकृति इस छठवी विपत्ति में रुकावट में है... याने छठवी मोहर के खुलने में। ठीक यही जो घटित हुआ। अब देखिये...

309 यहाँ, अब परमेश्वर अपने पुत्र को छुडाने पर है, इस्राएल को, उसी प्रकार के कष्टो में से, जो वहाँ पर किये गये। उसने मूसा को वहाँ भेजा और इस्राएल को छुडा लिया। क्या यह ठीक बात है? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] और उसने वही चींजे की। उसने ऐलिय्याह को आहाब के पास भेजा, और सात हजार निकल आये। ठीक बात है ना? ["आमीन।"] उसने उन्हें वहीं वापस भेजा उस विपत्ति के समय में, और एक लाख चवालीस हजार को बाहर बुला लिया।

310 अब, देखिये, आप ध्यान दे, प्रकाशित के बीच... या छठवे अध्याय या छठवी विपत्ति के बीच... मोहर के, मुझे क्षमा करे छठवी मोहर और सातवी मोहर के बीच में। प्रकाशितवाक्य का सातवां अध्याय, गणना के हिसाब से, यहाँ ठीक बैठा हुआ है।

311 जैसा कि अमरीका नम्बर 13 है: यह 13 राज्यो से आरम्भ हुआ, झण्डे में 13 सितारे, 13 बसावते, 13 धारियो हर चीज तेरह, तेरह। और ठीक यहाँ प्रकाशितवाक्य के 13 वे अध्याय में प्रकट हुआ। यह ठीक बात है, यह 13 है, और एक स्त्री।

312 अब, जब वह अपने एकलौते पुत्र को छुडाने पर था, जो कि उसका एकलौता पुत्र था। याकूब अपने पुत्र में; परन्तु यह केवल उसका एकलौता पुत्र है। मत्ती 27 आईये देखे उसने वहाँ क्या किया मत्ती 27 वां अध्याय। अब स्मरण रखे, उसका पुत्र पीटा गया था और उसे कष्ट दिया गया था, और

उन्होंने उसका मजाक उडाया था। और अब वह क्रूस पर लटका हुआ था, गुड फ्रायडे दोपहर बाद तीन बजे घटित होने पर था! मत्ती 27 वां अध्याय मत्ती का और 45 वां पद, मैं विश्वास करता हूँ यही है।

अब छठवे घंटे से लेकर नवे घंटे तक सारे देश में अन्धकार छाया रहा।

313 अब ध्यान दे ठीक वहीं जो पीछे उसने वहाँ किया, इसमें। समझे?

और देखो जब उसने छठवी मोहर खोली... तो मैने देखा कि एक बडा भूकम्प हुआ; और सूर्य कम्बल के समान काला और चांद और पूरा चन्द्रमा लहू के समान हो गया।

314 कालापन, अधंकार! मिस्र; काला, अंधकार!

315 परमेश्वर यीशु को क्रूस पर से छुडा रहा है ठीक पुनरुत्थान में उठाने से। पहले, अंधकार; सूरज बीच दिन में डूब गया और सितारे नही चमके। तब से दो दिन, वह उसे बडी विजय के साथ जी उठाने वाला था।

316 सूरज, और चांद, और सितारे और हर चीज मिस्र में, यह सब घटित हुआ, उसने इस्राएल को प्रतिज्ञा के देश के लिये छुडाया।

317 ये यहाँ इस क्लेश के समय में और यहाँ ये नबी खडे है जिनके अधिकार में वचन है जो परमेश्वर ने उन्हें दिया। वे केवल उतना बोल सकते है जैसा वचन परमेश्वर उन्हें देता है।

318 अब, वे ईश्वर नही है। वे अस्थाई... कच्चे, वे है क्योंकि यीशु ने कहा वे थे। कहा, "तुम ने उन्हें ईश्वर कहा, जिनके पास परमेश्वर का वचन आया।" परन्तु, देखिये, ये है जिनके पास परमेश्वर का वचन पहुँचा। और जब वह यह बोलता है, यह घटित होता है। बस।

319 और यहाँ वह परमेश्वर के प्रधाधिकार के साथ है कि पृथ्वी पर विपत्ति लाये, वह जो भी चाहे (ओह) आकाश को रोक दे। और वह करता है। क्या मामला है? वह एक लाख चवालीस हजार को निकालने के लिये तैयार है छुटकारे के लिये उस छुटकारे की पुस्तक से। और यह छुटकारे की मोहर के नीचे छठवी मोहर में। यही है मेरे प्रिय मित्र। यही छठवी मोहर है; बहुत ही भेद भरा है।

320 आईये जरा इसे ले... हमारे पास दस मिनट और है। आईये थोडा सा लेते है, देखिये। मेरे पास दो तीन पन्ने और हैं। अच्छा, मेरे पास... आप

यहाँ देख सकते है। मै सोचता हूँ वहाँ लगभग... उस पर मैं सोचता हूँ मेरे पास लगभग 15 पृष्ट है जो अभी बचे है, मैं ले सकता। ओह, इस पर इतना है! ओह, आप एक से दूसरी जगह चलते रहेगे! परन्तु मुझे डर है कि आप भ्रमित हो जायेगे अब मैं इसे विस्तार से लुंगा। और मैं नहीं... मैं इसे सिमित रख सकता हूँ जैसा कि मुझे चाहिये।

321 यशायाह में, आईये इसे ले, यशायाह भविष्यद्वक्ता ने इस छठवी मोहर को खुलते देखा, और इसके लिये बोला; जैसे कि यह विशेष है या नहीं। समझे?

322 ठीक, सारा मामला, छुटकारे की सारी योजना इन मोहरो के नीचे है; सारी पुस्तक।

323 अब याद रखे, हमने देखा यीशु ने यह देखा। क्या यह ठीक बात है? समझे? यीशु ने यह देखा। और अब हम यह पाते है, दूसरे जिन्होंने यह देखा, हम पाते है, इसका प्रतीक याकूब में। हम पाते है, इसका प्रतीक वहाँ मिस्र में। हम यह पाते है इसका प्रतीक वहाँ क्रूस पर।

324 अब आईये वापस यशायाह पर चलते है। मेरे पास बहुत सारा है बहुत से भविष्यद्वक्ता, यहाँ पर भी लिखा हुआ है। चलिये जरा सा... मुझे यह पसन्द है, यह यशायाह का है। आईये, यशायाह पर वापस चलते है, यशायाह का 13 वां अध्याय। मुझे पसन्द है...

325 यशायाह अपने में पूरी बाइबल है, आप जानते है, क्या आपको यह मालूम है? देखिये यशायाह सृष्टी से आरम्भ होता है; पुस्तक के बीच में वह यहून्ना को लाता है; और अन्त में वह सहस्त्रशताब्दी को लाता है। और वहां 66 पुस्तके बाइबल में है, और यशायाह में 66 अध्याय है। यह पूरा अपने में एक विश्वकोष है।

326 ध्यान दे, अब 13 वां अध्याय, यशायाह का। आईये इसे 6 वे पद से आरम्भ करे।

> *हाय–हाय करो; क्योंकि यहोवा का दिन समीप हैं; वो सर्वशक्तिमान की ओर से मानो सत्यनाश करने के लिये आता है।*

327 ध्यान दे यह छठवी मोहर अब यहाँ खुल रही है। यहाँ पीछे मसीह के आगमन से सात सौ तेरह वर्ष पहले और वह 2000 वर्ष यह लगभग सात

के होगा... लगभग सत्ताईस सौ वर्षो पहले। यशायाह ने इस मोहर को वहाँ पर लटके देखा। ठीक है।

इस कारण सब के हाथ ढीले पडेगे, और हर एक मनुष्य का ह्दय पिघल जायेगा:

328 यीशु ने क्या कहा? "और दुष्टता की भरपूरी के कारण बहुत सो का प्रेम ठंडा पड जायेगा।" "और मनुष्यो के ह्दय भय से थम जायेगे; समुद्र की गर्जना से।" देखिये, मनुष्य का ह्दय मूर्छित हो जायेगा।

और वे घबरा जायेंगे: उनको पीढा और शोक होगा; उनको जच्चा की सी पीढाये उठेगी; और वे चकित होकर एक दूसरे को ताकेगे: और उनके मुंह जल जायेगे।

329 अब इस पद ध्यान दे, ओह, "उनके मुख, एक लज्जा।" एक मिनट हमें इसको लेना है। मैं इसको लेने जा रहा हूँ, देखिये।

देखो, यहोवा का वह दिन रोष और क्रोध और निर्दयता के साथ आता है कि वह पृथ्वी को उजाड डाले: और पापियों को उसमें से नष्ट करे।

330 "वह देश," इसका यही सब कुछ है, इसका आप देखिये। ध्यान दे।

क्योंकि आकाश के तारागण और बडे–बडे नक्षत्र अपना प्रकाश ना देगे: और सूर्य उदय होते होते अन्धेरा हो जायेगा, और चन्द्रमा अपना प्रकाश ना देगा।

मै जगत के लोगों को उनकी बुराई के कारण, और दुष्टो को उनके अधर्म का दण्ड दूंगा; उनके अभिमान...

331 मैं—मैं नहीं जानता कि अक्षर विन्यास कैसे करू। [सभा कहती है "अभिमान।"—सम्पा।] मैं इसे नही बोल सकता।

... अभिमान का नाश करूँगा, और उपद्रव करने वालो के घमण्ड को तोडूंगा।

332 वहाँ देखिये ठीक वैसे ही यशायाह ने भी वही चीज देखी जिसके लिये यीशु ने बोला। जो कि सातवी मोहर प्रकट करती है। जब वह देश को क्लेश से शुध्द करता है, यह क्लेश का समय है यह छठवी मोहर। जी हाँ, वह एक भविष्यद्वक्ता था, और परमेश्वर का वचन उसे मालूम था। ये सत्ताईस सौ वर्षो पहले।

333 सच में! मैं यह कहना चाहता हूँ। सारा संसार जैसे यशायाह यहाँ पर है, "जैसे एक स्त्री जच्चा पीडा में, " सारी सृष्टी कहर रही है। यह सारा करहाना क्या है और कष्ट? जैसे एक—एक—एक स्त्री जो मां बनने वाली है; पृथ्वी स्वयं में, प्रकृति।

334 क्यों, यह नगर यहाँ पर है, आईये अपने ही नगर को ले; जब मद्यपान और वैश्यावृति, और गन्दगी, और कचरा, जैसा किसी नगर में!

335 क्यों, मैं विश्वास करता हूँ अच्छा हो कि परमेश्वर इसे इस प्रकार से देख रहा है जैसा देखा था, हजार वर्षो पहले। जब ओहियो कष्ट में था, उनके पास समुद्र से वापस लौटने वाला पानी और बाढ नहीं था। जब घाटी में कोई पाप नहीं था। भेंसे यहाँ घूमा करती थी और पुराने आदिवासी चोरकी उनका शिकार करके अच्छा जीवन व्यतीत करते थे। तब कोई भी कष्ट नही था।

336 परन्तु, जब मनुष्य आता है तो पाप भी आता है। जब मनुष्य पृथ्वी पर बढने लगे, तब पाप और उपद्रव आ जाता है। यह ठीक बात है, मनुष्य सदा। क्यों मैं सोचता हूँ, यह कलंक है!

337 उस दिन मैं खडा हुआ था, वहाँ अपने गांव के घर पर अब एरीजोना में। और मैं—मैंने पढा, जब मैं एक बालक सा था, जैरीमीनो और—और क्लेचाईस और वे पुराने आदिवासी। क्योंकि मैंने उन्हें प्रचार किया। वहाँ पर अच्छे लोग! और कुछ बहुत अच्छे लोग जिन से आप मिलना चाहेंगे, वे आदिवासी इन्डियनस।

338 तब मैं वहाँ ऊपर गया उनके कब्र के टोम पर, जहाँ वे उनके पास युध्द की पुरानी चींजे थी। और मैने उन्हें देखा... आप जानते है, वे सदा, वे सदा जैरीनीमो को एक विश्वासघाती वर्ग में रखते है। मेरे लिये ये सदा लाल लहू वाले अमरीकन है। बिल्कुल! वह केवल अपने अधिकारो के लिये लडते है, जैसे कि कोई भी करेगा। वह अपने देश में गंदगी नही चाहता। और देखिये अब क्या है अपने बालको को, लडकियो को, वैश्यावृति में बदल रहे है और सब कुछ; और श्वेत मनुष्य वहाँ पर आता है। श्वेत मनुष्य एक बदमाश है।

339 इन्डियन रुढीवादी थे। वह एक था—वह एक रुढीवादी था। वह बाहर जाकर एक भैसा मारेगा, सारी आदिवासी जनता हर चीज खायेगी जो उसमे से बचता था। वे उसकी खाल वस्त्र और तम्बुओ के लिये उपयोग

करते थे और हर चीज और श्वेत मनुष्य आकर उसे गोली मारता था, केवल निशानेबाजी के लिये; क्यों, यह एक कलंक है!

340 मैने अखबार में एक लेख पढा था, जहाँ अफ्रीका में यह महान स्थान जंगल के शिकार के खेल से भरा पडा है! उनके पास ये लोग है, आर्थर गोडफ्रे और वे वहाँ जा रहे है, उन हाथियों आदि को हेलीकॉप्टर से मारने को और इस प्रकार की चींजे। एक चित्र मादा हथनी का जो मरने का यत्न कर रही थी और आंसू जैसे उसका मुंह उदास हो। और दो बडे नर उसे रोके रखने का यत्न कर रहे थे, ताकी जीवित... क्यों यह एक पाप है। यह शिकार का खेल नही है।

341 जब मैं वहा बाहर मैदान में खडा था, और जहां मैने इस प्रकार की चीजो का शिकार किया है, और देखे जहाँ वे श्वेत शिकारी वहां पहुचते है और उन हिरनों को गोली मारते है और उसकी एक जांघ काट लेते है। और कभी–कभी आठ या दस हिरनियो का मार डालते है और उन्हें वही पडा रहेने देते है। और हिरन के बच्चे अपनी माँओ को ढूंढते फिरते है। और आपका अर्थ यह खिलाडीपन है? यह पूरी रीति से मेरी पुस्तक में हत्या करना है।

342 मैं आशा करता हूँ कि कनेडा को कभी इसका कोई मार्ग नही मिलेगा, जब तक मैं जीवित हूँ कि उन अमरीकन आवाराओ को वहाँ से अलग रखे। यह ठीक बात है। यह सबसे भद्दा शिकार का खेल जो कभी मैने अपने जीवन में देखा है।

343 अब, वे सारे। उन में से कुछ वास्तविक, सही पुरुष हैं, परन्तु ये हजार में से एक, आप पायेंगे।

344 कोई भी चीज उन्हें दिखती है वे गोली चला सकते है कैसे भी जो वह चाहते है। यह ठीक बात है। यह हत्या करना है। यह ठीक बात है। वह ह्दयविहीन। वह बिना मौसम के गोली चलाता है।

345 अच्छा, वहाँ अलास्का में, मैं वहा उन में से एक मार्गदर्शक के साथ था। उसने कहा, "मैने लिया... अब मैं बाहर जाऊंगा, बडा सारा उन बडे एल्को का झुण्ड था... एल्क नही, परन्तु मूस वहाँ पर है; उस पच्चास केलिबर की मशीनगन की गोलियाँ उनके सींगो के बीच, जहाँ ये अमरीकन जहाज उडाने वाले अलास्का में, अपने जहाज से मशीनगन से गोलियाँ बरसाते है, एक मूज के झुण्ड पर।" यह पूरी रीति से हत्या करना है।

346 उन्हें मालूम है, जब कभी वे भैसे को मारते है, वे इन्डियन को ले सकते है। वे भूखे मर जायेंगे। यही कारण है, कि कोचाईजो को समर्पण करना पडा; उसको सारे राजकुमारो को और उन बाकी सबको उसके बालको को और उसके सारे लोग, भूखो मर रहे थे। वे वहाँ बडी–बड़ी गाडियो के साथ जाते है, भैस वाले और वे मैदानी लोग और उन सारे भैसो को गोली से मार डालते है, एक दोपहर बाद में चालीस, पच्चास। वे जानते है, जब वे उन्हें मिटा देगे तो वे इन्डियन से भी पीछा छुडा लेंगे। ओह प्रभु! यह झण्डे पर एक दाग है जिस प्रकार वे इन्डियनों के साथ व्यवहार कर रहे है। आप उसी स्थिति में है।

347 परन्तु स्मरण रखे बाइबल ने कहा, "कि वह घडी आती है परमेश्वर उनको नाश करेगा जो पृथ्वी को नाश करते है।" और समस्त संसार को!

348 उन घाटियो को देखे। मैं वहाँ खडा हुआ था उस दिन वहाँ फिनिक्स की उस घाटी को देख रहा था। दक्षिण के पहाड पर चला गया, पत्नी और मैं वहाँ पर बैठे हुये थे और नीचे फिनिक्स की ओर देखा। और मैने कहा, "क्या यह भयानक नही? "

वह बोली, "भयानक? आपका क्या अर्थ है? "

349 मैने कहा, "पाप और कितना व्यभिचार और पीना और कोसना और प्रभु का नाम इस घाटी में वहाँ व्यर्थ लिया गया; इन सौ और चालीस, पच्चास हजार लोगों में या हो सकता है, दो लाख लोग इस घाटी में!"

350 मैने कहा, "पांच सौ, या हजार वर्षो पहले वहाँ कुछ नही था सिवाये कैक्टस कटीली झाडीयाँ और अमरीकन भेडिये ऊपर–नीचे भागते फिरते थे, और नदी के किनारे रेत में, और नहाते।" और मैने कहा, "परमेश्वर ने इसी प्रकार से इसे बनाया था।"

351 परन्तु, मनुष्य आया। उसने क्या किया? उसने भूमी को गन्दगी से भर दिया। गालियाँ लज्ञा से भरी है। नाले और नदियां गन्दगी से दूषित हैं। वे नहीं सकते... क्यो अच्छा हो कि तुम उसका एक घूट पानी ना पीओ; तुम कुछ भी ले लोगे। समझे? इसे देखे, केवल यही नहीं, परन्तु, सारे संसार में, चींजे दूषित हो गयी है!

352 और संसार, प्रकृति (परमेश्वर दया करे!) सारे संसार का... और प्रसव पीडाओ में। संसार यत्न कर रहा है, वह "पीडा में है," यशायाह ने कहा। क्या मामला है? वह... नये संसार को लाने के यत्न में है, सहस्त्रशताब्दी

के लिये जहाँ कि सब... ? ... नये संसार को जन्म देने के यत्न में नये लोगों के लिये जो पाप नही करेंगे और इसे दूषित नहीं करेंगे। यह ठीक बात है। यह पीडा में है, यही कारण है कि हम पीडा में है, मसीह दुल्हन को लाता है। हर चीज पीडा में और कहरती है। देखिये, कुछ घटित होने के लिये तय है।

353 और यह छठवा क्लेश इसे जाने दे। भाई, भूचाल फूट पडा और तारे हिले, ज्वालामुखी आयेगा पृथ्वी स्वयं को फिर नया करेगी। पृथ्वी के बीच से नया लावा बाहर आयेगा। और वह चारो, चारो ओर से टुकडे हो जायेगी, जब वह अपनी कीली पर वहाँ घूमती है।

354 और मैं आपको बताता हूँ, एक प्रात: जब यीशु और उसकी दुल्हन वापस पृथ्वी पर आयेगी, वहाँ परमेश्वर का स्वर्गलोक होगा। वह ओह! प्रभु, वे युध्द के पुराने योद्धा वहाँ से अपने दोस्तो और प्रियजनो के साथ वहाँ टहलते है, स्वर्गीय सेना के गायन से हवा का वातावरण भर जायेगा। "ओह, यह बहुत बढिया किया, मेरे अच्छे और ईमानदार दास। प्रभु के आनन्द में प्रवेश कर, जो कि तेरे लिये तैयार किया गया है, जैसा कि तुझे मिलना चाहिये था, वहाँ इसके पहले कि हवा ने पाप की गेंद को लुढकाना आरम्भ किया।" आमीन! व्हूई! जी हाँ।

355 छठवी मोहर कुछ करने जा रही है। जी हाँ, श्रीमान। सच में सारा संसार तडप रहा और पीढा में है उस सहस्त्रशताब्दी के युग के लिये!

356 अब वह जो गन्दगी से इतना भर गया है! जिसे कि अधिक समय नही हुआ मैने प्रचार किया, मैं विश्वास करता हूँ यहाँ अराधनायल में *संसार गिर रहा है,* ठीक यही। दखिये संसार में क्या गिर रहा है। देखिये, इसकी हर चीज गिर रही है। निश्चय ही, ये है इसे गिरना ही है। जी हाँ, श्रीमान।

357 इसका ढांचा देखिये! मैं आपको इसका कारण दिखाऊं कि संसार को यह करना है, लोहा और पीतल और इस संसार के पदार्थ, इसमें से निकाल लिये गये इसके ढांचे कि बनावट में से युध्द और उद्योग के लिये, जब तक के लिये यह लगभग तैयार ना हो... अच्छा अब उस दिन तक हमारे यहाँ कभी भी भूचाल नही था यहाँ देश के इस भाग में; उस दिन यह यहाँ पर था, आप देखिये संत लूईस और वहाँ नीचे होते हुये। वह इतनी हलकी हो रही है, उन्होंने इसमें से सब कुछ निकाल लिया। समझे?

358 इसकी राजनीति इतनी दूषित हो गयी, उनके बीच में कठिनता से कोई ईमानदार है, देखिये, इसकी व्यवस्था। इसका आचरण इतना गिरा हुआ है, कि इसमें कोई नही है। कुल मिलाकर यह है। समझे? निश्चय ही इसका धर्म सड गया है। जी हाँ, श्रीमान।

359 यह छठवी मोहर का समय है, जल्द ही खुलने वाली है। और जब यह होता है, ओह, प्रभु यह अन्त है! दुल्हन जा चुकी है, उसने कर दिया... रानी कर चुकी और अपना स्थान लेने चली गयी; अब उसका विवाह राजा से हो चुका, जब की यह चल रहा है। और इस्राएल के बचे हुये मोहरबन्द हो गये और जाने के लिये तैयार है, और तब प्रकृति चलिये चलते है। ओह, क्या ही समय है!

360 ध्यान दे छठवी मोहर का अन्तिम पद खुल गया। वे जो वचन के प्रचार पर हंसे है, जीवित परमेश्वर के प्रमाणित वचन पर; जब वे भविष्यद्वक्ता वहॉ खडे है और आश्चर्यकर्म कर चुके, सूर्य को बन्द कर दिया और सब कुछ और सारे युगो से होते हुये। देखिये, "वे चट्टानो और पहाडो से चिल्लाये कि उन्हें छिपा ले," देखिये, उन्हें वचन से छिपा ले जिस पर वे हंसे, क्योंकि उन्होंने उसे आते देखा। "हमें मेम्ने के प्रकोप से छिपा लो।" वह वचन है। समझे? वे वचन पर हंसे थे और यहाँ वचन अवतरित हुआ और उन्होंने उसका उपहास उडाया था; उन पर हंसे और उनका उपहास उडाया। और अवतरित वचन गिरा दिया गया!

361 उन्होंने क्यो नही प्राश्चित किया? वे नही कर सके। तब यह बहुत दूर हो गया था। इसलिये वे दण्ड को जान गये। उन्होंने इसे सुना। वे सभाओ में इस प्रकार बैठे और इस विषय में जाना। और वे जान गये कि उन भविष्यद्वक्ताओ की बातों की भविष्यवाणी की गयी और ठीक सामने देख रहे थे, वे बातें जिनको उन्होंने अस्वीकार किया था। उन्होंने अनुग्रह को अन्तिम बार ठुकरा दिया।

362 और जब आप अनुग्रह को ठुकराते है तो फिर कुछ नही बचता सिवाये न्याय के। जब आप अनुग्रह को ठुकराते है; तो इस पर विचार करे।

363 और वहाँ वे थे। उनके पास जाने के लिये कोई जगह नहीं, कोई वापसी नहीं। यहाँ बाइबल ने कहा, "उन्होंने पुकारा... चट्टानो और पहाडो से चिल्लाये, 'हम पर गिर पडो और हमें उसके मुख और मेम्ने के क्रोध से छिपा लो।'" उन्होंने प्रायश्चित का यत्न किया, परन्तु मेम्ना अपनो का दावा

करने आ गया, देखिये। और वे चट्टानो और पहाडो से चिल्लाये। प्रार्थना की, परन्तु प्रार्थनाओ के लिये बहुत देर हो चुकी थी।

364 मेरे भाई, बहन परमेश्वर की भलाई और अनुग्रह लोगों के लिये बढाया गया। जबकी इस्राएल इसके लिये अन्धा था, यहाँ के लिये दो हजार वर्षो के लगभग कि हमें अवसर दे कि प्रायश्चित करे। क्या आपने उस अनुग्रह को ठुकरा दिया? क्या आपने? क्या आपने इसे अस्वीकार कर दिया?

365 जो भी हो, आप कौन है? आप कहाँ से आये है? और आप कहाँ जा रहे है? आप यह डॉक्टर से नही पूछ सके आप संसार में किसी से नही पूछ सके, और कोई पुस्तक नहीं कि आप पढ सको, जो बता सके कि आप कौन है आप कहाँ से आये है, आप कहाँ जा रहे है, सिवाये इस पुस्तक के।

366 अब, आप जानते है, मेम्ने के लहू को बिना लिये, कि आपके स्थान पर कार्य करे, आप देखिये आप कहाँ बढ गये है। इसलिये यदि—यदि परमेश्वर ने यह आपके लिये किया, अन्तिम चीज जो हम कर सके, उसे ग्रहण करेंगे जो उसने किया। केवल इतना ही उसने हम से करने को कहा।

367 और इसके आधार पर, यदि मैं कही आगे बढू, मुझे ठीक इन क्लेशो में आना पडेगा, इस सारे में, कल रात्रि की सभा और अब मैं इसे नही कर सकता और आगे नही बढ सकता। मैने यहॉ कट्टम का निशान लगा दिया, "यहाँ रुक जाओ," देखिये। इसलिये तब, मुझे कल तक के लिये प्रतीक्षा करनी है।

अब आईये अपने सिरो को एक घडी के लिये झुकाये।

368 मेरे प्रिय मित्र यदि आप नहीं है, आपने इस परमेश्वर का प्रेम स्वीकार नही किया है जिसके विषय में मैं बात कर रहा हूँ! नहीं हैं... इस बात को अब ध्यान से सुनिये। यदि आपने उसका प्रेम और अनुग्रह स्वीकार नहीं किया है, तो आपको उसके न्याय और क्रोध का सामना करना पडेगा।

369 अब, आज रात्रि आप ठीक उसी स्थान में है जहाँ आदम और हवा अदन की वाटिका में थे। आपके पास अधिकार है। आप स्वतंत्र इच्छा में है। आप जीवन के वृक्ष के पास जा सकते है या आप न्याय की योजना को ले सकते है। परन्तु आज जब कि आप अपने सही मनोस्थिति में संवेदनशील है, और आप इतने स्वस्थ है कि खडे होकर इसे स्वीकर कर ले, तो आप क्यों नही कर लेते है, यदि आपने यह नहीं किया है।

370 क्या यहाँ पर वे लोग है, जिन्होंने यह अभी तक नहीं किया है? यदि यह ऐसा है क्या आप अपना हाथ उठायेंगे, कहे, "भाई ब्रन्हम, मेरे लिये प्रार्थना करे। अब मैं यह करना चाहता हूँ। मैं नही चाहता कि ये आये।" मित्रो, अब याद रखे... परमेश्वर आपको आशीष दे। ये अच्छा है। मैं...

371 इसके लिये ये मेरे विचार नहीं है। मैं—मैं... यह वह नही है जो मैं सोच रहा हूँ; यह सब मिलकर मुझ में से है। इसलिये मेरी सहायता करे, पवित्र आत्मा यह जानता है। और आप प्रतीक्षा करे, यदि प्रभु ने चाहा कल आने वाली रात्रि में मैं आपको वह भेद दिखाना चाहता हूँ, जो इस सारे समय इस सभा में चल रहा है। मुझे इस बात का बहुत सन्देह है कि आपने इसे कभी देखा है या नहीं देखिये, क्या—क्या घटित हुआ। यह कुछ ऐसा रहा कि यह ठीक यहाँ आपके सामने है। और मैने हर रात्रि इस पर ध्यान दिया है कि यह उठे कि कोई कहे, "मैं यह देखता हूँ।" समझे?

372 कृपया इसको अस्वीकार ना करे, मैं आपको कहता हूँ; यदि आप एक मसीही नहीं है, यदि आप—आप लहू के नीचे नहीं है, यदि आपने नया जन्म नही पाया है, पवित्र आत्मा से भरा हुआ।

373 यदि आपने सार्वजनिक रुप में यीशु मसीह को स्वीकार नहीं किया है, उसके नाम में बपतिस्मा लेने के द्वारा, कि उसकी मृत्यु गाढे जाने और पुनुरुत्थान की गवाही दे कि आपने स्वीकार कर लिया है, जल तैयार है। वे प्रतीक्षा कर रहे है। यहाँ वस्त्र मिल जाते है, और हर चीज तैयार है।

374 मसीह अपनी फैली हुयी बाहो के साथ तैयार खडा है कि आपको अपना ले। अब से एक घंटे बाद, हो सकता है आपको अनुग्रह ना मिले। आप इसे अन्तिम बार अस्वीकार कर रहे हो; ये आपके ह्दय को फिर दोबारा कभी ना छुये। जबकी आप सकते है, जबकी आप सकते है, आप क्यों नहीं करते?

375 अब जबकी... मैं नियमित रिवाजो वाली विधी जानता हूँ कि आपको वेदी पर ले आऊं। हम यह करते है, और यह बिल्कुल ठीक है। इस समय हम यहाँ ऐसी भीड है, यहां वेदी के चारो ओर, यहाँ तक कि मैं इसे नहीं कर सका।

376 परन्तु मैं यह कहना चाहुंगा, प्रेरितो के दिनो में, वे कहते है, "जितनो ने विश्वास किया उन्होंने बपतिस्मा लिया था।" समझे? बस यदि आप वास्तव में अपने ह्दय की गहराई से कर सकते है, यहाँ सब है। यह आवेश

नहीं है यद्यपि आवेश इसके साथ में होता है। जैसा कि जो मैने कहा धूम्रपान और मद्यपान पाप नहीं है, यह पाप के फल है, यह ये दर्शाता है कि आप विश्वास नही करते। समझे? परन्तु जब आप सच में अपने ह्दय में विश्वास करते है, और आप जानते है कि इस आधार पर जहाँ आप बैठे है, आप अपने पूर्ण ह्दय के साथ इसे स्वीकार करते है, ठीक वहाँ कुछ घटित होने जा रहा है। यह होने जा रहा है।

377 तब आप एक गवाह के समान खडे हो सकते है, इसके लिये कि कुछ घटित हुआ है। तब पानी के पास जाते है, कहते है, "मैं भक्त मण्डली को दिखाना चाहता हूँ, मैं सिद्ध करना चाहता हूँ, मैं अपनी गवाही को स्थिर करना चाहता हूँ कि मैं अपना स्थान दुल्हन के साथ लुंगा। मैं यहाँ अब बपतिस्मा लेने के लिये खडा हूँ।"

378 मैं जानता हूँ कि बहुत सी स्त्रीयाँ आज इस संसार में है, अच्छी स्त्रियाँ, परन्तु मैं एक अकेली को देख कर विसमित हूँ। और वहाँ वह उनमें से एक है और वह मेरी पत्नी, वह मेरे साथ घर जाती है। वह आरम्भ से मेरी पत्नी नही थी; परन्तु वह कैसे मेरी पत्नी बन गयी, उसने मेरा नाम ले लिया।

379 वह आ रहा है। वहाँ बहुत सारी स्त्रियाँ कलीसियाये है इस संसार में परन्तु वह अपनी पत्नी के लिये आ रहा है। वह उसके नाम से पुकारी जाती है। "वे जो मसीह में है परमेश्वर उन्हें उसके साथ ले आयेगा।" हम उसमें कैसे आते है? "एक ही आत्मा के द्वारा हम सब ने उस देह में बपतिस्मा लिया।"

380 अब जबकी हम प्रार्थना करते है आप भी प्रार्थना करे, भीतर या बाहर वहाँ लोगों का एक बडा झुण्ड, बाहर कमरों में है, वहाँ बाहर चारों ओर सडको पर खडे है, परन्तु अब जबकी आप... हम आपको यहाँ वेदी पर नहीं बुला सकते, परन्तु आपका ह्दय इसे वेदी बना ले। ठीक है अपने ह्दय में कहे, "प्रभु यीशु मैं इसका विश्वास करता हूँ, मैं यहाँ आज रात्रि हवा में खडा हूँ, मैं यहाँ इस छोटे कमरे में शान्त हूँ, मैं यहाँ इन लोगों के बीच बैठा हुआ हूँ। मैं—मैं—मैं—मैं—मैं नही चाहता, मैं इसमें चूक नहीं सकता; मैं यह सहन नहीं कर सकता।"

381 हर चीज जो मैने आपको बीती रात ये बताई, मेरी इतनी सहायता की प्रभु जानता है, मैने सत्य बताया है। "मैं झूठ नही बोलता," जैसा पौलूस ने

कहा। वह दर्शन या वह जो भी था; मैने वहाँ खडे हुये देखा और उन लोगों से व्यवहार किया जो चले गये, बिल्कुल वैसे ही वास्तविक जैसे मै यहाँ खडा हूँ। इस में ना चूके मेरे बेचारे भाई या बहन यह ना करे; मैं जानता हूँ कि अपने प्रचार सुन लिया है, आपने *ये, वह* और कहानियाँ ये सब। परन्तु... जरा सुनिये मेरे लिये यह है... मैं जानता हूँ कि यह सत्य है, देखिये। आप बस... मैं इससे अधिक स्पष्ट नहीं कर सकता, देखिये इसमें चुकिये नहीं। यह सब आपका है।

अब आईये प्रार्थना करे।

382 प्रभु यीशु यहाँ मेरे सामने रुमालो का एक बॉक्स है, जो बीमारो को दिखाता है। जैसा कि मैं इन पर हाथ रख कर प्रार्थना करता हूँ, जैसा कि बाइबल ने कहा, "उन्होंने पौलूस की देह से छुआ कर लिया, रुमालो और कपडो को, लोगों में से प्रेत आत्माये निकल गयी, और एक महान चिन्ह किया गया था।"

383 क्योंकि, उन्होंने पौलूस को देखा था, कि वे जानते थे कि परमेश्वर का आत्मा उसमें था। वे जानते थे कि वह था—वह एक विचित्र मनुष्य था, वे बातें जिनके विषय में उसने बातें की, वचन के विषय में। वह इब्रानी कलीसिया के पुराने इब्रानी वचन को जा कर लेगा और इसे जीवन में लायेगा और इसे मसीह में रखेगा, वे जानते थे कि परमेश्वर इस मनुष्य में था। तब उन्होंने देखा कि परमेश्वर विचित्र कार्य और सामर्थी कार्य उसके द्वारा करता है, आने वाली चींजे बताता है और यह उसी प्रकार से होगी और उन्हें मालूम था कि वह परमेश्वर का दास था।

384 प्रभु मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप इन लोगों में जो आदर वचन के लिये है आप आदर करेंगे और उन्हें यीशु के कारण चंगा करेंगे। यहाँ, प्रभु भक्त मण्डली में लोग बैठे है, जैसे कि यह जिन्होंने पेंटीकोस्ट के दिन पर प्रेरित पतरस को सुना। कैसे वह वचन में वापस गया और वचन को लिया! और उसने कहा, "योएल ने कहा अन्त के दिनो में यह चींजे घटित होगी। और वह ये है।" और तीन हजार लोगों ने इसका विश्वास किया, और बपतिस्मा लिया।

385 और, पिता, आज हम यहाँ आपके अनुग्रह के द्वारा खडे है। और यह इसलिये नही कि ये विशेष लोग है परन्तु क्योंकि यह (यह दिन सिंह के दिनो के समान है या बैल, या मनुष्य) यह उकाब का समय है। यह इस घडी

का अभिषेक है। ये वह समय है जिसमें हम रह रहे है। यह पवित्र आत्मा का कार्य इस विशेष समय के लिये है, यह सिद्ध करने के लिये कि यीशु मरा हुआ नही है। ये बातें जो उसने कही कि वह इन चीजो को करेगा, इससे पहले कि सांझ का उजियाला चला जाये और यहाँ हम उसे करते हुये देखते है, ठीक यहाँ मार्ग के साथ–साथ, हमने इसे विज्ञान खोज में आते हुये देखा है और उसका चित्र लिया गया था; वह महान अग्नी स्तंभ, जिसने इस्राएली बालको की अगुवाई की; जो पौलूस को मार्ग में मिला था।

386 और हम जानते है, कि यही अग्नी स्तंभ जिसने मूसा की जंगल में अगुवाई की, उसी अग्नी स्तभ के द्वारा उसने बाइबल की बहुत सी पुस्तके लिखी क्योंकि वह वचन से अभिषिक्त था।

387 वही अग्नी स्तंभ पौलूस पर दमिश्क के मार्ग पर आया, उसने बाइबल की बहुत सी पुस्तके लिखी, जो परमेश्वर का वचन कहलाई।

388 और अब प्रभु वही अग्नी स्तंभ गवाही के वचन का प्रमाण और वैज्ञानिक खोज के द्वारा, हम यहाँ प्रभु के वचन को प्रकट करते हुये देखते है।

389 परमेश्वर, लोग जल्द ही जाग जाये, प्रभु जल्दी से! वे जिनके नाम जीवन की पुस्तक में लिखे हुये है; जब यह उनके मार्ग में चमक रहा है, ये देख पाये। उस छोटी कुख्यात स्त्री के समान, जो उस दिन कुयें पर थी, उसने तुरन्त ही पहचान लिया, और वह जान गयी कि यह वचन था।

390 और अब, पिता, मैं प्रार्थना करता हूँ वे सब जो इस समय आपको अपने ह्दय में स्वीकार करेंगे, इस घडी में सदा के लिये तय कर लेंगे, कि वे पाप से अलग हो गये, वे उठेंगे और तैयारी करेंगे कि लोगों के सामने मान ले, यीशु मसीह के नाम का बपतिस्मा उनके पापो के छुटकारे के लिये; यह दिखाने के लिये कि उन्होंने विश्वास किया है कि परमेश्वर ने उनको क्षमा कर दिया है, और वे यीशु मसीह के नाम को लेते है।

391 तब, पिता, पवित्र आत्मा का तेल उन पर उण्डेल दे, ताकि वे प्रभु अन्त के बुरे दिन में उसके सेवक सके, क्योंकि हम यह अनुभव करते है कि हमारे पास समय कम है। और कलीसिया किसी भी समय जा सकती है।

392 मेम्ना वही किसी भी समय पवित्र स्थान को छोड सकता है, या बलिदान का सिंहासन, परमेश्वर के सिंहासन से आ जाता है जहाँ बलिदान रखा है और फिर यह पूरा हो गया फिर संसार के लिये कोई आशा नहीं; वह समाप्त

हो गयी। तब वह परेशानी में चला जाता है भूचालो के महान ऐठनो में और—और महान झटको में जैसा यह पुनरुत्थान में था। और—और...

393 जैसा मसीह कब्र में से उठा, जब संत लोग उठे, वही चींज घटित होगी, प्रभु यह किसी भी मिनट में हो सकता है। हम उस प्रसन्नता के दिन के आने की राह देख रहे है।

394 पिता, अब अपने छोटे बालको को अपनी गोदी में उठा ले। अपने छोटे मेम्नो को अपनी गोद में। इसे प्रदान करे। और उन्हें वचन खिलाये, जब तक कि उन्हें सेवा के लिये सामर्थ मिले। हम इन्हे आपको समर्पित करते है, प्रभु। इस प्रार्थना का उत्तर दे।

395 पिता आपने मरकुस ग्यारहवे अध्याय में कहा है, "जब तुम प्रार्थना करते हो, खडे हुये प्रार्थना, विश्वास कर लो जो तुमने मांगा है पा लिया है, और तुम्हे मिल जायेगा।"

396 और अपने पूरे ह्दय से उसको, जो इस वर्षो में होते हुये इन बातों को प्रकट कर रहा है, और यह मोहरे यहाँ इन अन्तिम सप्ताह में; मैं विश्वास करता हूँ आप, प्रभु परमेश्वर की यह घडी, अब समीप है और जितना हम वास्तव में सोचते है, आपकी पहुँच से उससे अधिक समीप है।

397 कृपया मेरी प्रार्थना का उत्तर मिल जाये और होने पाये परमेश्वर का हर बुलाया हुआ बालक, जो यहाँ दूर से सुन रहा है या फिर टेप उस समय प्रभावित हो... मैं उनका परमेश्वर के राज्य के लिये दावा करता हूँ, इस आधार पर कि यह जानते हुये यही वचन है जो कि प्रकट किया जा रहा था। सांझ के उजियाले को चमकने दो, पिता। मैं इन्हे आपको समर्पित करता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

398 अब, वे सब जो भीतर या बाहर है, जो विश्वास करते है और कभी लोगों के समक्ष नही माना है, कि आप का पाप से कोई मतलब नहीं; और आप परमेश्वर की दया को चाहते है और आपने उन्हें यीशु मसीह में मान लिया है। तो तलाब... वे किसी को भी जो बपतिस्मा लेना चाहेगा, देने को तैयार है, आज या कल, ठीक अभी या जब कभी यह हो सकता है।

399 क्या आपने छठवी मोहर का आनन्द लिया? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] आप देखिये ये अब यहाँ खुली है? ["आमीन।"] क्या आपने इसका विश्वास कर लिया? ["आमीन।"]

400 यह कहा गया, "किसने हमारे समाचार का विश्वास किया? और किस पर परमेश्वर का भुजबल प्रकट हुआ? " समाचार का विश्वास करे, तब प्रभु की भुजा प्रकट हुयी। भुजा, वचन परमेश्वर का, प्रकट हुआ।

401 अब प्रभु ने चाहा, तो कल प्रात:, मैं अपने पूरे यत्न से इन प्रश्नो का उत्तर दुंगा। सम्भवत: है, मैं बाकी रात्रि इस पर लगाऊंगा और या अधिकांश इस पर, उन पर प्रार्थना करने के लिये। मुझे एक रात्रि में लगभग एक से तीन घंटे मिल रहे है। पिछली रात्रि में जब तक एक नही बज गया। पलंग पर कभी नहीं जा पाया, और तीन बजे से मैं अध्ययन में हूँ। समझे? समझे?

402 मैं इसके लिये उत्तर देने जा रहा हूँ। यह ठीक बात है। हम किसी भी चीज के बहुत समीप है, किसी मूर्खता या किसी दावे या आधे कच्चे विश्वास के। मुझे पहले यह देखना होगा और फिर जब मैं इसे देखता हूँ इसे वचन में भी होना चाहिये। और अब तक परमेश्वर के अनुग्रह से, ये बिल्कुल सिद्ध है। मैंने इन्हे इसे हर ओर से लिया है, आप यह जानते है, और ये—ये एक साथ जुडे हुए है।

403 इसे यहोवा यों कहता है होना चाहिये। क्योंकि, यह केवल ऐसा नहीं है जैसा कहता है यह मुझ से हैं, जानता हूँ, मैं अपने से परन्तु प्रभु का वचन यहोवा यों कहता है। और यहाँ वचन है वही ले रहा हूँ जो उसने मुझे दिया है और इसे साथ मिला कर और आपको दिखा रहा हूँ। इसलिये ये आप अपने से जानते है, ये यहोवा यों कहता है, है। समझे?

404 यहाँ वचन ऐसा कहता है। और फिर वह प्रकाशन जो वह मुझे देता है जो कि उस बात से भिन्न है जो कि हम में से किसी ने कभी सोचा; क्यों, जो मैने सोचा उस से भिन्न, क्योंकि मैं इसमें कभी भी इस प्रकार से नहीं गया। परन्तु अब हम पाते है, ये एक दूसरे में बैठ जाता है। और यह क्या है? यहोवा यों कहता है। समझे? यह बिल्कुल सही है। यह वह खुला हुआ स्थान है, जो वहाँ थामे है, इस घडी के लिये और तब प्रभु आता है और इसे इस प्रकार से आगे बढता है। इसलिये, आप देखिये, ये वहाँ पर है, ये, ये प्रभु है। ओह, मैं उससे प्रेम करता हूँ! मैं उससे अपने पूरे हृदय से प्रेम करता हूँ।

405 अब स्मरण रखे आप... हम वेदी पर नही ले सकतें। बहुतो ने अपने हाथ पर ऊपर उठाये हुये है। अब देखिये, यह एक व्यक्तिगत मामला है, आपके साथ। ये जो भी आप करना चाहते है। समझे?

406 घडी बहुत ही समीप है, जितने यत्न से आप कोशिश कर सकते है करे, ना की पीछे को हो जाये। देखिये, बस जोर लगाये कि अन्दर जाने का यत्न करे, "प्रभु मैं बाहर ना रहूं, मुझे बाहर ना छोड दे, प्रभु। द्वार बंद हो रहे है; यदि मैं भीतर जा सकू!" समझे?

407 एक दिन परमेश्वर द्वार बन्द कर देगा। उसने यह नूह के दिनो में किया और उन्होंने द्वार खटखटाया। [भाई ब्रन्हम कई बार पुलपिट को खटखटाते है—सम्पा।] क्या यह ठीक बात है? [सभा "आमीन" कहती है।]

408 अब याद रखे बाइबल ने कहा कि "सातवे घंटे में।" यह ठीक बात है? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] कुछ पहले घंटे में सो गयी, कुछ दूसरे, तीसरे, चौथे पाचवे, छठवे, सातवे। परन्तु सातवे घंटे में, एक घोषणा हुयी शोर हुआ, "दूल्हा आता है! उससे मिलने को बाहर निकलो।"

409 सोने वाली कुवारियो ने कहा, "कहती है, अब मैं उस तेल में से कुछ लेना चाहूंगी।"

410 दुल्हन ने कहा, "मेरे पास तो केवल मेरे लिये ही है, बस इतना ही प्रयाप्त है, यदि तुम यह चाहती हो, तुम जाओ और प्रार्थना करो।"

411 क्या आप अब सोने वाली कुवारियो को नही देखते? उन एपिस्कोपेलियन, प्रेसपिटेरियन, लूथरन को देखिये और हर चीज यत्न कर रही है। और इसकी परेशानी यह है, बजाये इसके कि पवित्रात्मा पाने की कोशिश करे, वो अन्यभाषाओ में बोलने का यत्न कर रहे है।

412 और उनमें से बहुत से अन्यभाषा बोलते है और इस कलीसिया में आकर प्रार्थना करवाने के लिये लजाते है; और मुझ से चाहते है कि मैं उनके घर आकर उनके लिये प्रार्थना करूं, तुम इसे पवित्रात्मा कहते हो? यह अन्यभाषा में बोलना है, परन्तु पवित्र आत्मा नही है। समझे?

413 अब मैं विश्वास करता हूँ पवित्रात्मा अन्य भाषाओ में बात करता है। आप जानते है मैं यह विश्वास करता हूँ, देखिये, परन्तु इसमें भी जालसाजी है। जी हाँ श्रीमान। आत्मा के फल, जो कि सिद्ध करता है कि यह क्या है। पेड के फल सिद्ध करते है कि यह किस प्रकार का पेड है। ना कि छाल; फल!

414 अब ध्यान दे, तब जब वह आती है, वह—वह अन्तिम घडी। और वहाँ, जब वे अन्दर आते है, तब वे गये और बोले, "भाई, मैं विश्वास करता

हूँ, अब मुझे यह मिल गया। मुझे विश्वास है मुझे ये मिल गया। जी हाँ। हम इसे ले रहे है।"

415 अच्छा हो कि मैं यह ना कहूँ, देखिये क्योंकि यह भ्रम का कारण हो सकता है। जब मैने उस दिन कहा था, कि उठा लिया जाना, यह कैसे आयेगा, मैं—मैं... अब यदि आप कहते है कि आप इसे लेंगे, ठीक है। [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] ध्यान दे। ठीक है। यह आप पर निर्भर करता है।

416 देखिये, जब सोने वाली कुंवारी जिसने सोचा, उस पर प्रार्थना हो गयी थी कि वापस आये, दुल्हन जा चुकी थी। यह चली गयी, और उसे यह नही मालूम; जैसे कि एक चोर मध्य रात्रि में। तब उन्होंने दरवाजे पीटने शुरु कर दिये। और क्या घटित हुआ? क्या हुआ? वे पीडा के काल में डाल दिये गये। बाइबल ने कहा, "वहाँ रोना, बिलखना और दांतो का पीसना होगा।" क्या यह ठीक बात है?

417 यह कब होने जा रहा है, भाई, बहन, मैं नही जानता। परन्तु मैं—मैं, मुझे यह हो सकता है मैं यहाँ हूँ अब देखिये। यही है, जो... यह मेरा विचार है। समझे? मैं—मैं—मैं विश्वास करता हूँ यह इतने समीप है, मैं—मैं... प्रति दिन मैं—मैं चाहता हूँ... मैं बस बहुत ही नम्रता के साथ जितना मैं चल सकता हूँ कोशिश कर रहा हूँ। समझे? और अब जब, आप जानते है। जब...

418 आज कुछ घटित हुआ, और मैने किसी चीज को आते देखा। मैं—मैं बस... मैं और अधिक सांस नहीं ले सका, देखिये। वह वहाँ पर खडा था, और यहाँ यह था। मैं जानता हूँ कि यह सत्य है।

419 मैने सोचा, "ओह परमेश्वर, मैं यह नही कह सकता। मैं—मैं यह नही कह सकता। मैं नहीं सकता।" मैं बस कमरे से बाहर निकल गया, बाहर निकल गया इधर उधर टहलता रहा। भाई, मैने सोचा, "ओह प्रभु! मैं क्या कर सकता हूँ? ओह!" समझे? और मुझे मछली पकडने जाना है, या कुछ और, या मैं... लडके, आप काश... आप में आपको नहीं बता सकता। समझे?

420 हमारे पास एक अच्छा समय है, क्या हमारे पास नही हैं? प्रभु की महिमा हो! आमीन! समझे? हम एक... हम एक जबरदस्त समय में है, देखिये, क्योंकि मेरा ह्दय प्रसन्नता और आनन्द से उछल रहा है।

421 परन्तु जब मैं इस संसार के विषय में सोचता हूँ और हजारों जो मैं जानता हूँ जो नष्ट हो गये, काली छाया से ग्रस्त है, हूँ तब आपका ह्दय बस रोता है। "आप क्या कर सकते है? आप क्या कर सकते है? " आप ऐसा अनुभव करते है कि पवित्रात्मा आपके ह्दय में रो रहा है, जैसे कि यह हमारे प्रभु में रोया होगा। जब उसने येरुशलेम को देखा, अपने ही लोगों को, देखिये, कहा, "येरुशलेम, येरुशलेम, मैंने कितना चाहा जैसे मुर्गी अपने बच्चो को पंखो तले छिपा लेती है, परन्तु तुमने नही चाहा।" आप ऐसा अनुभव करते है, पवित्र आत्मा कहता है, "मैने कितना चाहा कि मैं तुम्हे जमा कर लेता, देखिये परन्तु तुमने नही चाहा।" समझे?

422 हम लोग हम लोग ठीक यहाँ किसी चीज पर है मित्रो। यह जो भी है परमेश्वर जानता है। कोई नहीं, कोई नही जानता कि यह कब होने जा रहा है। यह गुप्त है। कोई नही जानता कि यह कब होने जा रहा है।

423 परन्तु यीशु ने हमें बताया, "जब तुम इन बातों को देखो, यह सारी चींजे।" ठीक उसी प्रकार से जो मैंने छठवी मोहर के साथ तुलना की उससे जो उसने मत्ती 24 में कहा। अब स्मरण रखे कि उसने क्या कहा, "जब तुम इन बातों को देखो, इन बातों को होते देखो तब समय द्वार पर है।" ठीक अगले पद पर ध्यान करे, 30 वे—30 वे और 31 वे पर, जैसे कि 32 वे 33 वे पदो को।

424 उसने कहा, "और वह अपने दूतो को भेजेगा आकाश के चारो कोनो पर, उन चारो हवाओ, कि अपने चुने हुओ को एकत्र कर ले।" क्या यह ठीक बात है?

कहा, "अब एक सीखे... "

425 अब याद रखे वह वहीं रुक गया। वह कभी भी छठवीं मोहर के आगे नहीं गया। उसने कभी भी सातवी के लिये नहीं कहा, उसने पहली दूसरी तीसरी चौथी पांचवी और छठवी के लिये कहा, परन्तु वह वहाँ रुक गया और इसके विषय में कभी कुछ नहीं कहा।

426 अगली बात को देखिये, उसने कहा, "अब एक दृष्टान्त सीखो।" समझे? तब वह दृष्टान्त पर आरम्भ हो गया। उसने कहा, "यह बातें होगी।"

427 वह उन्हें तीन प्रश्नो का उत्तर दे रहा है। "यह चिन्ह... क्या होगे? और तेरे आने का चिन्ह क्या होगा? संसार के अन्त का क्या चिन्ह होगा।"

428 और छठवी, वहाँ संसार का अन्त है। और सातवे दूत का शब्द देना... "हाथो को उठाये और जो सदा–सदा तक जीवित है उसकी शपथ खा कर कहा कि समय और ना होगा।" पृथ्वी नई वाली को जन्म दे रही है। ये हो गया।

429 और हम यहाँ पर है ठीक यहाँ द्वार पर है हम। ओह, मैं कांपता हूँ। "और मुझे क्या करना चाहिये, प्रभु? मैं और क्या कर सकता हूँ? " समझे? और तब, बस सोचता हूँ उस स्थान और उन बहुमूल्य लोगों को देखते हुये! मैं वहाँ खडा हुआ अपने आप को देख रहा था। और मैने सोचा, "ओह परमेश्वर, क्यों, वे इसमें चूक नहीं सकते। मैं—मैं—मुझे उन्हें आगे बढाना चाहिये। मुझे उन सुनने वालो में पहुंचना चाहिये और उन्हें ले लू और धक्का दू।" आप यह नही कर सकते। आप...

430 "और कोई मनुष्य नही आ सकता सिवाये कि मेरा पिता उसे खीच ना ले।" परन्तु यहाँ हमारे पास एक सांत्वना है, "सब जो पिता ने मुझे दिया है मेरे पास आयेगा।"

431 परन्तु बाकी वे उन संस्थाओ के संग इस प्रकार से ये उन पर निर्भर करता है, देखिये। "और उसने वे सारे जो जीवित पृथ्वी पर रहते थे, उनको धोखा दिया, जिनके नाम मेम्ने के जीवन की पुस्तक में लिखे हुये नहीं थे, जो कि जगत की उत्पत्ती से पहले घात किया गया था।" ओह, प्रभु! इसलिये, आप देखते है कि यह दु:ख भरी बात है।

432 आप केवल एक ही कार्य कर सकते है कि केवल—केवल—केवल—केवल वचन के साथ स्थिर रहे। ध्यान दे, वह जो भी कहता है वही करे और फिर वही करे। समझे? जो भी वह कहता है करे; वही करे।

433 और आप वहीं देखे और कह, "ओह प्रभु! वे *ये* करते है, तब... ओह!" यह बस...

434 आप इस बात का अनुभव नही करते है कि कितना अधिक भार पडता है! अब मैं यह कहना चाहता हूँ, मैं समझता हूँ कि टेप बन्द है। बहुत सारे लोग कहते है, "भाई ब्रन्हम इस प्रकार की सेवकाई के साथ... " (मैने देखा है क्योंकि लोग इन टेपो को लेकर, उसमें से कुछ टुकडो को ले लेते है, आप जानते है।) इसलिये जब वे कहते है, "भाई ब्रन्हम इच्छा है कि हमारे पास यह सेवकाई थी, " आप नही जानते है कि आप क्या कह रहे है, आप ईमानदार आप नहीं जानते है कि इसके साथ क्या चलता है, भाई, बहन।

ओह, प्रभु! और जवाब देही, जब लोग आप जो कहते है उस पर टिकते है! स्मरण रखे, यदि आप उन्हें गलत बताते है, तो परमेश्वर उनके लहू का हिसाब आप से लेगा। तब आप इस पर सोचे। यह भयानक बात है।

435 इसलिये प्रेम से भरे रहे। यीशु को अपने संम्पूर्ण ह्दय से प्रेम करे। बस अनुकरण... सादगी... से रहें, कभी भी किसी चीज को आकार देने का यत्न ना करे। बस परमेश्वर के सन्मुख सादगी में रहे, क्योंकि जितना आप एक आकार देने का यत्न करेंगे, आप उतने ही उससे दूर जायेगे। समझे? बस सादगी में, उस पर विश्वास करे।

कहते है, "अब, अच्छा, वह कब आयेगा? "

436 यदि वह आज आता है, ठीक है। यदि वह आज से बीस वर्ष बाद आता है, यह तब भी ठीक है। मैं वैसे ही चलता रहूँगा जैसा मैं आज चल रहा हूँ उसका अनुकरण करते हुये, "तब प्रभु यदि आप मुझे कही प्रयोग कर सकते है, तो प्रभु मैं यहाँ पर हूँ।" यदि यह आज से सौ वर्षो में है, यदि मेरे पोते के, पोते के, पोते के, पोते के, पोते उसके आगमन को देखने के लिये जीते है तो... "प्रभु मैं नही जानता यह कब होने जा रहा है, परन्तु मैं आज बस आपके साथ सही चलने पाऊं।" समझे? मैं—मैं चाहता हूँ... क्योंकि मैं—मैं उस दिन उठ खडा होऊंगा, बिल्कुल ऐसे ही जैसे मैने कहीं एक हल्की सी झपकी ली हो।

437 वहाँ सामने उस महिमामय स्थान पर आ रहे है, कि परमेश्वर का राज्य वहाँ है, जहाँ सारे बूढे जवान हो जायेंगे, जहाँ वे पहले ही श्वेत वस्त्र पहिने हुये है! वे पुरुष और स्त्रीयाँ बदल गये है, एक बहुत ही सुन्दर पुरुष के समान और एक—एक प्यारी महिला! वहाँ अपनी सारी सुन्दरता और एक युवा महिला के कद में और एक युवा मनुष्य वहाँ खडा हुआ है! और कभी भी बूढा नहीं हो सकेगा, कभी भी पापी नही हो सकता, कभी भी कोई भी चीज द्वेष की या घृणा या कोई भी चीज! ओह प्रभु!

438 मैं सोचता हूँ कि अब टेप बन्द है। और मेरे मेरे पास लगभग दो या तीन मिनट और है। मैं आप से बात करना चाहता हूँ। क्या यह ठीक है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] अब यह व्यक्तिगत है। देखिये क्योंकि कल, मैं—मैं... यह बहुत ही जबरदस्त होने जा रहा है! मैं सोचता हूँ कि अच्छा हो कि मैं इसे अब कहूँ, देखिये। जो मैं कहने जा रहा हूँ... मैं... अब यह बस हमारे लिये है। मैं जरा...

439 अब जानते है, मेरी पत्नी है जिसको मैं प्रेम करता हूँ, और वह मेंडा है। और मैने उससे विवाह भी नही किया था, अपनी पहली पत्नी के प्रेम के कारण। और फिर भी मैने उसकी जितनी देखभाल की, मैं—मैने उससे विवाह नही किया होता यदि परमेश्वर ने मुझ से यह करने के लिये ना कहा होता। और आप, इस कहानि को जानते है; कि कैसे वह प्रार्थना के लिये गयी और मैने कैसे किया और तब उसने मुझे ठीक–ठीक बताया कि क्या करना है, और, "जा उस से विवाह कर," और इसे करने के लिये सही समय। वह एक सुन्दर स्त्री है। और आज रात्रि वह मेरे लिये प्रार्थना कर रही है। और इसलिये अब यह घर पर आठ बजे है, सम्भवत है? वह मेरे लिये प्रार्थना कर रही है।

440 अब ध्यान दे। एक दिन उसने मुझसे कहा था, उसने कहा, "बिल," उसने कहा, "मैं तुम से स्वर्ग के विषय में एक प्रश्न पूछना चाहती हूँ।"

मैने कहा, "ठीक है मैडा, वह क्या है? "

उसने कहा, "आपको मालुम है कि मैं आपसे प्रेम करती हूँ।"

441 और मैने कहा, "हाँ।" यह ठीक इसके बाद जब वे थे ये यहाँ हुआ।

उसने कहा, "आप जानते है होप ने भी आप से प्रेम किया।"

मैने कहा, "हाँ।"

442 और उसने कहा, "अब," उसने कहा, "मैं नही सोचती हूँ कि मैं इर्षा करूँगी," उसने कहा, "परन्तु होप थी।" और उसने कहा, "अब जब हम स्वर्ग को जायेंगे... और आपने कहा कि आपने उसे वहाँ देखा है।"

443 मैने कहा, "वह वहाँ है। मैने उसे देखा। मैने उसे वहाँ दो बार देखा।" वह वहाँ पर है। वह वहाँ मेरे आने की प्रतीक्षा कर रही है। ऐसे ही... ऐसे ही शेरोन। मैने देखा ठीक ऐसे ही, जैसे मैं तुम्हे देख रहा हूँ। मैने उसे वहाँ देखा। और मैने कहा...

444 उसने कहा, "अच्छा, अब, जब हम वहाँ पहुँचते है," कहा, "तुम्हारी पत्नी कौन सी होगी? "

445 मैने कहा, "तुम दोनो। वहाँ कोई भी नही, देखिये, फिर भी आप दोनो होगी।"

उसने कहा, "मैं यह समझ नही सकी।"

446 मैने कहा, "अब प्रिय बैठो, मैं तुम्हे कुछ समझा दू।" मैने कहा, "अब, मैं जानता हूँ, तुम मुझ से प्रेम करती हो और तुम जानती हो कि मैं तुम से कितना प्रेम, और आदर और सम्मान करता हूँ। अब उदाहरण के लिये क्या हो यदि मैं कपडे पहन कर जाऊं; और कोई छोटी वैश्या वास्तव में सुन्दर हो आकर अपनी बाहे मेरे चारो ओर डाले और कहे, 'ओह, भाई ब्रन्हम, निश्चय मैं आप से प्रेम करती हूँ,' और अपने हाथ मेरे चारो ओर डाल कर मुझे गले लगाये। तुम क्या सोचोगी? "

उसने कहा, "मैं नहीं सोचती कि यह मुझे यह अच्छा लगेगा।"

447 और मैने कहा, "मैं आप से कुछ पूछना चाहता हूँ। क्या आप... तुम किस से अधिक प्रेम करती हो, यदि इसका प्रदर्शन हो मुझे या प्रभु यीशु को? " अब, ये एक परिवार में बातें चल रही हैं।

448 और उसने कहा, "प्रभु यीशु को।" कहा, "हाँ बिल, जितना मैं तुम से प्रेम करती हूँ, परन्तु, इसके पहले कि मैं उसे छोड दू मैं तुम्हे छोड दुंगी"

449 मैने कहा, "धन्यवाद प्रिय। मैं तुम से यह सुन कर आनन्दित हूँ जो अब।" मैने कहा, "क्या हो यदि वही छोटी स्त्री यीशु के पास आकर अपनी बाहे उसके चारो ओर डाले, कहे, 'यीशु मैं आप से प्रेम करती हूँ,' तुम इस विषय में क्या सोचोगी? "

उसने कहा, "मैं इसमें आनन्दित होऊगी।"

450 देखिये, यह शारिरीक से आत्मिक में बदलता है। देखिये, यह उच्चे दर्जे का प्रेम है। समझे? और वहाँ कोई ऐसी चीज नहीं है जैसे पति और पत्नी जैसे... कि बच्चे पालना। यह सब चला गया वह स्त्री और पुरुष लिंग। वे ग्रन्थियां सारी... वे सब कुछ एक से है, वहाँ पर। समझे? वहाँ यह कुछ नहीं है, कुछ भी नहीं। देखिये, वहाँ कामुकता वाली ग्रन्थिया नहीं है, बिल्कुल नही। समझे? आप बस... जी हाँ जरा अपने आपको बिना कामुकता वाली ग्रन्थियो के साथ सोचे, ये हम में इस लिये है कि हम पृथ्वी पर जन संख्या बढाये। आप देखिये, वहाँ, वहाँ कुछ भी नहीं है। वहाँ ना पुरुष ना ही स्त्री वाली ग्रन्थियां है। नहीं।

451 परन्तु परमेश्वर ने जो रुप आकार बनाया है वह वहाँ होगा। यह बिल्कुल ठीक बात है। परन्तु, हम वहाँ पर सच्चे वास्तविक होंगे। कोई शारिरिक नहीं बिल्कुल नहीं, सब ईश्वरिय। समझे? इसलिये पत्नी एक प्रियसी से और कुछ अधिक नही होगी जो कि आपकी है और वह... आप एक दूसरे से

सम्बधित है वहाँ ऐसी कोई चीज नहीं होगी जैसे एक... नहीं, नहीं, यहाँ तक कि वहाँ होगा ही नहीं... देखिये, यहाँ तक कि शारिरिक भाग वहाँ बिल्कुल नहीं होगा। वहाँ द्वेष जैसी चीज कुछ नहीं हो सकती; कुछ नहीं द्वेष के लिये। वहाँ ऐसी चींजे नही होती है, आप कभी भी इस प्रकार की चींजे नहीं पा सकेगे। समझे? और बस एक सुन्दर युवा पुरुष और युवा स्त्री जीने के लिये।

और तब इसके बाद उसने कहा, "बिल, अब मैं यह देखती हूँ।"

मैने कहा, "हाँ।"

452 मैं आपको बताना चाहता हूँ कि एक छोटी सी चीज घटित हुयी। यह एक स्वप्न था। मैं सोया हुआ था। और मैने इसे पहले कभी लोगों के सामने नहीं बताया। मैने यह दो–चार लोगों को बताया, लेकिन लोगों के सामने इसके पहले कभी नहीं बताया, जैसा कि मैं जानता हूँ।

453 मैने इसके लगभग एक महीने बाद यह स्वप्न देखा कि मैं खडा हुआ था एक दिन और मैं एक महान समय को देख रहा था कि... न्याय को नहीं, अब। मैं विश्वास नहीं करता कि ये कलीसिया (मेरा मतलब, दुल्हन) कभी न्याय में जायेगी। परन्तु, मैं वहाँ था जब ताज दिये जा रहे थे, देखिये। और एक महान महान बडा सिंहासन *यहाँ* रखा है। और यीशु और अभिलेख (याने रिकॉर्डिंग) स्वर्गदूत और सारे वहाँ खडे थे। और वहाँ सीढी के पायेदान *इस* प्रकार से नीचे एक ओर जा रहे थे, सफेद हाथी दांत के; एक बडा गोला विशाल दर्शी जैसा *इस* प्रकार और आगे बढ गया, ताकि सारा महान जमघट वहाँ खडे होकर देख सके कि क्या घटित हो रहा है।

454 और मैं वहाँ पीछे खडा हुआ होऊंगा वहाँ पीछे एक ओर। और मैं बस वहाँ खडा था, कभी कोई विचार नहीं कि मुझे उन पायेदानो पर चढना है। मैं वहाँ खडा हुआ था। मैं देखुंगा...

455 अभिलेख वाला स्वर्गदूत कुछ विशेष नाम पुकारेगा; और मैं जान जाऊंगा, उस नाम को पहचानता हुं। मैने देखा, और वहाँ पीछे यहाँ एक भाई, एक बहन के साथ चलता हुआ आता है, इस प्रकार से आपके पास तक आता है। वह अभिलेख वाला स्वर्गदूत वहाँ मसीह के एक ओर खडा है (अब यह एक स्वप्न है) और मैं देखता हूँ। और उनके नाम, वहाँ उस पर थे, यह जीवन की पुस्तक में पाये गये थे; वह उनकी ओर देखता है और

कहता है, "यह था—यह बहुत अच्छा किया या मेरे अच्छे और ईमानदार दास। अब अन्दर आ।"

456 मैने पीछे मुडकर देखा, जहाँ वे जा रहे थे। वहाँ एक नया संसार और आनन्द था। और कहा, "प्रभु के आनन्द में भीतर आजा, ये—ये तुम्हारे लिये संसार की नीव रखने से पहले है।" समझे? और, ओह, मैने सोचा... वे इसमें जायेंगे और एक दूसरे से मिल रहे है, और बस आनन्द कर रहे है, और पहाडो पर जा रहे है और महान बडा स्थान।

457 परन्तु मैने सोचा, "ओह, क्या यह आश्चर्यजनक नहीं! महिमा! हल्लेल्लुया!" ऊपर–नीचे कूद रहे है!

458 तब मैं एक और नाम को पुकारे जाने सुनता हूँ, मैं सोचता हूँ, "ओह, मैं उसे जानता हूँ, मैं... वहाँ, वहाँ वह जाता है।" उसको इस प्रकार से देखता हूं।

"प्रभु के आनन्द में आजा, मेरे अच्छे और... "

"ओह," मैं कहूँगा, "परमेश्वर की महिमा हो! परमेश्वर की महिमा हो!"

उदाहरण के लिये कहते है, जैसे वे कहते है, "ओरमन नेविल," देखिये।

459 और तब मैं कहुंगा, "यह बूढा भाई नेविल। वह यह रहा।" समझे? और वहाँ वह आता है, भीड में से निकल कर, ऊपर जाता है।

460 अब वह कहता है, "प्रभु के आनंदों में प्रवेश करो, यह तुम्हारे लिये संसार के रचने से पहले तैय्यार किया गया है, प्रवेश करो।" और बूढे भाई नेविल बस बदल गये, और पीछे से चलना आरम्भ किया, बस चिल्ला और शोर मचा रहे है।

461 लडके, मैं बस चिल्लाता और कहता हूँ, "परमेश्वर की महिमा हो!" यहाँ मैं अपने में खडा हूँ, बहुत ही शानदार समय अपने भाईयो को अन्दर जाते देख रहा हूँ।

462 और अभिलेख वाला स्वर्गदूत वहाँ खडा है, और कहा, "विलियम ब्रन्हम।"

463 मैने कभी नहीं सोचा कि मुझे वहाँ चलना होगा। इसलिये तब मैं डर गया। मैने सोचा, "ओह, प्रभु! क्या मुझे यह करना होगा?" इसलिये मैं चलता हुआ वहां गया। और बस सब मेरी पीठ थपथपा रहे थे, वह—

वह... [भाई ब्रन्हम अपने को बहुत बार थपथपा कर दिखाते है।—सम्पा।] "हे! भाई ब्रन्हम! परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई ब्रन्हम!" और जब तक लोगों की बडी भीड से निकलकर लोग इस प्रकार से थपथपाते रहे। और सब लोग बढ कर मुझे इस प्रकार थपथपा रहे थे। [भाई ब्रन्हम अपने को कई बार थपथपाते है।—सम्पा।] "परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई! परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई!"

464 मैं जा रहा था। मैने कहा, "आपको धन्यवाद। धन्यवाद। आपको धन्यवाद।" जैसे सभा से बाहर निकलते हुये, या कुछ, आप जानते है।

465 और मैं इन बडी अच्छी सीढीयो पर चलने वाला ही था। या मैने वहाँ से चलना आरम्भ कर दिया। और बस जैसे ही मैने अपना पहला कदम उठाया, मै रुक गया। और मैने सोचा... मैने उसके मुख की ओर देखा। मैने सोचा, "मैं उसको अच्छी तरह से इस प्रकार देखना चाहता था।" और मैं रुक गया।

466 मेरे अपने हाथ *इस* प्रकार से थे। मैने अनुभव किया *यही* मेरे हाथ पर कोई चीज आयी ये किसी और का हाथ था। मैने घूमकर देखा, और वहाँ होप खडी थी; वे बडी काली आंखे, और काले बाल उसके पीठ पर लटक रहे थे, सफेद कपडे पहने हुये; और मुझ इस प्रकार से देख रही थी। मैने कहा, "होप!"

467 मैने अनुभव किया कोई चीज मेरे इस *हाथ* मे लगी। घूम कर देखा, और वहाँ मेडा थी; वे काली आखे देख रही थी और वे काले बाल लटक रहे थे, एक सफेद वस्त्र पहिने हुये। और मैंने कहा, "मैडा!"

468 और उन्होंने एक दूसरे को देखा, आप जानते है, इस प्रकार से। वे... मैने उन्हें अपनी बांहो में लिया, और यहाँ हम नये घर जा रहे है।

469 मैं जाग गया। ओह! मै जाग गया। और मैं उठ कर कुर्सी पर बैठ गया और रोया आप जानते है। मैने सोचा, "ओह, परमेश्वर मैं आशा करता हूँ यह इसी प्रकार आयेगा।" जीवन में दोनो मेरे से जुडी रही और बालक उत्पन्न हुये और इस प्रकार की बातें; और यहाँ हम है, इस नये संसार में चल रहे है, ओह, प्रभु! जहाँ सिद्धता और हर चीज है। नहीं, कुछ नहीं...

470 ओह, यह बहुत शानदार चीज होने जा रही है! इसमें चूक ना जाये। इसमें चूके नहीं। परमेश्वर के अनुग्रह से, वह सब करे जो आप कर सकते है और यह परमेश्वर पर निर्भर रहेगा कि वह बाकी बातों की चिन्ता करे, तब।

मैं उससे प्रेम करता हूँ, मैं उससे प्रेम करता हूँ
क्योंकि पहले उसने मुझसे प्रेम किया
और मेरे उध्दार को खरीदा
उस कलवरी के वृक्ष पर...

471 आईये इसे फिर से गाये, अपने सारे ह्दय से। अब अपनी ऑखें परमेश्वर की ओर उठाये।

मैं उससे प्रेम करता हूँ

472 [भाई ब्रन्हम प्रचार मंच छोड कर एक महिला के लिये प्रार्थना करते है भक्त मण्डली गाना गा रही है *मैं उससे प्रेम करता हूँ* एक बार और।—सम्पा।]

... उससे प्रेम करता हूँ
क्योंकि उसने मुझसे पहले प्रेम किया
और मेरे उध्दार को खरीदा
उस कलवरी के वृक्ष पर।

473 ठीक है, अब। वह सभा के चलते जीने की आशा नहीं कर रही थी। यह ठीक बात है, यहाँ वह है दोनो हाथ हवा में है, परमेश्वर की महिमा कर रही है। यही कारण है मैं यहाँ लम्बे समय से रुका रहा; आपको नहीं बताया, मैं क्या करता हूँ मैं मेडा और उनके विषय में बातें कर रहा था। और मैं यह देख रहा था, कि देखू क्या... मैं उस ज्योति को आगे पीछे चक्कर मारते देख रहा था और गयी और उस पर जाकर ठहर गयी। मैने सोचा, "यही है।" ओह, क्या यह आश्चर्यजनक नही? [सभा आनन्द करती है—सम्पा।]

मैं उससे प्रेम करता हूँ, मैं उससे प्रेम करता हूँ
क्योंकि उसने मुझ से पहले प्रेम किया
और मेरे उध्दार को खरीदा
उस कलवरी के वृक्ष पर

474 अब अपने ह्दयो के साथ। [भाई ब्रन्हम *मैं उससे प्रेम करता हूँ* गुनगुनाते है।—सम्पा।] उसके भलाई और अनुग्रह के विषय में जरा सोचे।

... मैं उससे प्रेम करता हूँ (आमीन!)
... उसने मुझ से पहले प्रेम किया...

475 अब देखिये वह कितनी अच्छी है? आमीन! यही है अब... ? ... जाईये और चंगी रहिये। आमीन! परमेश्वर का अनुग्रह आप पर प्रकट हुआ है, कि आप को चंगा कर दे। आमीन।

... कलवरी के वृक्ष पर

ओह, परमेश्वर की महिमा हो!

मैं उससे प्रेम करता हूँ...

ठीक है, आपके पास्टर।

मैं...

476 [कोई कहता है, "भाई ब्रन्हम कल 9:30 बजे आरंभ करेंगे?"—सम्पा।] नौ से साढे नौ। नौ बजे के आस-पास। ["नाश्ते के बाद? नौ बजे?"] आप नौ बजे आरम्भ करे। मैं साढे नौ बजे आरम्भ करूँगा।

छठवी मोहर HIN63–0323

(The Sixth Seal)

सात मोहरों की श्रृंखला का प्रकटीकरण

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रन्हम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में, शनिवार सांझ मार्च 23, 1963 में ब्रन्हम टेबरनेकल, जैफरसनविले, इन्डियाना, यू. एस. ए. में में प्रचारित किया गया, जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है । इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2017 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org